आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.51
सूर्यास्त 06.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 11:38 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 7 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 18, पृष्ठ 14+4 मूल्य 5 रुपये

कांग्रेस के शासनकाल में कर का था भारी बोझ - 12

जीएसटी में बदलाव से हर परिवार को होगा लाभ : सीतारमण - 12

हजरतबल मस्जिद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने पर और गरमाया माहौल - 13

अल्काराज और सिनर में होगा अमेरिकी ओपन का खिताबी मुकाबला - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, कवि सम्मेलन : कविता से मसखरी तक का सफर व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

विकसित भारत का सारथी बनेगा यूपी परिवहन विभाग : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने 400 बसों को दिखाई हरी झंडी, 20 फीसदी कम होगा ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया
- बस सेवा की गांवों तक कनेक्टिविटी से करीब तीन लाख रोजगार के अवसर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की नई योजनाओं और सेवाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए कहा कि इसे विकसित भारत का सारथी बनाना होगा। यूपी रोडवेज के पास देश का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसे आधुनिक, सुरक्षित व प्रतिस्पर्धी बनाना प्राथमिकता है। कहा कि बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट और गांव-गांव कनेक्टिविटी से तीन लाख रोजगार सृजित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने आठ डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, 16 इलेक्ट्रिक बस, 1 रेट्रोफिट इलेक्ट्रिक बस, 10 सीएनजी बस, दो एसी बस, 20 टाटा बस, 43 आयशर सहित 400 बीएस-सिक्स बसों और सड़क सुरक्षा के लिए 11 इंटरसेप्टर को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परिवहन निगम के पास देश में सबसे बड़ा 14 हजार बसों का बेड़ा होने के बावजूद चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उन्होंने विभाग से अल्पकालिक (3 वर्ष), मध्यम अवधि (10 वर्ष) और दीर्घकालिक (22 वर्ष) योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही लंबित फाइलों के निपटारे, जनसुनवाई तेजी से कराने और टीम वर्क मजबूत करने सख्त हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग संकट काल में भी भरोसेमंद रहा। 2019 कुंभ और कोरोना महामारी के दौरान विभाग ने उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रवासियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया। प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

योगी ने प्रदेशभर में 250 ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा देते हुए कहा कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है।

लखनऊ। रोडवेज बेड़े में शामिल हुईं बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी।

निगम को मिली प्रमुख योजनाएं

- 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों से आमजन तक 45 से अधिक सेवाएं।
- सरल परिवहन हेल्पलाइन 149, डिजिटल बस ट्रैकिंग एप का शुभारंभ।
- 400 नई बसों को हरी झंडी, 3 महिला परिचालकों को नियुक्ति पत्र।
- सात पीपीपी मॉडल आधुनिक बस स्टेशनों का शिलान्यास।
- जूपिटर ऑडिटोरियम के नवीनीकरण-उच्चीकरण का लोकार्पण।
- एडीटीसी और आरवीएसएफ के नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र।

फिटनेस जांच अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर साल सड़क हादसों में कोविड काल से अधिक लोग मारे जाते हैं। उन्होंने बस चालकों की हर तीन महीने में मेडिकल और फिटनेस जांच अनिवार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि आंखों की जांच पर विशेष ध्यान देने देंगे। साथ ही आईआईटी खड़गपुर और पुलिस की मदद से सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

ब्रीफ न्यूज

इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी खराबी कोच्चि लौटी

कोच्चि। अबू धाबी के लिए रवाना हुआ इंडिगो का एक विमान दो घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार देर रात कोच्चि लौट आया। इंडिगो ने यह जानकारी दी। विमान में 180 से अधिक यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। उड़ान 6ई-1403 शुक्रवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर कोच्चि से रवाना हुई और तकनीकी खराबी के कारण रात लगभग 1:44 बजे शहर लौटी। रात लगभग साढ़े तीन बजे यात्रियों को एक अन्य विमान से अबू धाबी ले जाया गया।

मेफेड्रोन इकाई का भंडाफोड़, बांग्लादेशी सहित 12 गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र की मीरा भयंदर वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने तेलंगाना में एक मेफेड्रोन इकाई का भंडाफोड़ किया और एक बांग्लादेशी महिला सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया। यह इकाई तेलंगाना के चेरलापल्ली में संचालित की जा रही थी। एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने संवाददाताओं को बताया कि 5.968 किलोग्राम मेफेड्रोन, 27 मोबाइल फोन, तीन वाहन, चार इलेक्ट्रॉनिक तराजू, रसायन और प्रतिबंधित पदार्थ के उत्पादन में इस्तेमाल की जाने वाली अन्य सामग्री के साथ 23.97 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा, "मेफेड्रोन सहित जब्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत कई करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

भारत से संबंधों पर ट्रंप का यूटर्न, मोदी बोले सकारात्मक राय का समर्थन करता हूं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- दोनों देशों के बीच विशेष रिश्ते, मोदी मेरे अच्छे दोस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने दोनों देशों के विशेष संबंध की सराहना की, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। ट्रंप ने हालांकि, विस्तार से नहीं बताया कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। इसके कुछ घंटे बाद मोदी की सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी आई। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि अमेरिका भारत को चीन के हाथों खो रहा है। इस पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ है। मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा शुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो! सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह नया पोस्ट ऐसे समय में आया था, जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने दुनिया का ध्यान खींचा।

पिछले कुछ दिनों में व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो समेत ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत को निशाना बनाने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। भारत ने शुक्रवार को नवारो की टिप्पणी को खारिज करते हुए उसे गलत और भ्रामक बताया था। पिछले कुछ सप्ताह में, दो दशकों से अधिक के घनिष्ठ सहयोग के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में गंभीर तनाव देखा गया। यह तनाव तब शुरू हुआ, जब व्यापार समझौते के लिए बातचीत में बाधा उत्पन्न हो गई तथा ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त कराया। भारत का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत के बाद संघर्ष समाप्त हुआ।

17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में दोनों नेताओं ने दिया बयान

दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और विवेकहीन बताया था। इससे पहले, भारत के साथ संबंधों को पुनः स्थापित करने की संभावना के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का मित्र रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। चिंता की कोई बात नहीं है।

अब सुरक्षित होंगे इंसान और श्वान, उप्र सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

- फीडिंग जोन होंगे सार्वजनिक स्थलों से दूर, तय स्थानों पर देना होगा खाना, उल्लंघन पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्रों में आवारा श्वानों के बढ़ते खतरे और फीडिंग विवादों को देखते हुए नई गाइडलाइन जारी की है। यह गाइडलाइन एनिमल बर्थ कंट्रोल (स्वान) नियमावली, 2023 के अनुरूप तैयार की गई है, जिसमें सुरक्षित फीडिंग व्यवस्था, स्थायी नसबंदी अभियान और जन-जागरूकता पर जोर दिया गया है।

नगर विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, हर वार्ड में फीडिंग जोन बनाए जाएंगे, जो बच्चों के खेल स्थलों, स्कूलों या भीड़-भाड़ वाले रास्तों से दूर होंगे। भोजन कराने का समय भी इस तरह तय किया जाएगा जिससे किसी की सुरक्षा प्रभावित न हो। खासतौर पर, फीडिंग कर रहे लोगों की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा गया है कि वे केवल निर्धारित स्थानों पर ही भोजन दें और स्वच्छता बनाए रखें। समाज कल्याण की भावना के साथ कार्य कर रहे पशुप्रेमियों को नसबंदी और टीकाकरण अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया है। गाइडलाइन के अनुसार, यदि किसी क्षेत्र में फीडिंग को लेकर विवाद उत्पन्न होता है तो वहां एक विवाद निस्तारण समिति गठित की जाएगी, जिसमें मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पुलिस अधिकारी, आरडब्ल्यूए सदस्य और शिकायतकर्ता शामिल होंगे।

पशु प्रेमियों को डराना अब दंडनीय अपराध

गाइडलाइन के तहत तय जोन के बाहर श्वानों को भोजन देना पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। स्थानीय निकायों को सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पशुप्रेमियों को डराना या धमकाना अब दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। राज्य स्तर पर नगर विकास निदेशालय में अतिरिक्त निदेशक की अध्यक्षता में एक मॉनिटरिंग सेल गठित की जाएगी।

> स्थानीय निकायों को दिशा-निर्देशों का त्वरित अनुपालन करना होगा, जिसकी राज्य स्तर पर सतत निगरानी की जाएगी।
> -अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग

गणपति बप्पा मोरया

मुंबई में शनिवार को अनंत चतुर्दशी पर बारिश के बीच लोग भगवान गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए ढोल-ताशे के साथ और गुलाल उड़ाते हुए सड़कों पर उमड़ पड़े। मुंबई के विभिन्न जलाशयों में 3000 से अधिक गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

गुजरात का पावागढ़ रोपवे टूटा, छह लोगों की मौत

हलोल। गुजरात के पंचमहाल जिले की प्रसिद्ध पावागढ़ पहाड़ी पर शनिवार को एक माल ढुलाई रोपवे का तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी पर यह हादसा अपराह्न करीब तीन बजे हुआ। यह पहाड़ी अपनी चोटी पर स्थित महाकालिका मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। पंचमहल के जिलाधिकारी अजय ने बताया कि विभिन्न वस्तुओं को ले जाने के लिए बनाया गया रोपवे छह लोगों को लेकर नीचे की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। मृतकों में दो लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर व दो अन्य शामिल हैं। तार टूटने से केबल कार उस आधार बिंदु के पास गिरी, जहां रोपवे का पहला टावर स्थित है।

कनाडा ने माना देश में खालिस्तानी चरमपंथियों को मिली फंडिंग

- बब्बर खालसा इंटरनेशनल और सिख्स फॉर जस्टिस जैसे संगठन जुटा रहे पैसा

ओटावा, एजेंसी

खालिस्तानी आतंकवादियों की फंडिंग को लेकर कनाडा सरकार की चौकाने वाली एक नई रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को देश के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। इस रिपोर्ट से दिल्ली के उन दावों की पुष्टि होती दिख रही कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना किसी रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं।

2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल व इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई। रिपोर्ट में कनाडा में सूचीबद्ध व राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में शामिल कई आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिजबुल्ला व खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा तथा इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन कनाडा से ही वित्तीय सहायता प्राप्त करते पाए गए हैं।

पंजाब में स्वतंत्र क्षेत्र के लिए कई देशों में धन जुटाने का संदेह

रिपोर्ट में पंजाब प्रांत में एक स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने के लिए हिंसक तरीकों का समर्थन करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों पर कनाडा सहित कई देशों में धन जुटाने का संदेह है। इन समूहों का पहले कनाडा में धन उगाही का नेटवर्क था लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि इनमें ऐसे व्यक्तियों के छोटे समूह शामिल हैं, जो इस मुद्दे के प्रति निष्ठा रखते हैं लेकिन किसी विशिष्ट समूह से कोई विशेष संबंध नहीं है।

पहले दिन 3 लाख अनुपस्थित, 10 साल्वर पकड़े

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) पहले दिन शनिवार दोनों पालियों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। कुल 12,65,998 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 9,64,802 उपस्थित हुए, जबकि लगभग 3 लाख परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

आयोग के अनुसार, पहले दिन की औसत उपस्थिति 76.21% रही। इस दौरान 10 साल्वर भी पकड़े गए। पहली पाली में 6,32,999 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4,80,918 उपस्थित हुए, जबकि दूसरी पाली में 4,83,884 अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए 48 जिलों के 1479 केंद्रों में 35,249 कैमरे, 13,287 बायोमीट्रिक टीम और 11,003 फ्रिस्किंग टीम तैनात की गई। पहले दिन नकल और साल्वर की घटनाएं भी सामने आईं। मथुरा में उन्नाव का नीतेश अपने गांव के अखिलेश की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। मीरजापुर में एक अभ्यर्थी ब्लूटूथ डिवाइस छिपाकर नकल करता पाया गया। दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई। पहली पाली में 7 और दूसरी पाली में 3 लोग वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गये। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गई है। आयोग ने एआई आधारित फेशियल रिकॉग्निशन और कंट्रोल रूम से परीक्षा की पल-पल निगरानी सुनिश्चित की।

कवायद

वर्ष 2030 तक कृषि और हरित ऊर्जा में भारत को अव्वल बनाने का लक्ष्य

खेती से हरित ऊर्जा तक वैश्विक नेतृत्व करेगा प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वर्ष 2047 तक विश्वस्तरीय उत्पादकता और शून्य कार्बन उत्सर्जन का रोडमैप
- हर खेत तक तकनीक, हर छत पर सोलर यूपी में विकास का नया मॉडल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित यूपी @2047 के तहत प्रदेश को कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का रोडमैप तय कर दिया है। सरकार की योजना 22 साल में प्रदेश को फसल उत्पादकता और कृषि निर्यात दोनों में वैश्विक लीडर बनाने की है, साथ ही, सभी प्रमुख शहरों को सोलर सिटी में बदला जाएगा।

सरकार ने 2030 तक कृषि उत्पादकता में भारत में पहला स्थान पाने और 2047 तक अमेरिका, फ्रांस, मैक्सिको व चीन जैसे देशों की श्रेणी में पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। इसी तरह, कृषि निर्यात में भी यूपी 2030 तक भारत में नंबर-1 और 2047 तक कनाडा, रूस, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के समकक्ष बनने की

योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए राज्य में व्यापक बदलाव लाए जा रहे हैं। भंडारण, कोल्ड चेन, प्रोसेसिंग यूनिट, पीएसीएस और एफपीओ आधारित ढांचे को सशक्त किया जा रहा है। कृषि अनुसंधान, नवाचार और तकनीक आधारित खेती को प्रोत्साहित कर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर का मॉडल बनाया जा रहा है। उधर, ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में भी योगी सरकार ने 2047 तक बड़ा लक्ष्य तय किया है। राज्य के सभी प्रमुख नगरों को सोलर सिटी में बदलने, शून्य कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करने और वृक्षावरण को 20% तक ले जाने की योजना है। 2030 तक 50% ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से लेने और सभी पर्यावरणीय एसडीजी लक्ष्यों को पूरा करने का रोडमैप तय किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि कृषि और हरित ऊर्जा यूपी को विकसित भारत के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के दो मजबूत आधार बनेंगे।

कृषि क्षेत्र में प्रमुख लक्ष्य

- 2030 तक देश में फसल उत्पादकता में नंबर-1
- 2047 तक वैश्विक स्तर पर अग्रणी कृषि राज्य
- कृषि निर्यात में भारत में शीर्ष और फिर वैश्विक सूची में स्थान
- पीएसीएस, एफपीओ, मेगा फूड पार्क और कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर
- नवाचार, कृषि शिक्षा और रिसर्च को बढ़ावा
- ऊर्जा और पर्यावरण के लिए तय किए गए मानक
- 2047 तक सभी प्रमुख शहर बनेंगे 'सोलर सिटी'
- 2030 तक 50% ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से
- वृक्षावरण 2030 तक 15%, 2047 तक 20%
- शून्य कार्बन उत्सर्जन, जलवायु सहिष्णु राज्य का लक्ष्य
- ग्रीन हाइड्रोजन व अक्षय ऊर्जा में वैश्विक नेतृत्व का रोडमैप

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 7 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री वितरित करेंगे नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में नियुक्ति पत्र वितरण के साथ ही विभिन्न जिलों में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा, जहां सांसद एवं विधायक सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। यह जानकारी व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि लोकभवन से होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी प्रत्येक जिले में कराया जाएगा।

कैशलेस इलाज के लिए जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से प्रदेश के सभी शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों व महाविद्यालयों के शिक्षक ही नहीं बल्कि शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइए तक को लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा जगत के लिए मील का पत्थर है।

बसपा ने शुरू की पंचायत चुनाव की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायत चुनाव में बसपा पूरे दमखम के साथ उतरेगी। संगठन के कार्यों एवं जनाधार को बढ़ाने का कार्य जारी है। इसकी समीक्षा बैठक रविवार 9 सितंबर को पार्टी प्रमुख मायावती स्वयं करेंगी। इसके लिए सभी जिलों के जिम्मेदार एवं बूथ स्तर तक के लोगों को माल एवेन्यू स्थित यूपी स्टेट कार्यालय पर बुलाया गया है। साथ ही बताया गया कि 9 अक्टूबर को बीएसपी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियां की जाएंगी।

अहिछत्र धाम के विकास को 2 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने महाभारत सर्किट अंतर्गत बरेली स्थित अहिछत्र धाम के पर्यटन विकास की योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए दो करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि महाभारत कालीन और जैन धर्मावलंबियों के पवित्र स्थल अहिछत्र का विशेष धार्मिक महत्व है। द्वापर युग के बाद अहिछत्र पर गुप्त, पाल एवं सेन राजाओं का भी शासन रहा। हर बदलते दौर में अहिछत्र का वैभव कायम रहा।

घर बैठे बुक करा सकेंगे बस का टिकट

सीएससी और परिवहन निगम में करार, 14 हजार बसों में मिलेगी ऑनलाइन टिकटिंग की व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से परिवहन निगम को शनिवार को मिली सेवाओं में घर बैठे बस का टिकट बुक कराने समेत 45 फेसलेस (डिजिटल) सेवाएं शामिल हैं। यह सुविधा डेढ़ लाख से अधिक केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

उप्र. परिवहन निगम और सीएससी के बीच हुए करार से 14 हजार सरकारी बसों में टिकट घर बैठे बुक और रिजर्व कराई जा सकेगी। यात्रियों को बस स्टेशनों पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा, परिवहन विभाग की इन 45 फेसलेस सेवाओं में ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, टैक्स, परमिट समेत अनेक सेवाएं भी शामिल होंगी। इससे जनता को न केवल घर बैठे सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि प्रक्रिया और भी पारदर्शी होगी।

तीन महिला परिचालकों को दिया नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत तीन महिला परिचालकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। नियुक्ति पत्र पाने वाली महिला परिचालक आलमबाग डिपो की संगीता गौतम, गोल्डी मौर्या व कैसरबाग डिपो की अंशिका गौतम रहीं।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की विभिन्न सेवाओं की शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व अन्य।

आईआईटी खड़गपुर व परिवहन विभाग में एमओयू

आईआईटी खड़गपुर व परिवहन विभाग के बीच एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री के समक्ष हुए एमओयू में विभाग की तरफ से केपी सिंह व आईआईटी खड़गपुर से प्रो. उदय शंकर ने एमओयू आदान-प्रदान किया। परिवहन निगम व सीएससी के मध्य भी एमओयू हुआ।

जूपिटर ऑडिटोरियम के उच्चीकरण का कार्य शुरू

मुख्यमंत्री योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित जूपिटर ऑडिटोरियम के नवीनीकरण-उच्चीकरण कार्य की शुरुआत की। साथ ही मरकरी व मार्स ऑडिटोरियम के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया। 1760.50 लाख से तीनों ऑडिटोरियम का नवीनीकरण-उच्चीकरण कराया गया।

एडीटीसी के नवीनतम केंद्रों को दिया प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने एडीटीसी के नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया। योगी ने यह प्रमाण पत्र देवरिया के वैभव शाही, जौनपुर के कृष्णमूर्ति सिंह, सोनभद्र के आनंद मिश्र, एटा के गौरव शर्मा व गौतमबुद्ध नगर के योगराज सिंह को प्रदान किया।

आरवीएसएफ के 4 नवीनतम केंद्रों को मिला प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने आरवीएसएफ नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र भी दिया। यह प्रमाण पत्र हापुड़ के ध्रुव सिंहल, बुलंदशहर के अलीम खान, गाजियाबाद के फरमान व हापुड़ के कैफ खान को दिया गया।

4 आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर के निवेशकों को प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने 4 नवीनतम आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर के निवेशकों को प्रमाण पत्र दिया। यह प्रमाण पत्र लखनऊ के रोहित सिंह, आगरा के अजय राय, कानपुर के विवेक श्रीवास्तव व मीरजापुर के अनुपम प्रकाश त्रिपाठी को प्रदान किया गया।

ये भी हुए सम्मानित

जनसेवा केंद्रों के माध्यम से परिवहन सेवाएं प्राप्त करने वाले चार लोगों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया। यह प्रमाण पत्र बलिया के अनुमेन्द्र प्रताप सिंह, क्रांति कुमार, वाराणसी के पवन सिंह व लखनऊ के अखिलेश शर्मा को दिया गया।

पीपीपी मोड पर विकसित होंगे सात बस स्टेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज अयोध्या धाम के बस पोर्ट्स का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

अमृत विचार : पीपीपी मोड पर 7 बस स्टेशन विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में बीटूगेदर द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले बसपोर्ट्स में लखनऊ (विभूति खंड, गोमती नगर), गाजियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) व अयोध्या धाम का शिलान्यास किया। रसूलाबाद (अलीगढ़), बस स्टेशन जीरो रोड (प्रयागराज) और चारबाग (लखनऊ) भी सूची में शामिल हैं।

बीटूगेदर ओमैक्स ग्रुप, लखनऊ (अमौसी) और कौशाम्बी (गाजियाबाद) बस पोर्ट्स का भी विकास जल्द करेगा। लगभग 2,700 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाले ये सभी बसपोर्ट्स यात्री सुविधा और वाणिज्यिक गतिविधियों के समन्वय के साथ विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम में ओमेक्स बीटूगेदर की ओर प्रबंध निदेशक मोहित गोयल, प्रेसीडेंट सुनील कुमार सोलंकी, ईश्वरदेव शुक्ल, नरेंद्र सिंह, अखिल सिद्धांत, परिवहन निगम के जीएम यजुवेंद्र उपस्थित रहे। वहीं पीपीपी मोड द्वारा विकसित किए जाने वाले बस स्टेशनों के विकासकर्ता मोहित गोयल, ईश्वरदेव शुक्ल, नरेंद्र सिंह ने योगी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते बस स्टेशनों के विकासकर्ता।

आकाश आनंद के ससुर की बसपा में वापसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सोशल मीडिया पर मायावती से माफी मांगी

अमृत विचार : बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर व पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ की बसपा में वापसी हो गई है। इसके लिए निष्कासित चल रहे अशोक सिद्धार्थ ने बसपा प्रमुख मायावती से सोशल मीडिया एक्स पर सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते हुए माफी मांगी और भविष्य में दोबारा गलती न करने का भरोसा दिलाया। पोस्ट जारी होने के कुछ देर बाद ही बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर ही न केवल उन्हें माफ कर दिया बल्कि तत्काल प्रभाव से निष्कासन रद्द कर पार्टी मूवमेंट में सक्रिय रहने के निर्देश भी दिए।

लंबे अर्से से बसपा से निष्कासित चल रहे फर्रुखाबाद निवासी बसपा के पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने

शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि पार्टी का कार्य करने के दौरान जाने-अनजाने व गलत लोगों के बहकावे में आकर मुझसे जो भी गलतियां हुई हैं। उसके लिए बसपा सुप्रीमो से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। आगे उन्होंने कहा कि फिर कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा, साथ ही हमेशा पार्टी अनुशासन में रहकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। गौरतलब बात यह कि उन्होंने लिखा कि रिश्तेदारी का कभी कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा।

हाईकोर्ट में नियुक्तियों का रास्ता साफ

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में बेंच सेक्रेटरी संवर्ग के 32 पदों पर नियुक्ति की राह में खड़ी सबसे बड़ी बाधा हटा दी है। शासन ने 3 अगस्त 2022 के शासनादेश में लगे उस 'राइडर' (शर्त) को हटा दिया है, जिसके तहत इन पदों पर नियुक्ति तभी संभव थी, जब कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 125 तक पहुंच जाती। मुख्य सचिव विनोद सिंह रावत द्वारा जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्यपाल ने इस राइडर को हटाने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे अब हाईकोर्ट प्रशासन को इन 32 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से जनवरी 2023, दिसंबर 2023 और अप्रैल 2024 को भेजे गए पत्रों में इस राइडर को हटाने की मांग की गई थी। शासन ने इन पत्रों पर विचार करते हुए अंततः यह निर्णय लिया।

छह बोगस फर्मों ने की 71.72 करोड़ टैक्स चोरी

राज्यकर के उपायुक्त व सहायक आयुक्त की शिकायत पर लखनऊ में पुलिस ने की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कारोबार कर कंपनियों ने 3.36 अरब रुपये का किया फर्जीवाड़ा

अमृत विचार : छह बोगस कंपनियां बनाकर कारोबारियों ने राजधानी में 3,36,46,85,896 रुपये का कारोबार कर मोटी कमाई की। इतना बड़ा कारोबार करने वाली इन कंपनियों ने सरकार को 71,72,93,238 रुपये की टैक्स चोरी कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में राज्यकर विभाग के चार उपायुक्त व सहायक आयुक्त ने गुडंबा थाने में कंपनियों के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्यकर अधिकारियों ने बोगस कंपनियों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। पिछले दो दिन में की गई जांच में छह बोगस कंपनियों के बारे में जानकारी हुई। इन कंपनियों ने ऑन लाइन पंजीकरण कराकर 3.36 अरब का कारोबार दिखाया और 71.72 करोड़ की टैक्स चोरी की। राज्यकर उपायुक्त अमरदीप वर्मा के मुताबिक एमएस श्रीकांत इंटरप्राइजेज ने ऑन लाइन पंजीकरण कराया। कंपनी के मालिक श्रीकांत तानजी अधव ने अंबेडकरगढ़ निर्माण संस्था सिद्धार्थ कालोनी चेंबुर का पता दर्ज कराया। कंपनी हकीकत में कहीं संचालित होना नहीं पाया गया। कंपनी ने 47,07,91,960 रुपये का कारोबार दिखाते हुए 9,27,14,425 रुपये टैक्स चोरी की। इसी तरह सागर सोसायटी कानपुर रोड के पते पर पंजीकृत कंपनी एवन इंटरप्राइजेज के मालिक भावेश इंदुभाई त्रिवेदी ने 74,24,94,695 रुपये का कारोबार दिखाते हुए 15,21,99,958 रुपये की टैक्स चोरी की। जबकि कंपनी अस्तित्व में ही नहीं है।

वहीं, सहायक आयुक्त गौरव सिंह राजपूत के मुताबिक एसएम इंटरप्राइजेज पालघर महाराष्ट्र के पते पर पंजीकृत हुआ। कंपनी के मालिक मंगेश काशीनाथ शिंदे हैं। उन्होंने राज्यकर विभाग में दाखिल किये गये दस्तावेज में 42,16,73,031 रुपये का कारोबार दिखाया। जिस पर 8,02,34,118 टैक्स चोरी की। उधर उपायुक्त भूपेंद्र सिंह के मुताबिक पटेल इंटरप्राइजेज अरौलिया रोड शहडोल मध्य प्रदेश के नाम से पंजीकृत है। इसकी मालकिन स्वाती पटेल हैं। उन्होंने अपना 28,27,76,762 रुपये का कारोबार दिखाया। जिस पर 11,00,95,659 रुपये टैक्स चोरी की।

उपायुक्त सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि गुजरात के दाहोद के पते पर कृष्णा इंटरप्राइजेज का पंजीकरण है। कंपनी के मालिक किशोरी प्रवीन भाई बाबु भाई ने 59,34,84,000 रुपये का कारोबार किया। इस कारोबार पर उन्होंने 10,98,16,000 रुपये टैक्स चोरी की है। इसी तरह एसएम इंटरप्राइजेज कल्याणपुर गुडंबा के पते पर पंजीकरण है। कंपनी के मालिक आनंद मनोहर उम्बार्जे ने अपना कारोबार 85,34,65,448 रुपये दिखाया। इस पर 17,22,33,078 रुपये टैक्स चोरी किया। छह कंपनियों के खिलाफ राज्यकर विभाग के उपायुक्त भूपेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र यादव, अमरदीप वर्मा और सहायक आयुक्त गौरव सिंह राजपूत ने गुडंबा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व सांसद पर धर्मांतरण का आरोप

बलरामपुर की डेमोग्राफिक बदलाव की रची साजिश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पलामू की युवती का पश्चिम बंगाल में कराया था धर्मांतरण
- पूर्व सांसद के करीबियों के घर पर सौ-सौ वोटर बनवाए गए

अमृत विचार: बलरामपुर के पूर्व सपा सांसद पर धर्मांतरण गिरोह को संरक्षण दे रहे थे। उनके दो करीबी गुर्गे सईद अहमद और तौकीर अहमद नेपाल से लोगों को बलरामपुर लाते थे। नेपाल सीमा पर बसाते हैं। हिंदू लोगों का धर्मांतरण कराकर करोड़ों की उनकी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। यह आरोप बलरामपुर निवासी जबीउल्ला और विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने प्रेसवार्ता में लगाया है। वहीं झारखंड के पलामू से आई एक महिला ने आरोप लगाया कि पूर्व सांसद के गुर्गे ने आईएसआई एजेंट सैफ अली के जरिये उनकी नाबालिग बेटी को अगवाकर पश्चिम बंगाल लेकर गये। जहां धर्मांतरण कराया।

पूर्व सपा सांसद पर आरोप है कि डेमोग्राफिक बदलाव के लिए एक ही मकान पर सौ या सौ से अधिक लोगों के नाम दर्ज कराये गये। जो एक पार्टी विशेष को वोट कर रहे थे। सईद अहमद और तौकीर अहमद वोट जिहाद चला रहे थे। इन सभी को पूर्व सांसद के साथ छांगुर के गिरोह की भी शह मिल रही थी। सिद्धार्थ नगर के अब्दुल हकीम खान ने कहा कि शमशुल हुदा आईएसआई का एजेंट है। उसका पाकिस्तान में नेटवर्क है। इसके कई साक्ष्य भी उनके पास मौजूद हैं। वीडियो के जरिये अब्दुल हकीम खान ने आरोप लगाया कि इन सभी 500 करोड़ की संपत्ति बनाई। दिल्ली के एक व्यक्ति ने कहा कि उनकी बेटी को छांगुर गिरोह का जाहिद अगवा कर ले गया। मेवात में रखा जहां धर्मांतरण कराया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल ने कहा कि बच्चियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। प्रदेश में सर्वाधिक अंबेडकरनगर की किशोरियों को अगवा किया गया।

अगले बरस तू जल्दी आ...

लखनऊ में धूमधाम से मनौतियों के राजा गणेशजी की प्रतिमा की विसर्जन यात्रा निकालते भक्त। ● अमृत विचार

खाद्यान्न घोटाले का आरोपी कोटेदार गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जौनपुर में 2004-05 में हुआ था घोटाला

अमृत विचार: जौनपुर में 2004-05 में हुए खाद्यान्न घोटाले के आरोपी कोटेदार को ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट ने शुक्रवार देर शाम को गिरफ्तार किया। इस मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष व अवर अभियंता भी आरोपी हैं। ईओडब्ल्यू ने जांच के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी थी। जबकि अवर अभियंता की तलाश की जा रही है।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, टीम ने जौनपुर के केराकत स्थित घुरहूपुर निवासी कोटेदार रमेश चंद्र तिवारी को गांव से गिरफ्तार किया है। अधिकारी के मुताबिक 2004-05 में जौनपुर में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के तहत विकास खंड मुफ्तीगंज के गांवों में नाली निर्माण, खड़ंजा, पटरी मरम्मत, संपर्क मार्ग पर मिट्टी कार्य, सीसी रोड व पुलिस निर्माण कार्य प्रस्तावित था। इसमें लगे मजदूरों को कार्य के बदले खाद्यान्न आवंटित कराया जाना था। पर, आरोपियों ने वास्तविक मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर उसे बाजार में बेच दिया।

अवसर | 746 विद्यालयों में शिक्षा, खेल और तकनीक के साथ आत्मनिर्भर बन रहीं बेटियां

केजीबीवी में बदल रही गरीब बेटियों की तकदीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आवासीय मॉडल से गांवों की बेटियों को मिल रहा उज्ज्वल भविष्य, प्रदेश का बढ़ रहा नाम

अमृत विचार : योगी सरकार में गरीब परिवार की बेटियों की शिक्षा अब केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बन चुकी है। राज्य के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) आज ग्रामीण और वंचित वर्ग की बेटियों के लिए आवासीय शिक्षा, डिजिटल दक्षता, खेल, आत्मरक्षा और जीवन कौशल के केंद्र बन गए हैं।

इन विद्यालयों में इस समय 1.21 लाख से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं।

इनमें 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की बेटियों के लिए आरक्षित हैं, जबकि शेष सीटें बीपीएल परिवारों की बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं। यहां स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और 'एक शब्द एक सूत्र' जैसे नवाचारों के जरिए गुणवत्तापरक शिक्षा दी जा रही है। कंप्यूटर लैब, अतिरिक्त डॉरमेट्री, टॉयलेट ब्लॉक, ओपन जिम, एस्ट्रोनॉमिकल लैब और म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में हेल्पलाइन पट्टिकाएं, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

आईआईटी गांधीनगर की मदद से 'क्यूरियॉसिटी प्रोग्राम' भी चलाया जा रहा है। खेलों में भी 222 बालिकाओं ने राज्य स्तर पर और 35 ने राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी कर योग्यता सिद्ध की है।

छात्राओं की प्रेरक उपलब्धियां

- **उन्नाव की अर्चना निषाद :** अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम की खिलाड़ी
- **महोबा की निंदा खातून :** नीट पास कर एमबीबीएस में दाखिला
- **अमरोहा की निधि :** पीसीएस परीक्षा पास करके एसडीएम
- **प्रतापगढ़ की रिया व प्रयागराज की संध्या :** जापान भ्रमण पर गईं

टोंटी चोरी कांड को भूल नहीं सकते : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'टोंटी चोरी' कांड को तत्कालीन मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी और उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को कभी नहीं भूल सकते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है यह मुद्दा राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अपमान का प्रतीक बन चुका है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कन्नौज में मीडिया से कहा कि आखिरकार सरकार को जीएसटी की खामियों को स्वीकार करना पड़ा। सरकार बताए कि जनता और व्यापारियों पर जीएसटी थोपने का फैसला किसकी सलाह पर लिया था।

बीआरडी गोरखपुर का होगा विस्तार मरीजों व चिकित्सकों को मिलेगी सुविधा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्राइवेट वार्ड और रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए बनेंगे 40-40 कमरे

अमृत विचार : गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीजों के लिए 40 कमरों का प्राइवेट वार्ड बनेगा साथ ही 40 कमरे रेजीडेंट्स चिकित्सकों के लिए बनेंगे। इसके बाद परिसर में रेजीडेंट्स चिकित्सकों के रहने से न केवल चिकित्सकीय सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्राइवेट कक्ष बनने से मरीजों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य लाभ लेना सहज होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 32 करोड़ 12 लाख के प्रस्ताव में छह करोड़ 50 लाख रुपये की पहली किश्त जारी कर दी गयी है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज द्वारा न्यू प्राइवेट वार्ड के 40 कमरे और 40 रेजीडेंट कक्ष निर्माण के लिए 32 करोड़ 14 लाख 96 हजार का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें 32 करोड़ 11 लाख 69 हजार स्वीकृत हुए हैं। इसमें से 6.5 करोड़ की पहली किश्त जारी हुई है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही कार्यदायी संस्था को जिम्मेदारी सौंप का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

पीजीआईएसीएच नोएडा को दिए 15 करोड़

अमृत विचार : नोएडा स्थित बाल चिकित्सा एवं स्नातकोत्तर शैक्षणिक संस्थान में अत्याधुनिक चिकित्सकीय उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने 15 करोड़ रुपये जारी किए हैं। संयुक्त सचिव मनोज कुमार सिंह ने संस्थान के निदेशक को वित्तीय स्वीकृत आदेश जारी किया है।

न्यूज ब्रीफ

करंट लगने से शटरिंग कारीगर की गई जान

पुखरायां। सट्टी थाना क्षेत्र के रूरगांव निवासी हामिद पुत्र हमीद (35) भोगनीपुर क्षेत्र के अकोढ़ी गांव में एक मकान में शटरिंग लगा रहा था। शटरिंग लगाने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। साथियों ने उसे पुखरायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई शुरू की।

घरेलू कलह में लगाया फंदा, हालत गंभीर

रसूलाबाद। बंदराहा गांव के रहने वाले बृजकिशोर (27) हरी सिंह ने घरेलू कलह में शनिवार को घर के अंदर फंदा बनाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। उसे फंदे में लटकते देख परिजनों ने फौरन फंदा काटकर सीएचसी पहुंचाया, जहां ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने इलाज के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट कानपुर रेफर कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आई युवती की शिनाख्त

कानपुर देहात। अक्षयवट के समीप ट्रेन का शिकार हुई युवती की शिनाख्त हो गई है। झींझक के अंबेडकर नगर से पहुंचे भाई अनुज ने बताया कि उसकी बहन श्रद्धा उर्फ किरन 24 वर्ष की थी। वह मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थी। मौत पर मां दीपमाला, बहन प्रिंसी रोती बिलखती रहीं। चौकी इंचार्ज अभिनेष चौधरी ने बताया कि श्रद्धा ओम शांति संगठन के झीझक व मंगलपुर कार्यालय आती-जाती थी। घर वालों ने सोचा था कि श्रद्धा मंगलपुर गई होगी। रात में खोजबीन की, तब जानकारी हुई। शव की शिनाख्त हो जाने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पूनम कटियार को किया सम्मानित

रसूलाबाद। उत्कृष्ट कार्यों के लिए बीएसए डॉ. अजय कुमार मिश्रा ने ब्लॉकों के 5-5 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। इनमें रसूलाबाद ब्लाक के शिक्षकों में पीएम श्री संविलियन विद्यालय कहिंजरी में शिक्षक/अनुदेशक पूनम कटियार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके सम्मान के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका दीपा रानी सहित समस्त शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

मंडलीय वॉलीबाल प्रतियोगिता 9 से

कानपुर देहात। डीआईओएस ने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 9 सितंबर से 69वीं जनपदीय एवं मंडलीय वॉलीबाल प्रतियोगिता प्रारंभ होगी, जो 12 सितंबर तक चलेगी। प्रतियोगिता बाल शक्ति हायर सेकेंड्री स्कूल बरगवां, विकास खंड मलासा में होगी। प्रतियोगिता में 14,17 एवं 19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। टीमें प्रतियोगिता के ही दिन प्रधानाचार्य अथवा जिला क्रीडा सचिव संजय कुमार मिश्र के नंबर 9696890329 पर संपर्क कर सकती हैं।

बिजली गिरने से छह बकरियों की मौत

कानपुर देहात। डेरापुर के सनिहापुर अहिरान निवासी किसान मानसिंह ने बताया कि दोपहर लगभग 3 बजे वह बकरियों को चराकर खेत से घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में तेज बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए वह बकरियों के साथ बरगद के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिससे उनकी पांच बकरियां और एक बकरा मौके पर ही मर गई। घटना के बारे में तहसील प्रशासन को सूचना दे दी गई है।

वीरसेन यादव ने बांटा परिवार का दुख-दर्द

पुखरायां। भोगनीपुर विस क्षेत्र के ग्राम गोरा नगर जुनैदपुर अकबर नगर के पुष्पेंद्र यादव की करंट की चपेट में आकर मृत्यु होने पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी वीरसेन यादव ने घर पहुंचकर घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने जुनेदपुर में मार्ग दुर्घटना में मृतक श्याम यादव के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद यादव, ग्राम प्रधान धर्म सिंह यादव आदि रहे।

भाजपा नेता को ध्वज चढ़ा कर श्रद्धांजलि

रसूलाबाद। सड़क हादसे में बिरहुन निवासी जिला मंत्री शिवपाल सिंह के निधन की सूचना पर भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, पूर्व विधायक निर्मला संखवार, ब्लॉक प्रमुख राधा द्विवेदी के प्रतिनिधि पप्पू द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष ओमशंकर सिंह ,रंजना द्विवेदीसमेत अन्य भाजपाई शव यात्रा में शामिल हुए और उनके पार्थिव शरीर पर पार्टी का ध्वज चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

अबूझ पहेली बनकर रह गया मामी-भांजे की हत्या का राज

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, रसूलाबाद

- हर किसी के दिमाग में कौंध रहा हत्या और आत्महत्या का सवाल
- दोनों के बीच थे प्रेम संबंध, फिर भांजा क्यों बना जान का दुश्मन

मीना उर्फ मन्नू।

अमृत विचार: बहेलियन पुरवा में मामी-भांजे की मौत को भले ही पुलिस हत्या और आत्महत्या का मामला मान रही है, मगर हर किसी के जेहन में एक ही सवाल कौंध रहा है कि आखिर जब दोनों के बीच काफी समय से प्रेम संबंध थे तो भांजा अपनी प्रेमिका मामी की जान का दुश्मन क्यों बना? मगर पुलिस जिस तरह जांच कर रही है, उससे नहीं लगता कि हत्या की असली वजह सामने आ पाएगी।

25 अगस्त को पंजाब जाने से पहले बहेलियन पुरवा निवासी सुखराम का जिस बात को लेकर अपनी पत्नी मीना उर्फ मन्नू से विवाद हुआ और फिर जिस तरह दोनों के बीच एक-दूसरे को धकियाने की नौबत आई, उसका परिणाम दो मौतों के रूप में सामने आया। 31 अगस्त की रात पत्नी मीना उर्फ मन्नू की हत्या और भांजे इंद्रेश की कथित आत्महत्या के बाद सुखराम अब कोई कार्रवाई नहीं करने की दुहाई दे रहा है, मगर उसकी बातों पर यकीन करें तो यह बात साफ हो जाती है कि पति-पत्नी और भांजे के बीच काफी समय से अवैध संबंधों का तनाव चल रहा था। एक सितंबर की सुबह घर में मामी-भांजे के एक साथ शव मिलने के बाद ही प्रेम संबंधों की कहानी खुलकर सामने आई थी। हर किसी की जुबां पर प्रेम संबंधों को लेकर हत्या की चर्चा थी, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की गुत्थी उलझ गई, जिसके सुलझने के अब कतई आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, मामी मीना का शव चारपाई पर मिलने और उसके गले में दुपट्टा कसे होने के साथ नाखून के खरोंच के निशान मिलने से हत्या की बात सामने आई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि हुई, मगर इंद्रेश का शव जिस हालत में मिला, उससे फांसी लगाकर आत्महत्या की बात किसी के गले नहीं उतर रही है।

लोगों का कहना है कि इस मामले में परिवार की ओर से कोई तहरीर न दिए जाने और फिर बिरहुन चौकी इंचार्ज जयप्रकाश सिंह की ओर से रसूलाबाद थाने में इंद्रेश के खिलाफ मीना की हत्या कर खुदकुशी किए जाने की एफआईआर दर्ज कराने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस भी दो मौतों पर पर्दा डालने और किसी पचड़े में उलझने के बजाय इस मामले में एफआर लगाने की तैयारी कर रही है। इन हालातों में नहीं लगता कि मामी-भांजे की मौत का राज कभी सामने आ पाएगा। लोगों का कहना है कि जब मामी-भांजे के बीच काफी समय से प्रेम संबंध चल रहे थे तो आखिर इंद्रेश अपनी प्रेमिका मामी की जान का दुश्मन क्यों बना? यह सबसे बड़ा अहम सवाल है। पुलिस के अधिकारी कोई जवाब नहीं दे रहे हैं।

मीना के भाई को आत्महत्या पर यकीन नहीं

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मीना की हत्या की पुष्टि हो चुकी है, मगर इंद्रेश की मौत को आत्महत्या बताने पर मीना के भाई सचिन को यकीन नहीं है। सचेंडी थाना क्षेत्र के पलरा गांव के रहने वाले सचिन का कहना है कि इंद्रेश का शव दीवार के सहारे बैठी हालत में मिला था, जिसे देखकर कोई आत्महत्या की बात स्वीकार नहीं कर सकता। अगर उसने आत्महत्या की भी तो उसके शव को किसने नीचे उतारा? इसकी जांच होनी चाहिए। उसने बताया कि घटना के बाद वह रसूलाबाद थाने गया था। तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराना चाहता था, लेकिन पुलिस ने यह कहकर उसे वापस कर दिया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई होगी। उसके बाद पुलिस ने उससे कोई संपर्क नहीं किया। सचिन ने 3 सितंबर को पोर्टल पर हत्या की शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई थी, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ।

परिवार की भूमिका पर उठ रहे सवाल

- कन्नौज जनपद के छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के निगोह गांव के रहने वाले मानसिंह का 30 वर्षीय बेटा इंद्रेश 31 अगस्त की शाम करीब 5 बजे मामी मीना उर्फ मन्नू के घर बहेलियन पुरवा पहुंचा था। इसके बाद 6-7 बजे के बीच मीना ने खुद फोन कर अपने पति सुखराम को इसकी जानकारी दी थी। तब तक घर में सब कुछ ठीक था। घर में मीना की बड़ी बेटी वर्षा (11), श्रेजल (9), अर्पित (6) और ऋतिक (3) थे। बड़ी बेटी वर्षा ने बताया था कि घर आने के बाद शाम को भैया (इंद्रेश) कोल्डड्रिंक लाए थे। खाना खाने के बाद सभी बच्चे सो गए थे। मीना की सास विद्यावती दूसरे बेटे के साथ पुराने वाले घर में थी। एक सितंबर की सुबह बेटी वर्षा ने परिवार और गांव वालों को मां और भैया (इंद्रेश) की मौत के बारे में सूचना दी थी। परिवार के लोग शवों का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर रहे थे। पुलिस को कोई तहरीर भी नहीं दी, जो कहीं न कहीं परिवार की भूमिका पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

रनियां। गजनेर कस्बे में शनिवार शाम तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सीएससी में भर्ती कराया, जहां हालत नाजुक देख उसे अकबरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

जोधेपुर निवासी मुकेश कमल (28) पुत्र मुन्नू कमल जरूरी काम से गजनेर गया था, तभी रोड पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गजनेर पुलिस ने गजनेर सीएचसी भेजा, जहां हालत नाजुक देख अकबरपर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिली तो भाई पिंटू, मुकेश, राहुल, मां सत्यवती का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। गजनेर थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने कहा कि हादसे कीतहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे किनारे मिला युवक का शव, हत्या होने की आशंका

सिकंदरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर का रहने वाला था युवक, शुक्रवार को हुआ था लापता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- डेरापुर में बैरियर चौराहे के पास मिला शव, चोटों के निशान थे
- 500 मीटर दूर खड़ी थी बाइक नीचे दबा मिला मोबाइल फोन

डेरापुर में बैरियर चौराहे के पास शव मिलने पर मजमा लग गया। अमृत विचार

अमृत विचार: डेरापुर थाना क्षेत्र में हाईवे पर संदिग्ध हालात में एक युवक का शव पड़ा मिला। उसकी मोटर साइकिल करीब पांच सौ मीटर दूर लावारिश हालत में मिली। युवक के शरीर पर गहरी चोटों के निशान थे, जिससे उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना को लेकर इलाके में सनसनी सी फैल गई। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

इलाकाई लोग सुबह दैनिक क्रिया के लिए निकले तो बैरियर चौराहे के पास शव पड़ा होने के बारे में जानकारी मिली। करीब से जाकर देखा तो युवक की गर्दन और सिर पर चोटों के निशान मिले। उसकी मोटर साइकिल घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूरी पर खड़ी मिली। मोबाइल फोन पास रखी पेटी के नीचे पड़ा मिला। शव और लावारिश हालत में मिली मोटर साइकिल व मोबाइल के बारे में लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक जांच-पड़ताल की। शव की तलाशी में मिले कागजातों के आधार पर युवक की शिनाख्त हुई। चौकी प्रभारी अरविंद तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों की आशंका के आधार पर सभी बिंदुओं की जांच होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। थाना प्रभारी संजेश कुमार ने बताया कि युवक के परिजनों से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा कायम कर कार्रवाई की जाएगी।

शाम से तलाश कर रहे थे परिवार वाले

रवि कुमार।

- पुलिस के मुताबिक युवक सिकंदरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के रहने वाले बलराम का पुत्र रवि कुमार उर्फ ललित (35) है। बताया गया कि शुक्रवार की दोपहर वह घर से निकला था। देर शाम तक वापस नहीं लौटा। घर वालों को चिंता हुई तो संभावित जगहों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। शव मिलने के बाद घटनास्थल पहुंचे परिजनों का बुरा हाल रहा। उन्होंने हत्या किए जाने की आशंका जताई है। ललित की पत्नी प्रियंका अपनी बेटी पल्लवी और दो माह के बेटे के साथ रोती-बिलखती रही।

लापता बुजुर्ग का शव नहर में मिला

रनियां। गजनेर थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव के पास उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नहर में एक अधेड़ का शव पड़ा मिला। उसकी पहचान अकबरपुर क्षेत्र के मिलकिया निवासी रामनाथ (60) के रूप में उनके पुत्र लवकुश ने की।

परिजनों के मुताबिक 4 सितंबर की शाम रामनाथ जगजीवनपुर की पान मसाला की दुकान से घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने खोज की। रास्ते में बैटरी चलित साइकिल, सामान और कुछ पैसे मिले, उसका पता नहीं चला। रिश्तेदारी में संपर्क करने पर भी कोई पता नहीं चलने पर अकबरपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई और तलाश जारी रखी। शनिवार की शाम करीब पांच बजे नहर के किनारे शव मिलने की सूचना मिली। वह रामनाथ की ही थी। बेटे लवकुश ने बताया कि पिता का बायां पैर कटा था। इसी से पहचान की है। खबर पर रामनाथ की पत्नी रूपरानी, पुत्र शीलू, लवकुश रोते-बिलखते रहे। परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे बिरसिंहपुर चौकी प्रभारी उदयवीर ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विवाद में मारी गोली 2 लोग गंभीर घायल

संवाददाता, शिवली

- ज्योति गांव में रास्ते को लेकर दो पक्षों में विवाद, घायल हैलट रेफर

दो लोगों को गोली लगी है। एक को छर्रे लगे हैं। आरोपी बालेंद्र की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। तलाश की जा रही है।।

-राजेश पांडेय, एएसपी

घायल को ले जाते एंबुलेंस का स्टाफ।

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के ज्योति गांव में विवाद के बीच एक युवक ने गोली चला दी, जिससे दो लोग घायल हो गए, जबकि तीसरे को छर्रे लगे हैं। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। सीओ रमेश वर्मा गांव पहुंचे। रास्ते को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है।

शनिवार की शाम ज्योति गांव के पूर्व प्रधान कौशल सिंह के पुत्र देवेंद्र सिंह उर्फ आशीष सिंह व दूसरे पक्ष के अभिमन्यु सिंह पुत्र धर्मेंद्र सिंह के बीच विवाद के बाद मारपीट होने लगी। इसी बीच बालेंद्र सिंह उर्फ लवी पुत्र राजेंद्र सिंह ने 12 बोर के तमंचे से गोली चला दी। पूरे गांव में सनसनी फैल गई। कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया कि अभिमन्यु सिंह और देवेंद्र सिंह उर्फ आशीष सिंह गोली लगने से घायल हुए हैं। रघुपाल सिंह को दो छर्रे लगे हैं। घायल अभिमन्यु सिंह और देवेंद्र सिंह उर्फ आशीष सिंह को शिवली सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि गोली चलाने वाले युवक की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

राजपुर पीएचसी अधीक्षक के बोल बिगड़े, डीएम ने शुरू कराई जांच

संवाददाता, राजपुर

- सिकंदरा सीएचसी के क्षय रोग पर्यवेक्षक ने की थी शिकायत
- गालीगलौज का ऑडियो और दूसरा वीडियो हुआ वायरल

अमृत विचार: राजपुर पीएचसी अधीक्षक का अफसरों के खिलाफ अर्मादित भाषा का एक वीडियो और टीबी उन्मूलन के पर्वेक्षक के खिलाफ गाली गलौज का आडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। डाक्टर की अर्मादित भाषा को लेकर लोग तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद जिलाधिकारी ने निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी रोज नए विवादों से घिरते जा रहे हैं। सिकन्दरा सामुदायिक केंद्र में तैनात क्षय रोग विभाग के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक ने गुरुवार को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ.अमित निरंजन पर अभ्रद व्यवहार और गालीगलौज करने का आरोप लगाया था। इस गालीगलौज का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इस बीच गुरुवार को राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण करने पहुंचे उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदित्य सचान को जननी सुरक्षा वार्ड में कुत्ता बैठा मिला था। वहीं इमरजेंसी कक्ष में जीवन रक्षक दवाइयां एक्सपायरी डेट की मिली थीं। इसके अलावा भी बड़ी खामियां मिली थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रखा सरकारी जनरेटर भी गायब मिला था, जिसका अभी तक पता नहीं चल सका है।

खास बात यह है कि निरीक्षण कर डिप्टी सीएमओ के जाने के बाद पीएचसी परिसर में अधीक्षक डॉ. अमित निरंजन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अधीक्षक के बिगड़े बोल में कहते नजर आ रहे हैं कि वह तहसीलदार और एसडीएम को बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं देंगे। यहां रहेंगे तो अपनी शर्तों पर रहेंगे, वर्ना नहीं रहेंगे। अधीक्षक यहीं नहीं रुके, आगे बोले झांसी जनपद के मोठ में तैनाती के दौरान उन्होंने एक 'माननीय' को कुर्सी नहीं देकर बेइज्जत किया था। मामले में डीएम कपिल सिंह ने वायरल वीडियो और आडियो की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है।

रिंद नदी के बहाव में डूबा किशोर

रसूलाबाद। रतनपुर में साथियों के साथ नहा रहा किशोर रिंद नदी के तेज बहाव में बह गया। साथियों लोगों को सूचना दी। पुलिस ने तलाश की। शाम तक नहीं मिला।

रतनपुर निवासी दीपक दिवाकर का बड़ा बेटा आलोक उर्फ डुग्गू (14) शनिवार को 3 बजे गांव के दो किशोरों के साथ रिंद नदी नहाने गया था। वह तेज बहाव में बह गया। चौकी इंचार्ज शिवबहादुर सिंह ने गोताखोरों की सहायता से तलाश कराई, लेकिन देर शाम तक किशोर का पता नहीं चल सका । डुग्गू की मां रेखा देवी व पिता दीपक, छोटे भाई अक्षत, बहन अनन्या के साथ दिल्ली में मजदूरी करते हैं । वह बाबा रामजीवन व दादी सुशीला के साथ गांव में रहता था। प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह ने बताया कि नदी किनारे कपड़े, चप्पल मिले हैं। एसडीआरएफ टीम बुलाई गई है।

कप्तान ने धर्मगढ़ बाबा के दरबार में लगाई हाजिरी, किया जलाभिषेक

संवाददाता, रसूलाबाद

- समाधान दिवस में जनता का दर्द सुनने के बाद मंदिर पहुंचीं
- इसके पहले रसूलाबाद थाने का निरीक्षण कर देखा हाल

धर्मगढ़ बाबा मंदिर में पूजन करतीं एसपी।

अमृत विचार: जनपद की नई पुलिस कप्तान श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने शनिवार को रसूलाबाद थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीएनएस, महिला हेल्प डेस्क, कार्यालय और शस्त्रागार की व्यवस्थाएं देखीं और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। थाने के निरीक्षण के बाद पुलिस कप्तान ने धर्मगढ़ बाबा में जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की समाप्ति के बाद जनपद की नवागंतुक पुलिस कप्तान श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने रसूलाबाद थाने पहुंचकर सीसीटीएनएस, महिला हेल्प डेस्क, हवालात, कार्यालय और शस्त्रागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीएनएस व कार्यालय में रखे अपराध रजिस्टर, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर समेत अन्य रजिस्टर चेक किए, जो दुरुस्त मिले। थाना परिसर में खड़े मुकदमाती वाहनों को देख एसपी ने सीओ सौरभ कुमार वर्मा व प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह को परिसर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और कहा कि कंडम व लावारिस वाहनों का शीघ्र निस्तारण कराने की कोशिश की जाए । इसके बाद एसपी ने धर्मगढ़ बाबा मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया और माथा टेककर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ सीओ सौरभ कुमार वर्मा, प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह, अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर, वरिष्ठ उप निरीक्षक राम सिंह, चौकी इंचार्ज शिवबहादुर सिंह, हेड मुहर्रिर अजय सिंह तोमर समेत थाने का स्टाफ मौजूद रहा।

कल से कार्यक्रम | सीडीओ लक्ष्मी एन . ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक की

उत्तर प्रदेश विजन 2047 के कार्यक्रम तय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

विकास भवन सभागार में बैठक कर सीडीओ ने दिशा- निर्देश दिए। अमृत विचार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार की ओर से संचालित समृद्ध उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 अभियान में 8 और 9 सितंबर को विभिन्न विभागों के सहयोग से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों को सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए शनिवार को सीडीओ लक्ष्मी एन. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की तैयारी बैठक हुई।

बैठक में सभी 12 सेक्टरों के नोडल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। शासन स्तर से नामित नोडल अधिकारी, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग उत्तर प्रदेश गौरीशंकर प्रियदर्शी तथा प्रबुद्धजन सेवानिवृत्त आईपीएस एस.के. सक्सेना, सेवानिवृत्त आईएफएस रजनीकांत दीक्षित, सेवानिवृत्त प्रोफेसर निरंकार प्रसाद तिवारी, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा0 धूम सिंह (एस) एवं सेवानिवृत्त मुख्य अभियन्ता कुन्ज बिहारीलाल विशेष रूप से शामिल होंगे। समस्त प्रबुद्धजन दो दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित होंगे जिसमें छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, स्वयंसेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया तथा आमजनमानस की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतिभागियों से प्राप्त फीडबैक शासन को योजनाओं की प्रभावशीलता एवं सुधार हेतु उपयोगी होगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि विभिन्न विभागों जैसे प्राथमिक शिक्षा, वन विभाग, खाद्य एवं रसद, ग्राम विकास एवं पंचायती राज, कृषि, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नगर विकास, उद्योग, परिवहन, ऊर्जा तथा गृह विभाग आदि के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का रोस्टर जारी कर नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

तय रूपरेखा के मुताबिक 8 सितंबर को बीआरसी अकबरपुर, प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय व जिला पूर्ति कार्यालय में कार्यक्रम होंगे, जबकि 8 सितंबर को ही विकास खण्ड अकबरपुर, सरवनखेड़ा, मैथा, सन्दलपुर, डेरापुर, जिला पंचायत सभागार, अकबरपुर डिग्री कॉलेज में आयोजन होगा। 9 सितंबर मलासा, झींझक, रसूलाबाद, राजपुर, अमरौधा, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, नगर पालिका परिषद पुखरायां सभागार में कार्यक्रम होगा।

डीएम-एसपी ने सुना फरियादियों का दर्द

रसूलाबाद। डीएम कपिल सिंह और एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने शनिवार को रसूलाबाद तहसील में फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान रास्ते पर अवैध अतिक्रमण को लेकर आई एक शिकायत पर डीएम ने त्वरित कार्रवाई कराई।

बैठक में डीएम ने पिछले तीन समाधान दिवसों में प्राप्त शिकायतों की निस्तारण रिपोर्ट पेश की। निर्देश दिए शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर फीडबैक लिया जाए। सुलेमान ने रास्ते पर अतिक्रमण की शिकायत तो डीएम ने नायब तहसीलदार, बीडीओ के साथ पुलिस भेजकर अतिक्रमण हटवाया। उधर, मैथा तहसील में एसडीएम राजकुमार पांडेय ने समस्याएं सुनीं। एडीओ समाज कल्याण व एडीओ पंचायत अनुपस्थित मिले। दोनों लोगों का स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

हेमनापुर बैराज से यमुना में छोड़ा गया पानी, बाढ़ को देखते हुए टीमें सक्रिय

कानपुर देहात। एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य ने बताया कि यमुना नदी के कैचमेंट एरिया में अधिक वर्षा होने के कारण नदी के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है।

सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को हेमनापुर बैराज से पानी छोड़े जाने का संयुक्त प्रभाव पड़ रहा है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 0.65 मीटर नीचे है। बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। तहसीलदारोंको भ्रमण के निर्देश दिए गए हैं। टोल फ्री नंबर 1077 तथा मोबाइल नंबर 9044070030 एवं 9454416420 जारी हुए हैं।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मुर्गियों को डंडों से मौत के घाट उतारा, रिपोर्ट

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के गोहलियापुर निवासी संजय कटियार ने बताया कि वे ग्राम में मुर्गी पालन का कारोबार कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कल रात्रि को प्रार्थी के मुर्गी फार्म पर लगभग 400 मुर्गी दरबे में बंद थीं। किन्तु मुझसे खुन्नस रखने वाले गांव के ही जमील, बब्लू,लल्लु, गुड़िया व अन्य कई लोग रात में मुर्गी फार्म में आये और वहां पर मौजूद सभी मुर्गियों को लाठी- डंडों से मार मारकर मार डाला। उसने जब उक्त लोगों को इस मामले का उलाहना दिया तो उपरोक्त लोगों ने कहा कि अगर तुम मिल जाते तो तुम्हे भी मुर्गी की तरह मार डालते। संजय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है। वहीं थाना प्रभारी अशोक सरोज ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

अफवाहों को लेकर किया जागरूक

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र में रोज ड्रोन उड़ने की सूचनाएं मिल रही हैं। इसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। इसी के चलते थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोरिया चौकी प्रभारी संजीव राजपूत व उपनिरीक्षक कमल किशोर राय ने ग्रामीणों के साथ एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में चौकी इंचार्ज ने गांवों के प्रधान व ग्रामीणों को ड्रोन की अफवाहों के प्रति जागरूक किया और कहा कि ड्रोन की अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। इस दौरान सिपाही रवि कुमार, सिपाही विमलेश सिंह सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

शराबी ने भाभी के साथ की मारपीट

हमीरपुर। पठानपुरा के राकेश की पत्नी ममता ने बताया कि वह किराए के घर में अपने परिवार के साथ रहती है। उसका देवर शराब पीने का लती है। गुरुवार की सुबह देवर शराब के नशे में उसके घर आया और बेवजह गाली गलौज करने लगा। जब गालीगलौज का विरोध किया तो देवर ने लात-घूंसों से उसे उसे जमकर पीटा।

बिजली गिरने से मंदिर का शिखर क्षतिग्रस्त

हमीरपुर। झलोखर निवासी सुधाकर शिवहरे ने बताया कि उनके खेत व निजी नलकूप कुसमरा मौजे में है। नलकूप के पास हनुमान जी का मंदिर है। शुक्रवार शाम सात बजे आसमान बारिश के बीच तेज बिजली चमकी और मंदिर के शिखर में तेज आवाज के साथ गिर गई, जिससे मंदिर का शिखर क्षतिग्रस्त हो गया है।

नाचते-गाते पहुंचे और नम आंखों से बप्पा को दी विदाई

घाटमपुर में गणपति विसर्जन की रही जबरदस्त धूम, जगह-जगह किया गया प्रतिमा का पूजन, भक्तों ने वितरित किया मिष्ठान और शर्बत

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर क्षेत्र के पतारा कस्बा में शनिवार को हवन पूजन के साथ गणेश प्रतिमा की विसर्जन यात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। इस दौरान भक्तों ने जगह -जगह आरती उतार कर भगवान श्रीगणेश का पूजन अर्चन की। यात्रा में शामिल भक्त भक्तिगीतों की धुन पर थिरकते हुए व अबीर गुलाल उड़ाते हुए चल रहे थे। यात्रा में शमिल झाकियां भी भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इस दौरान यात्रा में हजारों की संख्या भक्तों के गणपति बप्पा मोरिया अगली बरस तू जल्दी आ के नारे लगात रहे।

भक्तिगीतों पर थिरकती दिखी युवाओं की टोली: विसर्जन यात्रा में शामिल युवाओं की टोली डीजे के पीछे भक्ति गीतों पर थिरकते हुए चल रही थी । विसर्जन यात्रा कस्बे के विभिन्न गलियों के रास्ते हुए तिलसडा रोड पहुंची। जहां से सदर बाजार रोड के रास्ते पुलिस चौकी रोड होते हुए यात्रा कानपुर-सागर राष्ट्रीय राज्यमार्ग के रास्ते रायपुर रोड पर पहुंची।

जहां से स्टेशन के पास स्थित हनुमान जी मंदिर पहुंचे। जहां पर गणेश प्रतिमा का पूजन अर्चन कर कृतिम तालाब में विसर्जित किया गया। इस दौरान यहां पर हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ मौजूद रही। गणपति बप्पा मोरिया अगली बरस तू जल्दी आ के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। यहां पर मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल रहा मौजूद : घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया की शांतिपूर्ण ढंग से श्री गणेश जी की प्रतिमा का विर्सजन हुआ है। सुरक्षा के मद्देनजर विसर्जन यात्रा के दौरान पुलिस फोर्स को तैनात किया गया था, घाटमपुर क्षेत्र में सकुशल गणेश प्रतिमाओं का विर्सजन कृतिम तालाब में हुआ है। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विसर्जन यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब। अमृत विचार

शोभायात्रा के दौरान सजी शिव परिवार की झांकी। अमृत विचार

विसर्जन के लिये गणेश प्रतिमा लेकर जाते भक्त। अमृत विचार

पतारा की विभिन्न गलियों से निकली यात्रा

- पतारा कस्बा स्थित बाबा बैजनाथ धाम मंदिर परिसर में भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा को गणेश चतुर्थी के दिन पूरे विधि विधान के साथ स्थापित किया गया था। 8वें दिन रविवार को पतारा कस्बे में धूमधाम से गणेश जी की विसर्जन यात्रा निकाली गई। यहां पर भक्तों ने गणपति प्रतिमा की आरती उतार कर पूजन अर्चन किया। विसर्जन यात्रा कस्बे के विभिन्न रास्तों से निकलते हुए कृतिम तालाब पर पहुंची, जहां पर भक्तों ने नम आंखों से गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किया।

जगह - जगह बांटा गया शर्बत और खीर

- विसर्जन यात्रा के दौरान कस्बे के तिलसड़ा रोड पर व समस्त गलियों में भक्तों ने स्टाल लगाकर शर्बत वितरण किया गया। जब यात्रा कानपुर - सागर राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते पहुंची तो यहां पर हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों के खीर का प्रसाद चखा है। इसी तरह पतारा कस्बा स्थित मिश्रा मार्केट पर व्यापारियों के द्वारा शर्बत का वितरण किया गया। इस दौरान यहां पर पर धर्मेंद्र मिश्रा, लक्ष्मण सिंह, अवध पाल सिंह परिहार , शैलेंद्र मिश्रा, सम्मी गुप्ता, छैया सिंह, दीपक समेत आदि भक्त वितरण कार्यक्रम में रहे।

विसर्जन यात्रा में झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

- विसर्जन यात्रा ने गणेश प्रतिमा के साथ राधा कृष्ण, शंकर पार्वती, की मनमोहक झांकियां भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इस दौरान कस्बे की गलियों में भक्तों ने देव स्वरूपों की पूजा अर्चना कर आरती भी उतारी। इन स्वरूपों के साथ बैठे बच्चे राधा कृष्ण व शंकर पार्वती के जयकारे लगाते दिखाई दे रहे थे। इस दौरान वातावरण गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। इससे पहले पूरे दिन गणेश विसर्जन को लेकर तैयारियां होती रहीं। आसपास से लोग झाकियों को देखने के लिए उमड़ते रहे।

गणपति बप्पा मोरया जयकारों के साथ हुआ विसर्जन, डीजे की धुन पर खूब थिरके भक्त

- **घाटमपुर।** नगर में शशि गुप्ता के आवास में सप्ताह भर से चल रहे गणेश महोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ हवन पूजन व आरती कर गणपति बप्पा का विसर्जन किया गया। इस मौके पर सभी भक्त रास्ते भर डीजे की धुन में थिरकते नजर आए। रास्ते भर खूब अबीर गुलाल उड़ाया गया।इस दौरान अनेक महिलाओं ने ढोलक मंजीरा के साथ भजन कीर्तन किया। गणेश विसर्जन के दौरान सभी भक्तों की आंखें नम थीं। लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर भगवान गणेश की मूर्ति विसर्जित की। इस मौके पर गणवति बप्पा मोरया अगले बरस तू दल्दी आ की गूंज रही। इस मौके पर हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों को प्रसाद बांटा गया। इस दौरान अमन गुप्ता, विजय गुप्ता, शशि गुप्ता, हरिशंकर मिश्रा सहित नगर के सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

लोगों को शर्बत वितरित करते श्रद्धालु। अमृत विचार

ककवन के दंगल में पहलवानों में ने दिखाए दांवपेच

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन ग्राम पंचायत में अनंत चौदस के मौके पर प्रतिवर्ष ग्राम पंचायत द्वारा दंगल का आयोजन किया जाता है जिसमें आसपास क्षेत्र के हजारों लोग पहलवानों के दांवपेच व कुश्ती देखने पहुंचते हैं।

ककवन के एक मोहल्ले में आयोजित हुए दंगल में मुख्य अतिथि के तौर पर थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने पहलवानों को माला पहनाकर उनकी कुश्ती का शुभारंभ किया। इस मौके पर लगभग दो दर्जन कुश्तियां हुईं जिनमें आदित्य पहलवान मनावा अरमान पहलवान मनावा के मध्य हुई। दूसरी कुश्ती राजेश पहलवान बनाम श्याम बाबू कानपुर की हुई। कासिम पहलवान की कुश्ती साहिबे आलम के साथ हुई। शैलेंद्र पहलवान की कुश्ती अरुण के साथ हुई। दंगल के दौरान मौजूद दर्शकों ने अपने-अपने पसंदीदा पहलवान पर शोर मचाते हुए उनका उत्साहवर्धन किया इस मौके पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य रूप से ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार के द्वारा कराया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व शिक्षक शंभू शरण शुक्ला ,पिंकू मिश्रा, लला सिंह, ओमेंद्र प्रताप सिंह ,सोनू शुक्ला ,के साथ तमाम लोग उपस्थित रहे । जीते हुए पहलवानों को ग्राम पंचायत की ओर से नकद रुपये का पुरस्कार भी दिया गया तथा हारे हुए पहलवानों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दंगल में जोर -आजमाइश करते पहलवान। अमृत विचार

खेरेश्वर महादेव मंदिर का वार्षिकोत्सव मनाया

- **शिवराजपुर।** खेरेश्वर महादेव मंदिर का वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर में रंगबिरंगी रोशनी के साथ खेरेश्वर महादेव का भव्य श्रृंगार किया गया। रामलीला, जवाबी कीर्तन के साथ दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में जाने माने पहलवानों ने कुश्ती के एक से एक दांवपेच दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खेरेश्वर महादेव मंदिर की व्यवस्था देख रहे मनोज कुमार गोस्वामी ने बताया कि दंगल में तमाम पहलवानों के बीच कुश्तियां हुईं। पहली कुश्ती राहुल चौबेपुर और कदिम अकबरपुर के बीच हुयी, जिसमे राहुल ने कदीम को पटकनी देकर परास्त किया। वहीं दूसरी कुश्ती कन्नौज के मनोज और चौबेपुर के बाल्हीपुर के छोटू के बीच हुई। इसमें छोटू विजयी हुए। अंतिम कुश्ती लखनऊ के मनीष और जावेद लखनऊ के मध्य हुई, जिसमें मनीष ने जावेद को मात दी।

दो दिन में चोरी की घटना का खुलासा न हुआ तो प्रदर्शन

संवाददाता, चौबेपुर

- **गुरुवार रात रौतापुर बम्बा चौराहा पर आढ़त दुकान में हुई थी चोरी**

अमृत विचार। क्षेत्र के बेला मार्ग पर रौतापुर बम्बा चौराहा स्थित आढ़त की दुकान में गुरुवार रात हुई चोरी की घटना का चौबीस घंटे बाद भी खुलासा न हो पाने से व्यापारियों में नाराजगी है। शनिवार को व्यापारियों ने बैठक में कहा कि यदि घटना का खुलासा दो दिन में न हुआ तो वह थाने में प्रदर्शन शुरू करेंगे।

क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में जबरदस्त रोष व्याप्त है। इधर गुरुवार रात भगवंतपुर गांव निवासी सत्यम अवस्थी की बेला मार्ग पर रौतापुर बम्बा चौराहा स्थित गल्ले की आढ़त में नकब लगा चोरों ने नकदी समेत बड़ी तादात में अनाज पार कर दिया था। घटना को लेकर आक्रोशित व्यापारियों ने शुक्रवार को सुबह बेला मार्ग पर दो घंटे जाम लगाया था। प्रभारी निरीक्षक द्वारा 24 घंटे के अंदर घटना के खुलासे का आश्वासन दिया था। बावजूद इसके चोरों का कुछ पता न लग पाने से आक्रोशित व्यापारियों ने शनिवार को घटनास्थल पर एक बैठक की। इस दौरान निर्णय लिया गया कि दो दिन के अंदर यदि पुलिस घटना का खुलासा नहीं कर पाती है, तो व्यापारी थाने में धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे। इस मौके पर सत्यम अवस्थी, नंदू अवस्थी, आशीष शुक्ला, अज्जू द्विवेदी, अवधेश मिश्रा, बासू शुक्ला, गिरजा शंकर वर्मा, सुमित अग्निहोत्री, मनीष दीक्षित, सानू दिवाकर व प्रत्युष तिवारी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सजेती में ग्रामीणों ने दो युवकों को बदमाश समझ कर पीटा

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। सजेती थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक गम्भीर घटना हुई। ग्रामीणों ने दो युवकों को बदमाश समझकर पकड़ लिया और उन्हें पीट दिया।

सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि रात को करीब सौ ग्रामीणों ने युवकों को घेर कर पीट दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों का ग्रामीणों से छुड़ाया और उनसे पूछताछ की तो पूछताछ में पता चला कि पीटे गए युवक प्रदीप पासवान और मानसिक रूप से बीमार सईद थे। दोनों पतारी गांव के रहने वाले हैं और भदवारा गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, प्रदीप नशे की हालत में था और चंदापुर गांव पहुंच गया। वहां के लोगों ने उन्हें अजनबी देखकर बदमाश समझ लिया। युवक बार बार यह कह रहे थे कि वे रिश्तेदारी में जा रहे हैं लेकिन रात होने के कारण किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर दोनों युवकों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

किसान खेतों में रासायनिक उर्वरक का प्रयोग कम करें

संवाददाता शिवराजपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के दिलीप नगर गांव में इफको द्वारा किसानों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में पहुंचे अधिकारियों ने किसानों को नैनो उर्वरक के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य विपणन प्रबन्धक यतेंद्र कुमार तेवतिया , विशिष्ट अतिथि अपर जिला कृषि अधिकारी शिवम सोनकर ने किसानों को खेतों में लगने वाले कीड़ों और उर्वरक के प्रयोग के बारे में बताया।

इफको द्वारा किसानों के लिये आयोजित की गई गोष्ठी में किसानों को बताया गया कि वे खेतों में जैविक खाद का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें और रासायनिक उर्वरक खेतों में कम डालें। साथ ही मिट्टी की भी जांच कराये डीजीएम एसपी सिंह ने किसान गोष्ठी में किसानों को वर्तमान परिदृश्य में उर्वरकों की उपलब्धता तथा नैनो उर्वरकों का प्रयोग कर लाभ लेने हेतु जागरूक किया। उन्होंने जल विलेय उर्वरक, जैव उर्वरक, सागरिका का प्रयोग कर खेती को रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव से बचाने की सलाह दी। अपर जिला कृषि अधिकारी ने जनपद में रासायनिक उर्वरको की पर्याप्त

समिति अध्यक्ष गोपाल शुक्ला ने भी नैनो उर्वरकों का प्रयोग कर लाभ लेने का अपना अनुभव किसानों के साथ साझा किया तथा ग्राम कडरी के किसान मनोज राजपूत व बोझा ग्राम के अवनेश कुमार ने अपनी खेती में नैनो उर्वरक के प्रयोग से लाभ के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति सचिव राजेन्द्र अग्निहोत्री, गौतम कुमार, भाष्कर शुक्ला समेत तमाम किसान भी मौजूद रहे ।

गोष्ठी में मौजूद किसान। अमृत विचार

बैठक करते व्यापारी व ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

मनमानी

खुलेआम बांटा जा रहा बिना हेलमेट के पेट्रोल, जिम्मेदार जानकर भी बने हुए हैं अनजान

'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान की उड़ रहीं धज्जियां

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। सड़क सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान को बिल्हौर में खुलेआम पलीता लगाया जा रहा है।

शासन के सख्त निर्देशों के बावजूद, यहां के पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पहने लोगों को धड़ल्ले से पेट्रोल दिया जा रहा है। यह स्थिति न केवल अभियान की विफलता को दर्शाती है, बल्कि सड़क हादसों के प्रति बरती जा रही घोर लापरवाही को भी उजागर करती है।

बिल्हौर के साथ मकनपुर, उत्तरीपूरा ,ककवन ,खजुरी, शिवराजपुर, चौबेपुर व हाईवे के किसी पेट्रोल पंप पर अभियान के नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। सीएम योगी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से सभी जिलों में नो हेलमेट नो फ्यूल की बात लागू करने की कही थी लेकिन मामले में जिले के अधिकारी सुस्त है ।

क्यों जरूरी है हेलमेट : हेलमेट पहनना सिर्फ एक नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का कवच है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हेलमेट पहनने से सड़क दुर्घटना में सिर में लगने वाली गंभीर चोटों से बचा जा सकता है।

यह जानलेवा चोटों के खतरे को 72 फीसद और मौत के जोखिम को 39 फीसद तक कम कर देता है। 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' जैसे अभियान लोगों को सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करने का एक प्रभावी तरीका है। लेकिन जब इन अभियानों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तो इनका कोई महत्व नहीं रह जाता।

पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल लेते बाइक चालक। अमृत विचार

दुर्घटनाएं कम करना है उद्देश्य

- सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत, सभी पेट्रोल पंपों को यह सुनिश्चित करना था कि वे किसी भी दोपहिया वाहन चालक को बिना हेलमेट के पेट्रोल न दें। हालांकि, बिल्हौर में इसका पालन होता नहीं दिख रहा है। कई पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट के बाइक सवार आते हैं और उन्हें आसानी से पेट्रोल मिल जाता है।

ढुलमुल रवैये से संचालक बने बेपरवाह

- सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए इतने सख्त निर्देश दिए हैं, तो फिर ये नियम क्यों तोड़े जा रहे हैं? क्या पेट्रोल पंप मालिक जानबूझकर इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं या फिर प्रशासनिक अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं? इस तरह की लापरवाही से न सिर्फ सरकारी अभियान की साख पर बट्टा लग रहा है, बल्कि लोगों की जान भी जोखिम में डाली जा रही है।

मामले की जानकारी मिली है सभी पेट्रोल पंप संचालकों को शासन के नियमों का पालन करना चाहिए, यदि जांच में दोषी पाए गए तो निश्चित रूप से आवश्यक कारवाई की जाएगी।

-डॉ. संजीव दीक्षित (एसडीएम बिल्हौर)

IN THE COURT OF THE HON'BLE PRINCIPAL SUBORDINATE JUDGE, OF HOSUR

I.A. No. 2/2025
in
O.S. No. 97/2019

Mr. Chandrasekar Reddy...
...Petitioner/Plaintiff
//Vs//
D5 & R5. Mrs. Shiela Kishore Ullal
W/o Kishore S Ullal
D6 & R6. Mr. Aniket Kishore Ullal
S/o Kishore S Ullal,
D7 & R7. Mr. Chethan Kishore Ullal
S/o. Kishore S Ullal
No. 5 to 7 are residing at,
63, Shanti Nivas, Kanpur -208004,
Uttar Pradesh
...Respondents/Defendants No: 5,6 & 7

NOTICE

Please take notice that the above plaintiff has filed a suit for Partition, Separate Possession, permanent injunction and for other reliefs in the above Honourable Court against you & others.

The above said suit is posted on **08.09.2025** for your appearance. Hence you may present and appear in person (or) through any counsel by 10.00 A.M, before this Honourable Court. Failing which the court will pass an ex-parte orders against you.

//By Court Order//

Advocate for the petitioner/plaintiff
A.L. MUNICHANDRA, B.Com, LLB.,
ADVOCATE, MS.No: 1521/2008 #7,
ANR Complex, 1st Floor,
Opp. BDO Office, HOSUR-635109.
Cell: 9751022954

बिकाऊ है

मोहनलालगंज (पुरसैनी) मेन रोड पर (13000 sq.fit) कार्मशियल प्लाट तत्काल बिकाऊ है, सम्पर्क करें। मो0नं0- 8957918448, 9376540693

सूचना

मैं **विनोद कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय शंकर लाल गुप्ता 69/169 दानाखोरी, कानपुर नगर,** जिसके वारिसान मालिक विनोद कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय शंकर लाल गुप्ता हैं, के मकान को संजीव कुमार गुप्ता उर्फ दीपू पुत्र स्वर्गीय रमेश चंद्र गुप्ता व पूनम गुप्ता पत्नी संजीव कुमार गुप्ता ने कूट रचित तरीके से फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर, धोखाधड़ी करते हुए को अपनी पत्नी पूनम गुप्ता के नाम उक्त मकान के सम्पूर्ण भाग का एक बानपत्र दिनांक 28/09/2022 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय कानपुर नगर में पंजिकृत करा लिया है जो कि पूर्णतया अवैध है एवं उपरोक्त मकान की खरीद फरोख्त करना कानूनन रुप से अवैधानिक माना जाएगा।

सूचना

सूचित करना है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2003, अनुक्रमांक 2522599 का अंकपत्र व प्रमाणपत्र एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2005 अंकपत्र व प्रमाणपत्र अनुक्रमांक 733004 वास्तव में खो गया है। **आशीष कुमार सिंह पता- ग्राम गौरवाखुर्द पोस्ट पहाड़ापुर करनैलगंज गोंडा**

सूचना

मैं **हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार, निवासी- ग्राम-असही आजमपुर दीन नगर पोस्ट हथौड़ा तहसील संडीला जनपद हरदोई ,** मेरा नाम हिमांशु है और आज के बाद से मेरा नाम हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार से जाना जाएगा तथा आज के बाद अपने सभी तरह के कार्य हिमांशु मजूमदार पुत्र गौर चन्द्र मजूमदार नाम से करेगा।

सूचना

सूचित हो कि मै **अशोक पुत्र स्व0 हरिपाल, निवासी- ग्राम खड़ोहा थाना रहीमाबाद परगना व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ** । मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0 3560 6216 3443 व बैंक पासबुक आदि अभिलेखों मे पुत्री का नाम जानवी अंकित है। जबकि मार्कशीट पर जाहन्वी दर्ज हो गया है जो कि गलत है। अतः मेरी पुत्री का सही नाम जानवी है और भविष्य में जानवी के नाम से जानी व पहचानी जायेगी।

सुविचार

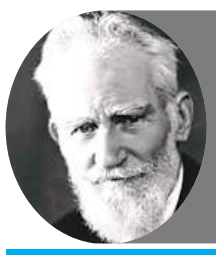

आमतौर पर आदमी उन चीजों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहता है जिनका उससे कोई लेना देना नहीं होता।

- जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- गणित और अंग्रेजी के प्रश्न कठिन, जीके ने बचाया- II
- नशे में धुत बेटे ने शराब के लिए मां को मार डाला- III
- गजानन जाते अपने धाम, सबको राम-राम-राम- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

ऑपरेशन महाकाल की फर्राटा चाल, बड़े-बड़े सूरमा हलाल

ऑपरेशन महाकाल ने शनिवार को तेज रफ्तार पकड़ ली। कई मामलों में अभियुक्त गिरफ्तार किए गए तो दो फरार आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके अलावा कुछ नई एफआईआर भी दर्ज की गईं। दीनू उपाध्याय गैंग के फरार अधिवक्ता गोपाल शरण सिंह चौहान और विक्की ठाकुर ने कोर्टमें सरेंडर कर दिया वहीं पनकी के भूमाफिया बृजेंद्र सिंह को साथियों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर जैद बारी को पकड़ कर क्षेत्र में जुलूस निकाला।

सिटी ब्रीफ

अज्ञात युवक का मिला शव

कल्याणपुर। आवास विकास तीन के सैनिक पेट्रोल पंप के पास झाड़ियों में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि 100 की सेवा की नहीं हो सकी है। प्राथमिक जांच में नशेबाजी के चलते युवक की मौत की बात सामने आ रही है।

आज झांसी से गोविंदपुरी के लिए विशेष ट्रेन

कानपुर। रविवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से गोविंदपुरी (कानपुर) के लिए विशेष ट्रेन संचालित की जाएगी। ये गाड़ी शाम 6.50 बजे झांसी रेलवे स्टेशन से कानपुर गोविंदपुरी के लिए रवाना होगी। उत्तर मध्य जोन झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि उक्त ट्रेन को उरई, पुखरायां, भीमसेन में भी दो-दो मिनट का ठहराव दिया गया है।

नो हेलमेट-नो फ्यूल में 63 चालान

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव की अगुवाई में शनिवार को पेट्रोल पंपों पर चलाए गये चेकिंग अभियान में 63 दो पहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट पेट्रोल लेने के प्रयास में चालान किया गया। इसे अलावा शहर से जुड़े सभी हाइवों पर ओवरलोड वाहनों की जांच की गई।

घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी में रोबोटिक्स

कानपुर। लाजपत नगर स्थित केएमसी एलीट में घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी में रोबोटिक्स पर रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमे जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. सौरभ चावला घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी में रोबोटिक्स पर जानकारी देंगे। केएमसी के अध्यक्ष डॉ.एचएस चावला व डॉ.गौरव चावला भी शामिल रहेंगे।

फरार अधिवक्ता गोपाल शरण और विक्की ने किया सरेंडर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीनू उपाध्याय गैंग के सदस्य 50-50 हजार के इनामी अधिवक्ता गोपाल शरण सिंह चौहान व विक्की ठाकुर ने शनिवार दोपहर सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट में सरेंडर कर दिया। दीनू गैंग पर पुलिस का एक्शन शुरू होते ही दोनों अंडरग्राउंड हो गए थे। दोनों पर दीनू के साथ शहर के कई थानों में आधा दर्जन से अधिक अपहरण, डकैती, जमीन कब्जा और रंगदारी समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने रिमांड पर लेने की तैयारी शुरू कर दी है।

दक्षित और सेंट्रल जोन के कई थानों में रावतपुर निवासी अधिवक्ता गोपाल शरण सिंह चौहान और परमट के विकास सिंह उर्फ विक्की ठाकुर के खिलाफ जमीनों पर कब्जे, रंगदारी समेत करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। करीब आधा दर्जन मामलों में फरार चले दीनू गैंग के

गोपाल शरण, विक्की।

- 50-50 हजार के इनामी थे दीनू उपाध्याय गैंग के दोनों सदस्य
- पुलिस को चकमा देकर सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट में पहुंचे
- दोनों अपहरण, डकैती, कब्जा व रंगदारी मामले में हैं आरोपी

गोपाल और विक्की दोपहर के समय अधिवक्ता की ड्रेस में कोर्ट परिसर पहुंचे और सीजेएम कोर्ट में सरेंडर किया। इसके बाद कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया। कब्जा व रंगदारी मामले में जेल में बंद दीनू उपाध्याय के साथ गोपाल व विक्की पर नौबस्ता, नवाबगंज समेत कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। दीनू की गिरफ्तार के बाद उसके भाई संजय व भतीजा की तलाश शुरू होते ही यह दोनों भी फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों पर इनाम घोषित किया था। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही दोनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

विवादित जमीनों पर रखते नजर

पुलिस के अनुसार गोपाल, दीनू और नारायण सिंह भदौरिया के साथ विवादित जमीनों का काम करता था। ऐसी जमीनों पर उसकी नजर रहती है। तत्काल खरीद-फरोख्त में जुट जाता। पुलिस जांच में सामने आया है कि गोपाल सिंह चौहान जेल में बंद नारायण सिंह भदौरिया और अरिदमन सिंह का भी करीबी है। तीनों मिलकर दीनू गैंग के साथ विवादित जमीनों पर कब्जा करते थे। तिलकनगर में एक बुजुर्ग के बंगले पर भी कब्जे की कोशिश में नारायण सिंह व गोपाल पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

गजेंद्र सिंह नेगी पर धोखाधड़ी की एक और रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर संवाददाता। रावतपुर में एक व्यापारी से प्लाट के नाम पर 75 लाख रुपये लेकर भी रजिस्ट्री न करने व पीड़ित के पिता को अगवा कर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने समेत रंगदारी मांगने के मामले में रावतपुर पुलिस ने भू मफिया गजेन्द्र सिंह नेगी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य कई धाराओं में एक और रिपोर्ट दर्ज की है। इससे पहले बर्रा

गजेंद्र सिंह नेगी।

विश्व बैंक निवासी एक महिला ने दुकान के नाम पर रकम हड़पने का आरोप लगाया था।

आवास विकास एकता विहार निवासी विवेक कुमार गुप्ता व्यापारी हैं। विवेक के मुताबिक गत 24 अगस्त 2018 को उन्होंने गजेन्द्र सिंह नेगी से 75 लाख रुपये में दो प्लाट खरीदा था। जिसका भुगतान उन्होंने आरटीजीएस से किया। बाद में गजेन्द्र सिंह प्लाट का बैनामा करने में टाटमटोल करने लगा। जिस पर उन्होंने न्यायालय में वाद दाखिल कर दिया। आरोप है कि इसी बात पर भड़के गजेन्द्र सिंह 28 मार्च 2025 को टहलने के लिए घर से निकले उनके पिता रामबाबू गुप्ता को अगवाकर अपने होटल ले गया, जहा उनके पिता के सिर पर पिस्टल रख मुकदमा वापस लेने के लिए उन्हें धमकाया था। नौ अगस्त को गजेन्द्र सिंह अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ उनके प्रतिष्ठान पर आया और वहा व्यापार करने के लिए एक लाख रुपए बतौर रंगदारी की मांग करने लगा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर चला गया। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने निकाला हिस्ट्रीशीटर जैद बारी का जुलूस, भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चमनगंज पुलिस ने स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी मांगने वाले हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया है। हिस्ट्रीशीटर ने शुक्रवार देर रात कारोबारी से 10 हजार रुपये प्रतिमाह देने की घुड़की दी थी। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर उसे दबोच लिया। खौफ खत्म करने के लिए पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को क्षेत्र में करीब एक किमी नंगे पैर जुलूस निकाला।

चंद्रिका देवी चौराहा निवासी मोनू श्रीवास्तव के अनुसार उसके पिता पप्पू स्क्रैप का कारोबार करते हैं। उसने बताया कि बीते शुक्रवार रात तीन बजे उनके पिता अपने मित्र नितिन श्रीवास्तव, अनुराग प्रजापति व अमन बाजपेई के साथ गणेश महोत्सव परिसर में सजावट कर रहे थे, तभी सईदाबाद निवासी हिस्ट्रीशीटर जैद बारी उनके पास पहुंचा। आरोप है कि उसने उनके सीने पर तमंचा रखकर कहा कि तुम्हारे पिता का कारोबार ठीक चल रहा है। कह देना व्यापार करना चाहते

- कारोबारी से रंगदारी मांगने में गिरफ्तार किया गया

हिस्ट्रीशीटर का जुलूस निकाला।

हैं तो 10 हजार रुपये प्रतिमाह रंगदारी चाहिए। विरोध पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इस पर पिता ने तत्काल दो हजार रुपये देकर बाकी रकम बाद में देने को कहा। शनिवार को कारोबारी ने मामले की शिकायत चमनगंज पुलिस से की।

थाना प्रभारी संजय राय ने बताया कि आरोपी जैद बारी हिस्ट्रीशीटर है। उस पर 13 मुकदमे दर्ज हैं। उसका डर खत्म करने के लिए करीब एक किमी नंगे पैर जुलूस निकाला गया है।

जमीन बेचने के बाद कब्जे के लिए मांगी 12 लाख रंगदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में सेवानिवृत्त फौजी की पत्नी ने जमीन बेचने के बाद कब्जा छोड़ने के नाम पर 12 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप दबंग पर लगाया है। पीड़िता ने डीसीपी पूर्वी से शिकायत कर चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पनकी निवासी सत्यवान सिंह सेवानिवृत्त फौजी हैं। पत्नी रेखा रानी के अनुसार कई माह पहले उन्होंने चकेरी के विमाननगर के हरिपाल सिंह से 200 वर्गगज जमीन खरीदी थी। उनके भाई ने जमीन की रकम चुकाने के लिए हरिपाल सिंह को दो चेक दी थीं, लेकिन बाद में आरोपी को उनके भाई ने आरटीजीएस के माध्यम से जमीन की रकम भेज दी थी। आरोप है कि जमीन बेचने व रकम लेने के बाद भी आरोपी ने कब्जा नहीं दिया। कब्जा देने के लिए 12 लाख की रंगदारी मांगी। इतना ही नहीं चेक के माध्यम से एनआई एक्ट के तहत मामला दर्ज कराकर उन्हें परेशान कर रहा है। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है।

ठगी में भूमाफिया बृजेंद्र सिंह समेत गैंग के 4 आरोपियों को जेल

कल्याणपुर संवाददाता। सस्ते प्लॉट और जमीन देने का झांसा देकर शहर के लोगों से करोड़ों की ठगी करने के आरोपी एक कंपनी के एमडी और उसके चार साथियों को पनकी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एक बुजुर्ग से प्लॉट के नाम पर ठगी के मामले में इनकी गिरफ्तारी की गई है।

पुलिस ने बताया कि कल्याणपुर केशवपुरम निवासी डाक विभाग से रिटायर महाप्रसाद को बीएसीएल कंपनी के एमडी बृजेंद्र सिंह चौहान ने अघोर आश्रम पनकी रतनपुर में प्लाट दिखाये तथा पैसा लगाने के लिए एक स्कीम बताई थी।

चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अमृत विचार

- बीएसीएल कंपनी बनाकर सस्ते दामों पर प्लॉट का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

कहा था कि एक मुश्त छह लाख रुपए जमा करने पर दूसरे माह से 7200 रुपये प्रतिमाह वापस करना शुरू कर देंगे। पांच साल पूरे होने पर 6.30 लाख रुपये के प्लाट की रजिस्ट्री भी करेंगे।

इस पर बृजेंद्र सिंह जमीन के लिए 9.50 लाख रुपये दिए थे लेकिन बृजेंद्र ने प्लाट की रजिस्ट्री नहीं की। बाद में कहा कि प्लाट विवादित है, दूसरा दे देंगे। आपत्ति करने मारपीट की।

पिस्टल लगाकर धमकाया। पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो डेढ़ लाख रुपये लौटा दिए। उसने चार चेक दीं जो बाउंस हो गईं। 7200 रुपये प्रतिमाह भी देना बंद कर दिया। विरध करने पर धमकाया। एक चेक विष्णु सिंह, जितेंद्र सिंह, हिमांशु दीक्षित ने छीन ली। इसके बाद पिस्टल कनपटी पर रखकर धमकाया। लड़के का अपहरण कर हत्या की धमकी दी। महाप्रसाद की तहरीर पर पनकी थाने में कंपनी के एमडी व मुख्य आरोपी बृजेंद्र सिंह चौहान उसकी पत्नी, विष्णु सिंह, इंद्रेश सिंह, कर्मवीर सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह और हिमांशु दीक्षित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। इस मामले में पुलिस ने बृजेंद्र सिंह, उसके भतीजे विष्णु सिंह, एकाउंटेंट हिमांशु दीक्षित और जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार बृजेंद्र सिंह ने वीएसीएल कंपनी बनाई थी। जिसमें खुद डायरेक्टर था। उन्नाव, कल्याणपुर और अन्य कई जगहों पर कंपनी के ऑफिस खोले थे। पुलिस के मुताबिक लोगों को सस्ते दामों में प्रॉपर्टी दिलाने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी की गई है। कई थानों में मुकदमे दर्ज हुए हैं। गैंग के खिलाफ पनकी, कल्याणपुर और रावतपुर समेत अन्य थानों में कई तहरीर पहुंची हैं। जांच के बाद इन सभी मामलों में भी बृजेंद्र और उसके गैंग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सोना मानो घोड़े पर सवार, 1.10 लाख पार

विशेष संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। एक बार फिर सोने ने अपने भाव की ऊंचाई के अब तक के सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए और शनिवार को 1,10,200 रुपये 10 ग्राम भाव पहुंच गया। चांदी 1,27,400 रुपये किलो रही। 20 अगस्त को सोना 1,01,350 और चांदी 1,14,600 रुपये थी। इसके बाद बढ़त लगातार बनी है। 18 दिन के भीतर सोने के दाम 10 हजार बढ़ गए हैं। इस तेजी से बढ़त कभी नहीं देखी गई। अभी भी तेजी जारी रहने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र ने बताया कि टैरिफ की अनिश्चितता, बढ़ती वैश्विक मांग और सुरक्षित निवेश के कारण सोने के भाव की गति सरपट दौड़ते घोड़े जैसी है। गहना कारोबारी अमित वाजपेयी का कहना है कि महंगाई के कारण आभूषण की बिक्री में 90 फीसदी तक गिरावट है। अब त्यौहार आने वाले हैं, तब मांग और बढ़ेगी। भाव अभी और बढ़ने का अनुमान है। बढ़ते भाव के बीच अब बेहद हल्के डिजाइनर गहने बनाए जा रहे हैं।

- दाम की ऊंचाई के अब तक के सभी रिकार्ड तोड़े
- सराफा बाजार हतप्रभ, चांदी भी 1,27,400 पर

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

आज चंद्र ग्रहण पर मंदिरों के पट दोपहर 12 बजे होंगे बंद

कानपुर। चंद्र ग्रहण पर रविवार को सूतक काल लगने की वजह से मंदिरों के पट रविवार को दोपहर 12 बजे बंद कर दिए जाएंगे। पनकी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर कृष्णदास ने बताया कि दोपहर 12 बजे पट बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। परमट आनंदश्वर मंदिर में भी दोपहर से पट बंद कर दिए जाएंगे। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि भारतीय समयानुसार ग्रहण की शुरुआत रात 9:57 बजे होगी। ग्रहण का मध्य काल रात 11:41 बजे और मोक्ष काल रात 1:27 बजे होगा। ग्रहण शुरू होने से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल की शुरुआत हो जाती है। सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से प्रारंभ होगा और पूरे ग्रहण काल तक प्रभावी रहेगा। ग्रहण का स्पर्श, मध्य व मोक्ष संपूर्ण भारत में दृश्यमान रहेगा। यह ग्रहण भारत के अतिरिक्त पश्चिमी प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर, अंटार्कटिका, एशिया, आस्ट्रेलिया, यूरोप आदि में दिखाई देगा।

भांजे से आशिकी में पति की हत्या शव गाड़ा, हड्डियां नहर में फेंकीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भांजे से आशिकी में डूबी मामी ने मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। इसके बाद घर के पीछे गड्ढा खोकर शव दफना दिया। ऊपर से नमक भर दिया। कुछ दिन बाद हड्डियां निकालकर पनकी नहर में फेंक दीं। दस माह पहले हुई इस वारदात में मृतक की मां ने बीती मई माह में बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। छानबीन में जुटी सचेंडी पुलिस ने शनिवार को हत्या का खुलासा किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सचेंडी के लालूपुर गांव निवासी सावित्री देवी ने बीती छह मई को सचेंडी थाने में बेटे शिवबीर के लापता होने की शिकायत व गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 30 अक्टूबर 2024 को वह बांदा गई थीं। सितंबर 2024 में लौटीं तो बहू लक्ष्मी से बेटे शिवबीर के बारे में पूछा। बहू लक्ष्मी ने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में गुजरात गए हैं। काफी दिनों तक जब बेटे की कोई खबर नहीं मिली तो बहू से पूछताछ की। उसकी गुमराह करने वाली बातों ने संदेह पैदा किया। इस पर पुलिस को सूचना दी। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि भांजे अमित और लक्ष्मी के प्रेम संबंध के बारे में ग्रामीणों से पूछताछ की गई तो लोगों ने कबूली। इस पर दोनों को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की। अमित ने वारदात कबूल की और बताया कि नानी सावित्री के बांदा जाने के बाद दूसरे दिन रात में सोते समय मामा के सिर पर रॉड से वार किया था।

इस पर शिवबीर की चींख निकल गई और उनके दोनों बेटे जाग गए। इस पर उन्हें समझाकर शांत कराया और सुला दिया। बच्चों के सो जाने पर शव को घर के पीछे गाड़ दिया।

ऊपर से नमक डाला था ताकि लाश गल जाए। कुछ दिन बाद कुत्तों ने कई हड्डियां बाहर निकल दीं तो उसे बोरी में भरकर पनकी नहर में फेंका था। एडीसीपी के अनुसार दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने खोदाई करके शव बाहर निकाला। अमृत विचार

- पनकी पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी व भांजे को गिरफ्तार कर किया वारदात का खुलासा
- दस माह पहले की हत्या, मां ने बीती मई को लापता बेटे की दर्ज कराई थी गुमशुदगी

हत्या में तरमीम होगी गुमशुदगी

- पुलिस के अनुसार शिवबीर की गुमशुदगी हत्या में तरमीम होगी। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर घटनास्थल का जायजा लिया गया। कुछ साक्ष्य जुटाए गए हैं। घटनास्थल पर मौजूद फॉरेंसिक टीम ने भी गहनता से पड़ताल की। शव अवशेषों को निकाला गया है।

प्रेम विवाह के 20 साल बाद भांजे से आशिकी

- मूलरूप से बांदा के मवई घाट निवासी शिवबीर सिंह गुजरात में नौकरी करते थे। तभी उनकी मुलाकात वाराणसी के गाजीपुर में रहने वाली लक्ष्मी से हुई थी। जिसके बाद दोनों ने प्रेम विवाह किया। उनके तीन बच्चे आनंद, रोहित व अंकिता है। शादी के 20 साल बाद लक्ष्मी को भांजे से प्यार हुआ।

हेल्थ जोन | अस्पताल से छुट्टी होने के बाद बच्चों पर रखी जाएगी नजर, बाल रोग अस्पताल के डॉक्टरों ने बनाई पुख्ता कार्ययोजना

घर-घर जाकर बच्चों की सेहत जांचेंगी एएनएम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग अस्पताल से बीमार बच्चे के स्वस्थ होने पर अब उनकी देखभाल घर तक की जाएगी। इसके लिए बाल रोग अस्पताल के डॉक्टरों ने तैयारी की है। अस्पताल से बच्चे की छुट्टी होने के बाद एएनएम और जीएनएम उनके घर पहुंचेंगी और सेहत की जानकारी लेंगी। अगर बच्चे की हालत फिर से खराब होती है या कोई लक्षण नजर आते हैं तो वह अस्पताल को जानकारी देंगी।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग अस्पताल में प्रतिदिन 40 से 50 बच्चे भर्ती किए जाते हैं, जिनमें शहर के साथ ही पड़ोसी कन्नौज, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, हरदोई और उन्नाव समेत लगभग 18 जिलों के बीमार बच्चे यहां आते हैं। जब बच्चे स्वस्थ हो जाते हैं तो अस्पताल से छुट्टी कर उन्हें घर भेज दिया जाता है, लेकिन कुछ बच्चों की किसी वजह या अभिभावकों की लापरवाही के कारण फिर से हालत खराब हो जाती है। ऐसे बच्चों की देखभाल और उनके स्वास्थ्य के प्रति अभिभावकों को जागरूक करने के लिए जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेंद्र कुमार गौतम ने एक योजना तैयार की है, जिसके तहत अस्पताल से छुट्टी होने के बाद भी बच्चों की देखभाल हो सकेगी। एएनएम और जीएनएम संबंधित बच्चों के घर जाकर उनके सेहत की जानकारी लेंगी। इस संबंध में उन्होंने सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी से हाल में ही वार्ता की थी, जिस पर सहमति मिल गई है।

सीएमओ दफ्तर भेजा जाएगा ब्यौरा

जिले में यह योजना सफल होने के बाद इसे पूरे मंडल में लागू किया जा सकता है, ताकि बच्चों की सेहत अच्छी रहे और बीमार होने पर उनको त्वरित इलाज मुहैया हो सके। इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से सीएमओ कार्यालय को बच्चों के संबंध में पूरा ब्यौरा उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि एएनएम और जीएनएम को दिक्कतों का सामना करना पड़े।

सभी सीएचसी में लागू होगी व्यवस्था

- जिले में बिल्हौर, शिवराजपुर, चौबेपुर, बिठूर, कल्यानपुर, सरसौल, बिधनू, पतारा समेत 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इन सभी केंद्रों में कार्यरत एएनएम और जीएनएम को इस कार्य में लगाया जाएगा। इसके सिलसिले में उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि एएनएम, जीएनएम व आशा वर्कर क्षेत्र में भ्रमण कर बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी लेंगी। अगर किसी बच्चे की हालत खराब मिलती है तो संबंधित डॉक्टर को जानकारी देंगी। हालांकि आशा वर्कर बच्चों की स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य की देखभाल में एक्टिव हैं।

सिटी ब्रीफ

चाकू मारने का आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। गोविंदनगर पुलिस ने चाकू मारकर घायल करने वाले आरोपी अरविंद पाठक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। सास का मोबाइल नंबर न देने पर उसने बहू व उसके भाई को चाकू मारकर घायल किया था। मूलरूप से कानपुर देहात की रहने वाली महिला दादानगर में परिवार के साथ रहकर फैक्ट्री में नौकरी करती है। महिला के अनुसार आरोपी सुल्तानपुर के गौशाइगंज पखानपुर का रहने वाला है और यहां दबौली वेस्ट में रहकर फैक्ट्री में काम करता था। उसकी हरकतों से परेशान होकर उसने दूसरी फैक्ट्री में नौकरी की, लेकिन फिर भी उसने पीछा करना नहीं छोड़ा। गुरुवार दोपहर बहू बाजार जा रही थी, तभी मिश्रीलाल चौराहा के पास नशे की हालत में उसे मिला और मोबाइल नंबर मांगने लगा। बहू ने मना किया तो चाकू मारकर उसे और उसके भाई को घायल कर दिया था।

वाहन पार्किंग के विरोध पर मारपीट

कानपुर। कोयलानगर में घर के सामने वाहन खड़ा करने से मना करने पर पड़ोसी ने साथियो संग मिलकर दंपती को मारापीटा। स्वर्ण जयंती विहार निवासी अशोक कुमार के अनुसार उनका पड़ोसी अक्सर दरवाजे के सामने अपनी कार खड़ी कर देता है। जिससे आने-जाने में दिक्कत होती है। कई बार मना करने के बाद भी पड़ोसी नहीं माना। बीते शुक्रवार शाम को भी पड़ोसी ने वाहन खड़ा कर दिया। उन्होंने मना किया तो गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उनसे मारपीट की। बीच बचाव करने आईं पत्नी को भी पीटा। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो बनाने से मना किया तो असलहा लेकर दौड़ाया

कानपुर। जाजमऊ में एक युवक ने आरोप लगाया है उनके रास्ते से निकलने पर एक व्यक्ति उनका वीडियो बनाने लगा। मना करने पर उसने असलहा लेकर दौड़ा लिया। पीड़ित ने जाजमऊ थाने में शिकायत की है। केडीए कॉलोनी निवासी अफजल के अनुसार शनिवार दोपहर वह अहमदनगर स्थित अपनी बुआ के घर से मोतीनगर किसी काम से जा रहे थे, तभी रास्ते में एक मैदान में कुछ लोग बाउंड्री वाल खड़ी करवा रहे थे। अफजल ने बताया कि वह वहां से गुजरने लगे तो एक युवक उनका वीडियो बनाने लगा। इस पर उन्होंने मना किया तो आरोपी ने असलहा लेकर दौड़ा लिया। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गणित-अंग्रेजी के प्रश्न कठिन, जीके ने बचाया

कड़ी सुरक्षा के बीच शहर में 65 केंद्रों में हुई प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा, 8949 परीक्षार्थी रहे गैरहाजिर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ् सेवा चयन आयोग की ओर से शनिवार को शहर के 65 केंद्रों में प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (टीईटी) आयोजित हुई। परीक्षा देकर लौटे छात्रों ने बताया कि गणित व अंग्रेजी के प्रश्न जटिल रहे। जीके के प्रश्नों को हल करने में किसी तरह की कठिनाई सामने नहीं आई। परीक्षार्थियों ने कहा कि इस बार परीक्षा केंद्रों को काफी दूर रखा गया था जिससे काफी परेशानी उठानी पड़ी।

शहर में दो पलियों में परीक्षा आयोजित हुई। पहली पाली में 18602 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी जिनमें 4614 परीक्षार्थी गैर हाजिर रहे। दूसरी पाली में गैर हाजिर रहने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 4335 रही। इस पाली में परीक्षा देने के लिए 18681 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था। समय होने पर तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा के समय परीक्षार्थियों पर सीसीटीवी की निगरानी रही। केंद्र के बाहर थोड़ी दूर पर अभिभावकों की भीड़ रही।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए लगी युवाओं की लाइन। अमृत विचार

- परीक्षा केंद्र दूर होने की शिकायक की युवाओं ने
- सीसीटीवी से की गई परीक्षा की निगरानी

दिव्यांगजन भी पहुंचे परीक्षा देने।

परीक्षार्थियों की भीड़ से जाम में फंसकर परीक्षा छूटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शनिवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की अर्हता परीक्षा 2025 के पहले दिन शहर के कई चौराहों पर जाम लगा। इस जाम में फंसकर कई परीक्षार्थी लेट हो गए जिससे उन्हें बिना परीक्षा दिये ही वापस लौटना पड़ा।

शनिवार को दो पाली में परीक्षा आयोजित हुई जिसमें सुबह 10 जबे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा हुई। पहली पाली की परीक्षा में 4614 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे जबकि दूसरी पाली में 4335 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शहर के कई क्षेत्रों में सुबह यातायात का दबाव बढ़ गया जिससे वाहनों की लंबी लाइन लगी और कई क्षेत्रों में यातायात रेंगता रहा जिससे कई परीक्षार्थी जाम में फंसे रहे और समय से परीक्षा केंद्र पर नहीं पहुंच पाए। परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर मिन्नतें करते रहे लेकिन उन्हे परीक्षा में नहीं बैठने दिया गया।

अंग्रेजी और गणित के प्रश्न उलझाने वाले थे। इन प्रश्नों को हल करने में काफी समय लगा। जीके और हिंदी के प्रश्न सरल थे। कह सकते हैं कि पेपर पढ़ाई करने वाले परीक्षार्थी के लिए औसत रहा।

-सानिध्य पटेल, बनारस

इस बार परीक्षा केंद्र बहुत दूर बनाए गए थे। इसकी वजह से हम लोगों को केंद्र तक पहुंचने के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ी। पेपर से पहले ही भूख और थकान की वजह से परेशान हो चुके हैं। आयोग को परीक्षार्थियों के जिले के आस-पास ही केंद्र बनाने चाहिए।

-धर्मेंद्र कुमार, प्रयागराज

गणित के पेपर में इस बार डीआई सबसे कठिन रहा। इसकी वजह से समय भी काफी लगा और शायद नंबर भी कम आएं। जीके और जीएस सामान्य थे। हिंदी विषय के प्रश्नों को भी हल करने में बहुत अधिक कठिनाई नहीं हुई। बाकी कुल मिलाकर पेपर को सामान्य ही कहा जाएगा। -नितिश यादव, लखनऊ

पेपर औसत था, लेकिन आयोग ने परीक्षार्थियों को काफी दौड़भाग कराई। आयोग को समझना चाहिए कि हम लोग फिलहाल बेरोजगार हैं। इतनी दूर सेंटर पड़ने से परीक्षार्थियों को काफी रुपया खर्च करना पड़ता है। रुपया बचाने के लिए हम लोग परेशानियां मोल लेते हैं। परीक्षार्थियों को नजदीक के केंद्रों में परीक्षा दिलाई जाए।

-लवलेश कुमार, बांदा

झकरकटी बस अड्डे पर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते आरएम महेश कुमार।

बस अड्डा फुल, यात्रियों को सीट मिलना मुश्किल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- झकरकटी बस अड्डे पर रिजर्व बसों को दिखाई हरी झंडी
- आरएम और सभी डिपो के एआरएम दिनभर व्यवस्था में जुटे

अमृत विचार। शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा पर परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए 20 बसों को रिजर्व में रखा गया था लेकिन परीक्षार्थियों की भीड़ के आगे ये नाकाफी रहीं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) महेश कुमार ने रिजर्व बसों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया।

शनिवार शाम को झकरकटी बस अड्डे पर आम यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार के अलावा सभी डिपो के एआरएम झकरकटी बस अड्डे पर दिनभर व्यवस्था संभाले रहे।

शाम को परीक्षार्थियों की भारी भीड़ ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण झकरकटी बस अड्डा पहुंची जिससे बस अड्डा के बाहर भी जाम लगा रहा। रायबरेली, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, फतेहपुर, वाराणसी, प्रयागराज, हमीरपुर, महोबा,चित्रकूट, बांदा आदि जिलों की बसें आते ही परीक्षार्थियों की भीड़ बस पर टूट पड़ती थी जिससे आम यात्रियों को सीट मिलना मुश्किल हो गया।

टेंपो, आटो,ई रिक्शा ने खूब कमाई की

- कानपुर में परीक्षा देने दूर दराज जिलों से आए लोगों ने अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए आटो, टेंपो, ई रिक्शा चालकों को मुंह मांगा पैसा दिया जिससे उनकी खूब कमाई हुई। हालांकि सीएनजी सिटी बसों और ई बसों को चलाने का दावा किया गया था लेकिन सड़क पर इन सिटी बसों की संख्या ऊंट के मुंह में जीरा के समान थी।

सेंट्रल स्टेशन पर परीक्षार्थियों की भारी भीड़ रही। अमृत विचार

ट्रेनों के एसी कोचों में भी परीक्षार्थियों का कब्जा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परीक्षार्थियों को आरक्षित कोचों से उतारने के लिए जूझती रही रेलवे पुलिस
- सैकड़ों यात्री परिवार के साथ यात्रा करने आए थे, बेहद परेशान होकर लौटे

अमृत विचार। रेलवे ने टीईटी परीक्षार्थियों के लिए कई विशेष ट्रेनें चलाई थीं लेकिन ये ट्रेनें कम पड़ गई और परीक्षार्थियों ने सभी ट्रेनों के उसके आरक्षित कोचों, वीआईपी ट्रेनों के एसी कोचों में भी कब्जा कर लिया। कोच खाली कराने के लिए जीआरपी और आरपीएफ दिनभर जूझती रही।

शुक्रवार को रातभर हजारों की संख्या में परीक्षार्थी कानपुर सेंट्रल स्टेशन डटे रहे जिससे यात्रियों को दिक्कत हुई। शनिवार को भोर से ही प्रयागराज, आगरा, अलीगढ़, लखनऊ, बांदा, चित्रकूट, झांसी, उरई आदि की ओर से आने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ रही। परीक्षा के बाद शाम को अचानक सेंट्रल स्टेशन पर परीक्षार्थियों की भीड़ बढ़ गयी। नतीजा ये रहा कि ट्रेनों के एसी कोचों में भी परीक्षार्थियों ने कब्जा कर लिया जिन्हें उतारने के लिए जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह, आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एसएन पाटीदार दलबल से साथ जूझते रहे।

सैकड़ों यात्रियों ने यात्रा निरस्त की

- परीक्षार्थियों की भीड़ के कारण आम यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई ऐसे यात्री थे जिनका ट्रेनों में आरक्षण था लेकिन वे ट्रेन तक नहीं पहुंच पाए। सबसे ज्यादा दिक्कत स्लीपर क्लास में आरक्षण कराने वाले परिवारों को हुई जिनकी बर्थ पर परीक्षार्थियों ने कब्जा कर लिया। जिनका आरक्षण था, वह अपनी बर्थ तक नहीं पहुंच पाये।

कुछ परीक्षार्थियों ने एसी कोचों में घुसने की कोशिश की लेकिन उन्हें नीचे उतार दिया गया। परीक्षार्थियों के साथ साथ यात्रियों को कोई दिक्कत नहीं हो, इसका पूरा ख्याल रखा गया। सुरक्षा के लिहाज से जीआरपी और आरपीएफ की टीम मुस्तैद रही।

-ओम नारायण सिंह, प्रभारी, जीआरपी थाना कानपुर सेंट्रल स्टेशन

परीक्षार्थियों की भीड़ के चलते दिल्ली और कोलकाता छोर का फुटओवर ब्रिज और सुरंगी रास्ता पूरी तरह से फुल रहा। प्लेटफार्म नंबर 4,5,6,7 व 9 पर परीक्षार्थियों की सबसे ज्यादा भीड़ रही जिन्हें संभालना मुश्किल हो रहा था।

चमकेंगी केडीए की पुरानी योजनाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 1 करोड़ रुपये से सड़कों और पार्कों को विभाग करेगा रोशन
- टेंडर आमंत्रित, केडीए घंटाघर स्थित तोता पार्क भी चमकाएगा

अमृत विचार। केडीए अपनी योजनाओं में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने जा रहा है। करीब 1 करोड़ रुपये से अलग-अलग योजनाओं में सड़कों और पार्कों में लाइटिंग व्यवस्था होगी। टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं। विभाग महावीर नगर विस्तार की प्रमुख सड़कों, सकरापुर में पीएम आवास योजना में गोल चौराहे के पास लाइटिंग व्यवस्था के साथ, हाइवे सिटी, कृष्णापुरम स्थित मेजर तलवार पार्क और केडीए घंटाघर स्थित तोता पार्क को भी चमकाने जा रहा है। महावीर नगर विस्तार के प्रमुख मार्गों एवं आंतरिक सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सबसे ज्यादा 72.14 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए 30 सितंबर को टेंडर होंगे। सकरापुर (परएमएवाई) आवास योजना के गोल चौराहे के पास मार्ग प्रकाश व्यवस्था में 10.46 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके लिए ई-टेंडर 20 सितंबर को पड़ेंगे। इसी तरह हाइवे सिटी पाकेट सी एवं एफ में 6.10 लाख, अमर शहीद मेजर तलवार पार्क कृष्णापुरम में 5.32 लाख और घंटाघर स्थित तोता पार्क में 2.66 लाख रुपये खर्च होंगे। यह सभी टेंडर 20 सितंबर को पड़ेंगे।

दीपावली से पहले ठीक होगी लाइटिंग

कानपुर। नगर निगम भी त्योहारों से पहले लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त करेगा। विभाग ने 56 कार्यों के लिए टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं। 10 सितंबर को टेंडर पड़ेंगे। इसके तहत एलईडी फिटिंग, पोल, टॉवर व अन्य लाइटिंग के कार्य के लिए यह टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। जिसमें शोभायात्रा मार्ग, प्रमुख चौराहों पर खराब लाइटिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना है। नगर निगम प्रभारी अभियंता के अनुसार दीपावली से पहले ही कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

शटर काटकर 45 हजार रुपये व सामान ले गए चोर

कानपुर। कलक्टरगंज में चोर बंद दुकान का शटर काटकर 45 हजार रुपये व अन्य सामान चोरी कर ले गए। आनंदपुरी निवासी अतुल कुमार गुप्ता उर्फ पिंटू के अनुसार उनकी दालमंडी में दुकान है। तीन सितंबर की रात को वह दुकान बंद करके घर चले गए थे। देर रात चोरों ने दुकान के पीछे शटर की साइड फंटी निकालकर उसे काटा ओर अंदर घुस गए। चोर गुल्लक में रखे करीब 45 हजार रुपये, चेक बुक व बाउचर चोरी कर ले गए। थाना प्रभारी कलक्टरगंज ललित कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर चोरों की तलाश की जा रही है।

उल्टी दिशा से आए लोडर ने टक्कर मारकर बाइक सवार की जान ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पिकअप से टक्कर के बाद उछलकर डिवाइडर पर गिरा अधेड़

अमृत विचार। शास्त्रीनगर चेन फैक्ट्री चौराहा पर उल्टी दिशा से आए तेज गति पिकअप ने बाइक सवार को सीधी टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने से अधेड़ बाइक से उछलकर डिवाइडर पर जा गिरा। सिर व शरीर पर गंभीर चोट आने से हैलट में उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर भाग निकला, जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया है।

आंनद कुमार।

फजलगंज के सरोजनीनगर निवासी 59 वर्षीय आनंद कुमार ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करते थे। परिवार में पत्नी प्रभा और तीन बच्चे श्रद्धा, प्रभाकर व चिराग हैं। भतीजे गौरव ने बताया कि शुक्रवार शाम चाचा काम के सिलसिले में वह शास्त्रीनगर स्थित गुलमोहर अपार्टमेंट जा रहे थे। चेन फैक्ट्री चौराहा के पास उल्टी दिशा में आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक से उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे। इस बीच उनके सिर से हेलमेट निकल गया और डिवाइडर से टकराने से गंभीर चोट आई। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर भाग निकला और राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आंनद को हैलट में भर्ती कराया और घरवालों को खबर दी। सिर पर आई गंभीर चोटों के कारण देर रात उनकी हैलट में मौत हो गई। काकादेव पुलिस के अनुसार पिकअप कब्जे में लिया गया है।

शहरकाजी गरीब बच्ची की शादी अपने खर्च पर कराएंगे

कानपुर। मरकजी शहरकाजी डॉ. मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी ने ऐलान किया है कि पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500 वें जन्मदिन पर एक गरीब बच्ची की शादी अपने खर्च पर शान-ओ-शौकत के साथ कराएंगे।

शनिवार को शहरकाजी ने सुजातगंज में ये ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रबी उल अव्वल इस्लामी साल का तीसरा महीना है जो अपने दामन में बहुत सी रहमतें बरकतें, रूहानी खजाने समेटे हुए है। इस दिन को ईद मिलादुन्नबी के तौर पर मनाया जाता है। सूफी लाल मोहम्मद, शमसुल कमर रहमानी, मोहम्मद शाहिद अलवी आदि थे।

हेल्थ अपडेट | गैस्ट्रो की ओपीडी भी जल्द शुरू की जाएगी

बाल रोग विभाग में न्यूरो की ओपीडी शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बच्चों में गैस्ट्रो संबंधित दिक्कत

- बच्चों में गैस्ट्रो की दिक्कत पेट और आंतों से जुड़ी समस्याएं होती हैं, जैसे गैस्ट्रोएन्टेराइटिस (पेट का संक्रमण), गैस्ट्रोएसोफेगल रिफलक्स (सीने में जलन), कब्ज और एलर्जी। लक्षणों में उल्टी, दस्त, पेट दर्द, बुखार और पेट फूलना शामिल होता है। सही निदान और उपचार के लिए डॉक्टर को दिखाना महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि गंभीर मामलों में डिहाइड्रेशन या अन्य जटिलताएं भी हो सकती हैं। वहीं, कुछ बच्चों को दूध या अन्य खाद्य पदार्थों के प्रति असहिष्णुता या एलर्जी हो सकती है, जिसके कारण दस्त, पेट फूलना और पेट दर्द होता है।

अमृत विचार। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में न्यूरो की ओपीडी शुरू की गई है। गैस्ट्रो की ओपीडी भी जल्द शुरू की जाएगी। इससे बच्चों को काफी लाभ मिलेगा और बीमारी जल्द पकड़ में आने पर उनका निदान आसान होगा। बच्चों का फॉलोअप भी समय-समय पर लिया जाएगा।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में प्रतिदिन 40 से 50 बच्चे भर्ती किए जाते हैं और बाल रोग विभाग की ओपीडी में 200 से 250 तक बच्चों की संख्या पहुंचती है। करीब 20 जिलों के मरीज यहां आते हैं। जच्चा-बच्चा अस्पताल में प्रसव के बाद कुछ बच्चों की हालत खराब होने, झटके आने या पेट संबंधित समस्या होने पर उनको एनआईसीयू में भर्ती किया जाता है। जांच में जानकारी होने पर मेडिकल कॉलेज से न्यूरो व गैस्ट्रो के डॉक्टर को बुलाया जाता है। इसके अलावा ओपीडी में भी आने वाले बच्चों को भी न्यूरो व गैस्ट्रो की ओपीडी में भेजा जाता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि बाल रोग विभाग में बच्चों के लिए न्यूरो व गेस्ट्रो की ओपीडी का संचालन किया जाएगा, जहां पर बच्चों के मस्तिष्क और पेट संबंधित रोगों का इलाज होगा। बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि बाल रोग विभाग में न्यूरो की ओपीडी शुरू की गई है। गैस्ट्रो की ओपीडी भी जल्द शुरू की जाएगी।

बच्चों में न्यूरो संबंधित दिक्कत

बच्चों में न्यूरो संबंधी दिक्कतों के कई प्रकार हो सकते हैं, जैसे दौरे (मिर्गी), मांसपेशियों में कमजोरी, संतुलन और समन्वय की समस्याएं, बोलने और निगलने में कठिनाई, बौद्धिक अक्षमता या ध्यान और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं जन्मजात हो सकती हैं। चोट, संक्रमण या ट्यूमर जैसे कारकों के कारण बाद में भी हो सकती हैं। इस प्रकार के लक्षण नजर आने पर न्यूरोलॉजिस्ट के पास बच्चों को भेजा जाता है।

नबी ने महिलाओं को भी सम्मान दिया

कानपुर। अल्लाह ने पैगंबर मोहम्मद साहब को कायनात के लिए आखिरी नबी और रहमत बनाकर भेजा था। अल्लाह के नबी ने समाज के हर शख्स को उनके अधिकारों की व्याख्या करने के साथ ही महिलाओं को भी सम्मान दिया।

शनिवार को बासमंडी चौराहे पर तंजीम यौम-उन-नबी की ओर से जलसा आयोजित किया गया जिसमें मौलाना तौसीफ रजा मिस्बाही संभली ने ये बात कही। कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने गरीब, कमजोर, पति-पत्नी, भाई-बहन, पड़ोसी और किसका क्या अधिकार होता, लोगों को बताया और उन्हें इंसाफ दिलाया। मौलाना मोहम्मद शमीम अशरफी, शहरकाजी मौलाना मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही, कारी अब्दुल थे।

गन फैक्ट्री में संविदा कर्मी की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अर्मापुर स्थित गन फैक्ट्री में लकड़ी का भारी गोटा लगने से संविदा कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। फैक्ट्री कर्मी उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कर्मी की मौत खबर पाकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

संतोष कुमार।

काकादेव के सर्वोदयनगर लोहारन भट्टा निवासी 48 वर्षीय संतोष कुमार जयपुरिया अर्मापुर स्थित गन फैक्ट्री में संविदा कर्मी थे। परिवार में पत्नी अनीता और पांच बेटियां अंशिका, प्रांसी, मानसी, सलोनी व निधि हैं। अंशिका के अनुसार शुक्रवार सुबह दस बजे पिता गन फैक्ट्री गए थे। वहां क्रेन से बांधकर लकड़ी के बड़े-बड़े गोटों को उठाकर एक जगह से दूसरे स्थान पर पहुंचाया जा रहा था। तभी एक भारी गोटा पिता को लगा। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आने से उन्हें तत्काल काकादेव स्थित सीएल नर्सिंगहोम में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर पनेशिया अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह संतोष कुमार की मौत हो गई। परिजनों ने मुआवजे के लिए फैक्ट्री गेट पर हो-हल्ला किया।

संदिग्ध हालात में ओला चालक की गई जान

- कानपुर। सेनपश्चिम पारा में ओला चालक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घर पहुंचते ही चालक को उल्टी-दस्त हो गए। इस पर परिजन उसे उर्सला ले गए। जहां से हैलट रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की वजह स्पष्ट न होने पर बिसरा सुरक्षित रखा गया है। यशोदानगर के गोपालनगर पी-ब्लाक निवासी 46 वर्षीय मोहन कुमार गुप्ता ओला चालक थे। परिवार में पत्नी रमन, तीन बच्चे राज, खुशी और रोशन हैं। पिता शिव शंकर ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे मोहन ओला चलाकर घर लौटे थे। उसके बाद से ही उल्टी-दस्त आने लगे। उर्सला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर हैलट रेफर कर दिया। वहां देर रात उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार फूड प्वाइजनिंग या जहरीला पदार्थ खाने की आशंका है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

33.5 रहा अधिकतम पारा, तेज धूप निकली

कानपुर। बारिश के बाद शहर में शनिवार को तेज धूप ने शहरवासियों को परेशान किया। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि रविवार को शाम से बादल रहने से मौसम में बदलाव होने की संभावना है। विभाग की ओर से शहर का अधिकतम पारा 33 .5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह न्यूनतम पारा 25 .8 रिकॉर्ड किया गया।

नाबालिग बेटी से शराबी पिता ने किया दुष्कर्म

कानपुर। नौबस्ता में पिता ने अपनी ही 13 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म किया। घटना के समय मां काम पर गई थी। घर पर पांच वर्षीय छोटी बेटी थी, जिसे पिता ने बहाने से घर के बाहर भेजकर बड़ी बेटी के साथ दरिंदगी की। मां के लौटने पर बेटी ने आपबीती बताई तो वह सन्न रह गई। मां ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी पिता को जेल भेजा है। महिला के अनुसार उसका पति शराब का लती है। वह लोगों के घरों में काम कर अपनी दो बेटियों व परिवार का खर्च चलाती हैं। शुक्रवार को वह काम पर थी। इसी बीच पति नशे की हालत में घर पहुंचा। उसने छोटी बेटी को बहाने से घर के बाहर दुकान पर भेज दिया। इसके बाद बड़ी बेटी से दुष्कर्म किया। जब वह घर पहुंची उससे पहले पति भाग निकला। नौबस्ता थानाप्रभारी शरद तिलारा ने बताया कि आरोपी को यशोदानगर मजदूर मंडी के पास से गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

कॉरिडोर-2 डिपो में 15 ट्रैकों में से 6 बनकर तैयार

कानपुर। कानपुर मेट्रो परियोजना के कॉरिडोर-2 डिपो में प्रस्तावित 15 ट्रैक में 6 का काम शनिवार को पूरा कर लिया गया। कॉरिडोर के लिए सीएसए यूनिवर्सिटी परिसर में मेट्रो डिपो में ट्रैक निर्माण किया जा रहा है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार दीपावली में इस कॉरिडोर के लिए ट्रेनों का आगमन शुरू होने की संभावना है। कॉरिडोर-2 के लिए कुल 10 ट्रेनें प्रस्तावित हैं, जिनमें प्रत्येक में 3 कोच होंगे। यह ट्रेनें दीपावली तक इसी डिपो में आएंगी।

बिजली न आने से लोग हुए परेशान

कानपुर। संजय नगर उपकेंद्र के मोना नगर व बीमा चौराहा की बिजली इनकमर के वीसीबी में फॉल्ट होने से सुबह सात बजे गुल हो गई, जो दोपहर को एक बजे आई। रूमा उपकेंद्र के तिरंगा, एक्सिस, केआईटी, चकेरी-2 फीडर की बिजली पॉवर ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या आने के कारण सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक गुल रही। वहीं, स्वर्ण जयंती विहार में वितरण ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या आने से दोपहर दो बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं रही।

हनुमान जी की तरह अपनी सुप्त शक्तियों को जगाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उपनिवेशवाद, आक्रमणों और शोषण के कारण भारत अपनी सभ्यतागत महिमा को भूल गया
- आईएमए भवन में हुआ भारत की आत्मशक्ति जागरण पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

मुख्य अतिथि दीपक वोहरा का स्वागत किय गया। अमृत विचार

अमृत विचार। परेड स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन भवन के जितेंद्र कुमार लोहिया सभागार में शनिवार को भारत की आत्मशक्ति जागरण पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसमे भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी व पूर्व राजदूत दीपक वोहरा ने जामवंत प्रभाव- इंडिया कैसे भारत बनता है, विषय पर संबोधन दिया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने कहा कि यह व्याख्यान समाज में जागरूकता और आत्मबल बढ़ाने का कार्य करेगा।

पूर्व राजदूत दीपक वोहरा ने रामायण के एक प्रसंग के माध्यम से संदेश दिया कि जिस प्रकार जामवंत ने हनुमान जी को उनकी सुप्त शक्तियों का स्मरण कराया था, उसी प्रकार आज प्रत्येक भारतीय को अपनी निहित क्षमताओं और गौरवशाली परंपराओं को पहचान कर राष्ट्र के नवनिर्माण में योगदान देना चाहिए। क्योंकि जैसे व्यक्ति अपनी शक्ति भूल सकता है, वैसे ही एक राष्ट्र भी अपनी ताकत तब तक भूल सकता है, जब तक कोई उसे याद न दिलाए। उन्होंने भारत पर कहा कि सदियों तक उपनिवेशवाद, आक्रमणों और शोषण के कारण भारत अपनी सभ्यतागत महिमा को भूल गया। असीम सांस्कृतिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक धरोहर होने के बावजूद आत्मविश्वास डगमगा गया। शक्ति तो थी, पर भरोसा नहीं था। जामवंत प्रभाव ये है कि आज भारत फिर से अपनी शक्ति और आत्मविश्वास को पहचान रहा है। विश्व का सम्मान भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, प्रतिभा, अर्थव्यवस्था और संस्कृति हमें बार-बार याद दिला रहा है कि हम कौन हैं, और यही स्मरण भारत को भारत बना रहा है। जिस तरह हनुमान जी की छलांग ने रामायण की दिशा बदल दी, उसी तरह भारत का आत्मविश्वास 21वीं सदी की धारा को मोड़ देगा। जब हम याद कर लेते हैं कि हम वास्तव में कौन हैं, तब इंडिया भारत बन जाता है, एक ऐसा राष्ट्र जो शक्ति, ज्ञान और मूल्यों से विश्व का नेतृत्व करता है।

दीपक वोहरा ने कहा कि हनुमान जी की तरह, शक्ति तो हमारे पास हमेशा थी, बस एक जामवंत की याद दिलाने की आवश्यकता थी। आज वह स्मरण हो चुका है और भारत पुनः विश्व मंच पर उदित हो रहा है। आईएमए सचिव डॉ. विकास मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य जनता में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम संयोजक डॉ.उमेश पालीवाल, डॉक्टर, छात्र-छात्राएं, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि आदि रहे।

हैलट इमरजेंसी से एक एसआर मिला गायब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मेडिकल कॉलेज प्राचार्य ने किया औचक निरीक्षण

अमृत विचार। शनिवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला अचानक इमरजेंसी पहुंचे तो इमरजेंसी से उनको सीनियर रेजिडेंट नदारद मिला। प्राचार्य ने मेडिसिन विभाग के एसआर का एक दिन का वेतन रोक दिया।

हैलट अस्पताल की इमरजेंसी में प्रतिदिन औसतन सौ मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमे मेडिसिन, न्यूरो, आर्थो, नाक,कान व गला, नेत्र रोग व सर्जरी समेत आदि विभाग के मरीज शामिल रहते हैं। लेकिन सर्वाधिक मरीजों की संख्या मेडिसिन इमरजेंसी में होती है, यहां पर आने वाले मरीजों की मुख्य जिम्मेदारी सीनियर रेजिडेंट पर होती है, लेकिन शनिवार को जब मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह व सीएमओ डॉ.सौरभ अग्रवाल अचानक पहुंचे तो उनको मेडिसिन विभाग से सीनियर रेजिडेंट गायब मिले। जूनियर रेजिडेंट पूरी मेडिसिन इमरजेंसी की बागडोर अपनी हाथों में खंभाले हुए थे। वहीं, इमरजेंसी में उनको कई जगह पर गंदगी मिली और ऑर्थो विभाग की इमरजेंसी के सामने बाथरूम से दुर्गंध आने पर नाराजगी व्यक्त की। प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि ड्यूटी से लापता एसआर का एक दिन का वेतन रोका गया है। गंदगी मिलने पर संबंधित को सफाई के निर्देश दिए गए है। आईसीयू में विशेष नजर रखने को कहा गया है। एसआर का एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमे वह अब अपने ड्यूटी पर आने और जाने दोनों की जानकारी देंगे। साथ जरूरी रिपोर्ट भी डालेंगे। इसके अलावा सभी एसआर एक-एक वार्ड का भ्रमण करेंगे और मरीजों के स्वास्थ्य व इलाज की जानकारी लेंगे। सभी विभागाध्यक्ष अपने एसआर पर नजर रखेंगे।

नशे में धुत बेटे ने शराब के लिए मां को ईंट से कूंच कर मार डाला

कमरे की कुंडी तोड़कर अंदर घुसा, भागते समय ग्रामीणों ने पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राजेश्वरी।

जांच करती पुलिस और फॉरेंसिक टीम। अमृत विचार

- सेन पश्चिम पारा के कसिगवां गांव में वारदात, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा के कसिगवां गांव में शनिवार दोपहर नशेबाज बेटे ने शराब के लिए रुपये न देने पर बुजुर्ग मां की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी। मां उससे बचने के लिए कमरे में घुस गई तो उसने कमरे के दरवाजे पर पथराव कर हंगामा किया। फिर कुंडी तोड़कर अंदर घुसा और ईंट से हमलाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद भाग रहे युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए।

कसिगवां गांव निवासी किसान तुलसीराम यादव की करीब पंद्रह साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। जिसके बाद उनकी 60 वर्षीय पत्नी राजेश्वरी चार बेटों उमेश, सुशील, राजाराम उर्फ लादेन और मनोज के साथ रह रही थीं। उनका सबसे बड़ा बेटा उमेश कई साल पहले साधु बन गया, जिससे घर छोड़कर चला गया था। उसके बाद वह राजाराम व मनोज के साथ रह रही थीं। शनिवार दोपहर राजेश्वरी का छोटा बेटा मनोज फैक्ट्री में काम करने गया था। इसी बीच आएदिन की तरह राजाराम शराब के नशे में लड़खड़ाते हुए आया और मां से शराब के लिए रुपये मांगे। बेटे को नशे में देखकर उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया और कमरे में घुसकर दरवाजे पर अंदर से कुंडी लगा ली। इस पर राजाराम दरवाजे के पास खड़ा होकर गाली-गलौज करने लगा। कुछ ही देर में राजाराम ने पहले दरवाजे पर पथराव किया, फिर कुंडी तोड़कर अंदर घुसा। इसी बीच घर के बाहर ग्रामीणों का मजमा लगा रहा। कमरे में पहुंचते ही उसने बुजुर्ग मां को पीटना शुरू कर दिया। ईंट उठाकर मां के सिर पर ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी। हत्यारोपी राजाराम ने भागने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने दौड़ाकर दबोच लिया और वारदात की खबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी राजाराम को हिरासत में लिया और मौके पर जांच की। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए।

पहले भी कर चुका था मां से मारपीट

- कसिगवां के ग्रामीणों का कहना है कि नशे का लती राजाराम पहले भी कई बार मां राजेश्वरी से मारपीट कर चुका था। कई बार पीटकर शराब के लिए पैसे छीने थे। जब उसके भाइयों को पता चला तो मारपीट हुई। पड़ोसियों के अनुसार नशे में होने के बाद भी और पीने के लिए वह अक्सर मां से पैसे छीनकर ले जाता था, यही कारण है कि शनिवार को राजेश्वरी ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया था।

चिड़ियाघर में बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अमृत विचार

बच्चों ने पेंटिंग से बताई गिद्धों की उपयोगिता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चिड़ियाघर में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता

अमृत विचार। चिड़ियाघर में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने पर्यावरण के लिए गिद्धों की उपयोगिता पर चित्र बनाए। बताया कि प्रकृति के संतुलन में गिद्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चिड़ियाघर में निदेशक डॉ. कन्हैया पटेल ने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को गिद्ध के विषय में संक्षिप्त परिचय दिया। निदेशक ने कहा कि गिद्ध प्रकृति के सफाई योद्धा हैं जो किसी भी जानवर की मृत्यु पर उन्हें साफ करते हैं और प्रकृति को बीमारियों से बचाते हैं। क्षेत्रीय वनाधिकारी नवेद इकराम ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए गिद्ध बहुत आवश्यक हैं जिन्हें आज बचाने की जरूरत है क्योंकि गिद्धों की संख्या धीरे धीरे कम हो रही है। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी चित्रकला के माध्यम से बताने का प्रयास किया कि गिद्ध पर्यावरण का संतुलन बनाने रखने के लिए क्यों जरूरी हैं। चित्रकला प्रतियोगिता में एनएलके पब्लिक स्कूल की छात्रा चाहत यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। एसडी एजूकेशन सेंटर की छात्रा सौम्या ने दूसरा स्थान और एनएलके की छात्रा मिष्ठी ने तीसरा स्थान हासिल किया। क्षेत्रीय वन अधिकारी फिरोज खान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मोहम्मद नासिर, जितेंद्र कुमार हंस, इतू सचान आदि मौजूद रहीं।

पैथोलॉजी की गलत रिपोर्ट मामले में जांच शुरू

कानपुर। दक्षिण क्षेत्र की एक निजी पैथोलॉजी ने महिला का अल्ट्रासाउंड कर दो अलग-अलग रिपोर्ट बनाकर दी हैं। पहली रिपोर्ट में गाल ब्लैडर में पथरी होने की जानकारी दी गई और दूसरी रिपोर्ट में गाल ब्लैडर ही नहीं शो हुआ। सीएमओ ने जांच के लिए कमेटी का गठन किया है।

बर्रा दो निवासी अमन दीप सिंह ने सीएमओ कार्यालय में दिए शिकायत पत्र में बताया कि मां के पेट में दर्द होने पर सिटी अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे एंड पैथालॉजी में 24 अगस्त को अल्ट्रासाउण्ड कराया था, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में गाल ब्लैडर में चार एमएम व छह एमएम की पथरी बताई गई। जबकि मां का गाल ब्लैडर 17 माह पहले सात मार्च 2024 को आपरेशन से निकाला जा चुका था। ऐसे में वह मां को लेकर दोबारा पैथोलॉजी गया तो रिपोर्ट के आधार पर दो आपरेशन बता दिए गए, दोबारा सिटी अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे एंड पैथालॉजी में अल्ट्रासाउंड कराया तो पहले वाली रिपोर्ट मिस प्रिंट की वजह से गलत होने की जानकारी दी गई। आरोप है कि जब विरोध किया तो पैथोलॉजी वाले डॉक्टर व स्टाफ अभद्रता करने लगे। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया है।

ओम प्रकाश श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ भेंट करते जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह व अन्य।

कॉरपोरेट में एआई से मिलेंगे अच्छे रिजल्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कंपनी सचिव संस्थान के सेमिनार में विशेषज्ञों ने जताई राय

अमृत विचार। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान कानपुर चैप्टर की ओर से शनिवार को 'कॉरपोरेट गवर्नेंस इन ट्रांजिशनः ऑपच्यरुनिटीज फॉर कंपनी सेक्रेट्रीज इन एनसीएलटी और ईएसजी' विषय पर सेमिनार में विशेषज्ञों ने एआई को महत्वपूर्ण टूल बताया। कहा कि कॉरपोरेट में कई महत्वपूर्ण कार्यप्रणालियों में एआई का मिश्रण बेहतर परिणाम देगा।

मुख्य अतिथि जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के परियोजना निदेशक आलोक कुमार सिंह रहे। असिस्टेंट आरओसी प्रिंस कुमार मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि कंपनी सचिव एक अत्यधिक विशिष्ट और रणनीतिक वरिष्ठ भूमिका है।

यह पेशेवर कंपनी, इसके निदेशक मंडल, शेयरधारकों और सरकारी निकायों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, विशेषज्ञ सलाह प्रदान करता है और पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करता है। मुख्य वक्ता सीएस जतिन सिंगल ने बताया कि कंपनी सचिवों के पास रणनीतिक सलाहकार बनकर, कॉर्पोरेट रणनीति में ईएसजी को एकीकृत करके, अनुपालन और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करके, हितधारक जुड़ाव को बढ़ाकर और शासन और स्थिरता प्रथाओं में नवाचार को बढ़ावा देकर ईएसजी में महत्वपूर्ण अवसर हैं। सेमिनार में प्रबंध समिति की सीएस वैभव अग्निहोत्री, सीएस जाग्रति मिश्रा, सीएस रीना जाखोडिया,और अन्य सदस्य सीएस मनोज यादव, सीएस मनीष शुक्ला , सीएस राहुल मिश्रा मौजूद रहे।

सेमिनार की शुरुआत करते जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के परियोजना निदेशक आलोक कुमार सिंह। अमृत विचार

विदेशी ब्रांड का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भाजपा प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव आए

अमृत विचार। 15 से 25 सितंबर तक भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंच कर लोगों से विदेशी ब्रांडेड वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और प्लास्टिक का बहिष्कार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। जागरूकता के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग्स, बैनर लगाए जाएं। पार्टी कार्यकर्ता बाजार में जाकर दुकानदारों से अपने देश में निर्मित स्वदेशी सामान की बिक्री करने की अपील करें। यह बातें प्रकोष्ठ एवं विभाग के प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कहीं।

शनिवार को केशव नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रकोष्ठ एवं विभागों की बैठक में पहुंचे ओम प्रकाश श्रीवास्तव अध्यापक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पहुंच कर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को बेनकाब करें। उन्होंने विभाग एवं प्रकोष्ठों के संयोजकों को खड़ाकर उनके द्वारा किए गए कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। कहा कि जब हम स्वदेशी वस्तु खरीदते हैं, तो हम केवल एक उत्पाद नहीं खरीदते, बल्कि देश के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को चुनते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग एवं प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह संयोजक एक राष्ट्र-एक चुनाव, पीएम मोदी के जन्मदिन पर होने वाले सेवा पखवाड़े, स्नातक चुनाव, पंचायत चुनावों सहित अन्य आगामी कार्यक्रमों में ऊर्जा और समर्पण के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। अब समय आ गया है कि जब लोकतंत्र को अनावश्यक खर्च से मुक्त किया जाए। इसके लिए राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। अनीता गुप्ता, दिवाकर मिश्रा, रघुनंदन भदौरिया, अनिल मिश्रा, डॉ अनुराग मेहरोत्रा, संजीव पाठक, रवि दीक्षित, मनीष त्रिपाठी रहे।

राजनीति | पूर्व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री के घर पहुंचे भाजपा नेता

प्रकाश पाल ने हरप्रकाश की पत्नी के पैर छुए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हर प्रकाश अग्निहोत्री की पत्नी का सम्मान करते प्रकाश पाल। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल शनिवार को कांग्रेस नेता की पत्नी का सम्मान करने उनके घर पहुंचे। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे प्रकाश पाल ने कांग्रेस के आईसीसी सदस्य एवं पूर्व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री की पत्नी के पैर छुए, तिलक लगाया और आशीर्वाद मांगा। भाजपा नेता ने दावा किया कि हमने कांग्रेस की गांधीगिरी का जवाब सनातन गिरी से दिया है।

बिहार में मंच से पीएम नरेन्द्र मोदी को अपशब्द कहे जाने का मामला थमा नहीं है। इसके विरोध में कांग्रेस मुख्यालय तिलक हाल पर प्रदर्शन करने गए भाजपाइयों से झड़प हो गई थी। धक्का-मुक्की के बीच एक-दूसरे पर आलू-टमाटर फेंके गए थे। इसके बाद कांग्रेसी सब्जी लेकर भाजपाइयों के पास गए थे। इसी क्रम में भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी कार्यकर्ताओं संग कांग्रेस नेता हर प्रकाश अग्निहोत्री के देव नगर स्थित घर गए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने पूछा कि क्या मोदी की दिवंगत माताजी को गाली देना उचित है? क्या राहुल गांधी इसका विरोध नहीं कर सकते? अगर वे नहीं करते तो आप भी मां हैं, आप तो विरोध अवश्य कर सकती हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि भाजपा प्रत्येक मां को अपनी मां मानती है। प्रधानमंत्री की मां को गाली देना देश की सनातन परंपराओं और भारतीय संस्कारों का घोर अपमान है। उन्होंने हर प्रकाश की पत्नी के पैर छुए। इस दौरान पूर्व पार्षद जितेंद्र सचान, भाजपा रायपुरवा मंडल अध्यक्ष गौरव पांडे, देवांग शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगाए जाने और सब्जी लूट कांड से घबराई भाजपा

- कानपुर। पूर्व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने बताया कि भाजपा नेता घर आए थे, लेकिन कोई राजनीतिक बातें नहीं हुईं। वह सब काल्पनिक बातों को प्रकाशित कराना चाहते हैं। हमारे किसी नेता ने पीएम मोदी व उनकी मां को गाली नहीं दी। भाजपा नेता कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, ईडी और दीदी जैसे बयान देते हैं तब सनातन खतरे में नहीं जाता है। दरअसल भाजपा घबराई हुई है। शहर में तिलक हाल से भगाए जाने और सब्जी लूट कांड से इनकी फजीहत हो गई है। अब राजनीतिक लाभ के लिए यह लोग कांग्रेस नेताओं के घर-घर जा रहे, यह चाल चलेगी नहीं।

पीईटी में पकड़ा गया मुन्ना भाई, पुलिस के हवाले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमरदीप।

अमृत विचार। प्रारंभिक आर्हता परीक्षा (पीईटी) 2025 के दौरान शनिवार को एक मुन्ना भाई पकड़ा गया। आरोपित अपने दोस्त की जगह परीक्षा देने आया था। इस दौरान बायोमीट्रिक मिलान नहीं होने पर कक्ष निरीक्षक ने आरोपित को पकड़ा। साथ ही कलक्टरगंज पुलिस को सूचना देकर आरोपित को उनके हवाले किया।

प्रारंभिक आर्हता परीक्षा के दौरान शनिवार को बिरहाना रोड स्थित बालिका इंटर कॉलेज में द्वितीय पाली में बायोमीट्रिक मिलान नहीं होने पर कक्ष निरीक्षक ने एक युवक को पकड़ा। पूछताछ करने पर पहले युवक से आधार कार्ड मांगा तो वह दिखा नहीं पाया। इस दौरान युवक ने होटल में आधार कार्ड छूटने की बात बोली। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस आई तो युवक को पुलिस के हवाले किया गया। उसने अपना नाम अमरदीप पुत्र आनंद कुमार सिंह निवासी देवधर झारखंड बताया। आरोपित के अनुसार वह वाराणसी निवासी सूरज सोनकर पुत्र मुन्ना लाल सोनकर की जगह परीक्षा दे रहा था। थाना प्रभारी ललित कुमार ने बताया कि आरोपित ने दोस्त की जगह परीक्षा देने की जानकारी दी है। फिलहाल सेक्टर मजिस्ट्रेट की शिकायत पर आरोपित को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

सिटी ब्रीफ

सेवायोजन विभाग 8 काउंसिलिंग कराएगा

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से अब महीने में 8 काउंसिलिंग कराई जाएंगी। फिलहाल स्कूलों में इस तरह की 6 काउंसिलिंग ही होती थीं। कक्षा बारहवीं के छात्रों की होने वाली काउंसिलिंग में युवाओं को रोजगार संबंधी जानकारियां दी जाएंगी। युवाओं को प्रोफेशनल कोर्स और रोजगार के बदलते स्वरूप के बारे में भी विशेषज्ञ काउंसलर की ओर से बताया जाता है।

शिक्षक हुए सम्मानित

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सिधांशु राय को शिक्षा में नवाचार एवं समाज को एक नई दिशा प्रदान करने में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वर्ल्डएडेक्स कॉरपोरेट संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष गुप्ता एवं निदेशक अंकित श्रीवास्तव द्वारा उन्हें बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ सिधांशु राय वर्तमान में सीएसजेएम विश्वविद्यालय में निदेशक एलुमनाई एवं इनोवेशन फाउंडेशन में शैक्षिक नवाचार का प्रयोग करते रहते हैं।

जश्ने ईद मीलादुन्नबी पर विशेष दुआ

कानपुर। पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500 साला जश्ने ईद मीलाद उन नबी पर रविवार को खदीजतुल कुबरा हॉल, मदरसा अल जामियातुल इस्लामिया अशरफुल मदारिस कानपुर में आयोजित विशेष दुआ में मौलाना हाशिम अशरफी ने मुल्क के अमन-ओ-अमान के लिए दुआ कराई।

खत्म नबूवत कांफ्रेंस में जुटेंगे देशभर के उलेमा

कानपुर। जामिया अरबिया इशाअतुल उलूम एवं शहर जमीअत उलेमा द्वारा संयुक्त रुप से 13सितंबर को तहफ्फुज खत्म नबूवत कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने कहा है कि वर्तमान में गुमराह फिरकों से हमें चौकन्ना रहने की जरुरत है।

महाराष्ट्र मंडल खलासी लाइन के गणपति विसर्जन में नाचते-गाते चले भक्त।

मैस्कर घाट पर बप्पा को विदाई दी गई अमृत विचार

लाठीमोहाल की विसर्जन यात्रा।

परिवार के साथ जाकर गजानन को विदाई दी। अमृत विचार

सिंदूर, गुलाल उड़ाकर नाचते-गाते गणपति को किया विदा, शहर में गणेश विसर्जन की धूम रही, जगह-जगह भक्तों ने प्रभु की निकाली विदाई यात्रा

गजानन जाते अपने धाम, सबको राम-राम-राम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दस दिन भक्तों के बीच रहने के बाद विघ्नहर्ता ने शनिवार को विदाई ले ली। भक्तों को प्रभु प्रतिमा की विदाई करने पर मन भर आया। विदाई यात्रा में भक्तों ने सिंदूर, गुलाल व फूल उड़ाए। ढोल-ताशों की थाप पर भक्त खूब झूमे-नाचे। इस दौरान कई भक्तों की आंख नम हो गईं। जगह-जगह भंडारे हुए। देर शाम तक प्रभु की प्रतिमाओं का विसर्जन होता रहा।

गणपति पंडालों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही। भक्तों ने भोग लगाकर प्रभु से विघ्न हरने की कामना की। पूजन के अंतिम दिन पंडालों में विशेष आरती हुई। इसके बाद निकली विसर्जन यात्राओं में ढोल और डीजे की धुन पर नृत्य कर भक्तों ने उत्साह जताया। इन यात्राओं का कई जगहों पर स्वागत भी किया गया। आरती और पूजन के बीच भक्तों को भंडारा भी वितरित किया गया। कई जगहों पर मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं हुईं। विसर्जन यात्राओं के दौरान कड़ी सुरक्षा रही।

बच्चों के गणपति निकले: लाठी मोहाल स्थित श्री राधे-राधे बाल संघ की ओर से विसर्जन यात्रा निकाली गई। लाठी मोहाल के राजा की निकली यात्रा में छतों से फूल बरसाए गए। इस पंडाल को बच्चों वाले पंडाल से जाना जाता है। हजारी लाल मन्दिर मैदान से निकली यात्रा में गणपति को फूलों से सजे रथ में विराजमान किया गया था। उनके साथ ऋद्धि सिद्धि भी विराजमान की गई थी। यात्रा में शरद बाजपेयी, रोहित बाजपेई, अजय गुप्ता, ज्ञानेन्द्र विश्नोई, सन्तोष राठौर, हरीश जैन, प्राशु गुप्ता, पार्षद अमित गुप्ता, प्रेम बाजपेई सहित सैकड़ भक्त चल रहे थे। भारतीय मानव अधिकार एसोसिएशन ने रामगंगा नहर गुजैनी बाईपास में गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के बीच विसर्जन किया गया। जिसमें मंडल अध्यक्ष कानपुर नगर अनिल शर्मा व संगठन व परिवार के लोग उपस्थित रहे।

शहर से जगह-जगह निकलीं गणेश विसर्जन यात्राएं। भक्तों ने जयाकरे लगाए। अमृत विचार

गोविंदनगर से निकली विसर्जन यात्रा।

भारतीय मानवाधिकार एसो. की यात्रा।

रावतपुर गांव में गणेश महोत्सव मनाया गया। अमृत विचार

गजानन की विदाई यात्रा में उड़ा अबीर- गुलाल

कानपुर। श्री सिद्धेश्वर मंदिर रावतपुर गांव में आयोजित गणेश महोत्सव में हवन पूजन के बाद विदाई की गई। बप्पा की शोभायात्रा में जमकर अबीर और गुलाल उड़ा। श्रद्धालुओं ने गंगा बैराज पर बप्पा को विसर्जित किया। इस अवसर पर अश्वनी दिवाकर, दीपक दिवाकर, रवि कश्यप, विजय दिवाकर, मनोज वीर, साहिल चौधरी, सौरभ चौधरी, अनिकेत चौधरी, सौरभ चौधरी, रवि दिवाकर, शिवम बाथम, गोलू बाथम, चंदन, मोनू आदि रहे।

पत्र वितरकों ने भजन संध्या और भंडारे का आयोजन किया। अमृत विचार

सम्मानित किए गए समाचार पत्र वितरक

कानपुर। समाचार पत्र वितरक समाज के संरक्षक धर्मेन्द्र अवस्थी के घर पर भजन संध्या, गणेश प्रतिमा विसर्जन और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाचार पत्र वितरकों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी ने गजानन के दर्शन किए। कार्यक्रम में वागीश बाजपेई, रेखा तिवारी, राज कुमार पाण्डेय, मोनू पंडित, संजय विश्नोई, नवीन अग्रवाल, कपिल पांडेय, वीरेंद्र मिश्रा, मंडलेश्वर श्री अरुण पुरी व आलोक मिश्रा मौजूद रहे।

टीएसएच में 377 ईडब्लूएस बच्चों ने लिया पहले दिन ट्रायल में हिस्सा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फिजिकल एप्टीट्यूड टेस्ट हुआ रविवार को इंडिविजुअल स्पोर्ट्स स्किल टेस्ट
- अल्प आय वर्ग के बच्चों को दिया जाता है विभिन्न खेलों का निशुल्क प्रशिक्षण

अमृत विचार। आर्यनगर स्थित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में अल्प आय वर्ग (ईडब्लूएस) के बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देने के लिये खेल ट्रायल की शुरुआत की गई। शनिवार सुबह सात बजे से शुरू हुए इस ट्रायल में दस खेलों के लिए प्रतिभागियों का चयन होना है। छठवें बैच के लिए नगर निगम को कुल 492 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 477 बच्चों को ट्रायल के लिए बुलाया गया है।

दो दिवसीय ट्रायल प्रक्रिया शनिवार और रविवार को आयोजित की जा रही है। पहले दिन 377 बच्चों ने हिस्सा लिया, जिनका फिजिकल एप्टीट्यूड टेस्ट कराया गया। इसमें शटल रन, मेडिसिन बॉल थ्रो, स्टैंडिंग लॉन्ग जंप, स्क्वैट और 100 मीटर दौड़ जैसे अभ्यास शामिल रहे। रविवार को इंडिविजुअल स्पोर्ट्स स्किल टेस्ट होगा, जिससे बच्चों की चुने गए खेलों में व्यक्तिगत दक्षता को परखा जाएगा। इसके साथ ही पहले दिन किसी कारणवश अनुपस्थित रहे प्रतिभागियों को भी रविवार को मौका दिया जाएगा। अंतिम चयन दोनों चरणों के अंकों और परिवार की आय को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। चयनित बच्चों को 10 सितंबर से शुरू होने वाले छठवें बैच में आधुनिक खेल सुविधाओं के बीच प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। ट्रायल प्रक्रिया की निगरानी के लिए नगर निगम ने सात सदस्यीय कोआर्डिनेशन कमेटी का गठन किया है।

लॉन्ग जंप में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा। अमृत विचार

विकास की बात

गंगापथ और रिवर फ्रंट के लिए डीपीआर की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अटलघाट से लेकर शुक्लागंज तक बनेगा गंगापथ, कम होगा यातायात दबाव

अमृत विचार। शहर की वीआईपी रोड पर यातायात का लोड काफी बढ़ गया है, यहां पर लगने वाले जाम में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और मंत्री तक फंस जाते है। इस जाम की समस्या से न सिर्फ आम जनता, बल्कि अधिकारियों, मंत्रियों व जनप्रतिनिधिओं और अन्य जिले, प्रदेश व देश से आने वाले लोगों को मिले, इसलिए अटल घाट से लेकर शुक्लागंज तक गंगापथ सड़क मार्ग व रिवर फ्रंट का निर्माण होना है, जिसकी डीपीआर के संबंध में सेतु निगम ने अपने स्तर से तैयारी शुरू कर दी है।

कंपनीबाग से लेकर सरसैया घाट चौराहा तक वीआईपी रोड पर प्रतिदिन जाम के हालात रहते है, इसकी वजह से कई बार जिलाधिकारी वाली रोड होते हुए छह बगलिया मोड से आगे तक जाम लगता है। जाम की समस्या मुख्य रूप से दोपहर से देर शाम तक अधिक रहती है। इसके अलावा मार्ग पर जलभराव होने या बारिश के दौरान यह जाम और विकराल हो जाता है। वीआईपी रोड पर यातायात लोड को कम करने के उद्देश्य से शुक्लागंज में प्रस्तावित नए सेतु को अटल घाट से जोड़ते हुए लगभग 9 किलोमीटर लंबा 4 लेन गंगा पथ सड़क मार्ग का निर्माण होगा, जो पटना गंगा पथ की तर्ज पर रिवर फ्रंट से संयुक्त होगा।

शहर के लिए इस महत्वपूर्ण परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार के लिए सेतु निगम ने अपने स्तर से तैयारी शुरू कर दी है। सेतु निगम के एक अधिकारी के मुताबिक यह प्रस्ताव विजन 2050 के अंतर्गत शासन को प्रेषित योजनाओं में सम्मिलित किया गया है। शासन द्वारा की जा रही समीक्षा के क्रम में परियोजना की डीपीआर तैयार करने का दायित्व सेतु निगम को सौंपा गया है, जिसका समन्वय नीरज श्रीवास्तव करेंगे। डीपीआर को जल्दी और सार्थक रूप में तैयार करने के लिए नीरज श्रीवास्तव, बिहार राज्य पथ विकास निगम और पटना गंगा पथ योजना के कंसल्टेंट्स से आवश्यक इनपुट भी लिए जाएंगे।

सिटी डायरी

शिक्षक राजन लाल को पुरस्कार दिया गया।

शिक्षक सम्मान राशि बच्चों पर खर्च करेंगे गुरु जी

कानपुर। राज्य अध्यापक पुरस्कार 2024 के लिए कानपुर नगर से चयनित चौबेपुर के शिक्षक राजन लाल अपनी सम्मान राशि बच्चों को सुविधाएं देने पर खर्च करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सम्मान राशि वे स्कूल में पांच डिजिटल एक्सरसाइज बोर्ड, सभी बच्चों के लिए आई कार्ड, टाई, बेल्ट, पेन, पेंसिल, कॉपी, लैपटॉप, बैग, स्वेटर और ड्रेस के लिए खर्च करेंगे। राजन लाल को 5 सितंबर पर शिक्षक दिवस के मौके पर लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सूबे के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया था। उन्हें यह पुरस्कार नए नवाचारों जैसे कि शिक्षा आपके द्वार, बच्चों का जन्मदिन मनाना, मेरी गुल्लक मेरी पहचान, मन की बात बोलती पेटियां, स्टार ऑफ द डे, स्टार ऑफ द मंथ, स्टार ऑफ द स्टूडेंट सहित रचनात्मक कार्यों के लिए दिया गया।

शिक्षकों का सम्मान किया गया। अमृत विचार

शिक्षकों का हुआ सम्मान

कानपुर। मां तुझे सलाम सोशल फाउंडेशन की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को विशिष्ट सम्मान दिया गया। पुरस्कार का वितरण करते हुए मुख्य अतिथि आयुर्वेदिक जिला अधिकारी डॉ कप्तान सिंह ने शिक्षिका गुलफिशा, सोनम मिश्रा, रानी, गुलअफशा मलिक द्वारा शिक्षा क्षेत्र में दिए गए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही देश का भविष्य गढ़ते हैं। सुचित्रा सिंह तूलिका सिंह, एसपी गुप्ता आदि रहे।

बच्चों के दादा-दादी को सम्मानित किया गया। अमृत विचार

ग्रैंड पैरेंट्स डे मना

कानपुर। वात्सल्य किड्स माई फर्स्ट छोटा स्कूल में ग्रैंड प्रेरंट्स डे आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डा अर्चना दीक्षित ने की। इस दौरान ग्रैंड प्रेरंट्स द्वारा विभिन्न प्रकार के बलून ब्लेंसिंग, आंसर द रॉग वन आदि खेलों में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि अर्चना दीक्षित ने कहा कि बच्चो में संस्कार दादा दादी से मिलते हैं। आज के परिपेक्ष में संयुक्त परिवार समाप्त हो रहे है। एकल परिवारों का चलन बढ़ा है। इसी कारण समाज में रिश्तों में गिरावट आ रही है। ऐसे में दादा दादी नाना नानी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। कार्यक्रम में मानसी सिंह, गरिमा मिश्रा, अवन्या शुक्ला, विद्यालय के निदेशक शशिकांत दीक्षित मौजूद रहे।

नेक बात

मस्जिदों में निकाह करें, दहेज की नुमाइश करना मुनासिब नहीं

निकाह में फिजूलखर्ची रोकने के लिए बोर्ड की मुहिम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आपके दिखावा के चलते गरीब बेटियों की शादी नहीं हो पा रही

अमृत विचार। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने निकाह को आसान बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। बोर्ड का मानना है कि धनाढ्य परिवारों में दहेज की नुमाइश के चलते गरीबों की बेटियां निकाह के लिए बैठी हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस बाबत सदस्यों के साथ बैठक की। बोर्ड का मानना है कि बड़ी संख्या में लोग मस्जिद में निकाह की अदायगी करने लगे हैं, फिर भी ऐसे लोगों की बड़ी तादाद है, जो दिखावा करते हैं। यह अभियान ऐसे लोगों को रोकने के लिए ही है। कानपुर में बोर्ड के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य प्रो. मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि निकाह को आसान बनाने की मुहिम महाराष्ट्र में शुरू हो चुकी है, जिसका परिणाम भी दिखाई देने लगा है। जल्द ही यूपी में भी अभियान शुरू किया जाएगा।

प्रोफेसर ने बताया कि यह काम ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की इस्लाहे-मुआशरा कमेटी की ओर से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलिकापुर में एक निकाह की तकरीब बहुत सादगी के साथ हुई। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को मदीना मस्जिद सैकलपुरा बारादरी मलिकापुर में मरहूम अब्दुर रशीद के बेटे अज़ीज मोहम्मद जैद का निकाह मोहम्मद जाकिर कलीम (बारादरी मलिकापुर) की बेटी के साथ बहुत सादगी और सुन्नत व शरियत के मुताबिक़ हुआ।

उन्होंने कहा कि तमाम लोग दहेज का दिखावा करते हैं, जिससे गरीब की बेटियों का निकाह नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में दिखावा और फिजूलखर्ची शादी की कामयाबी का पैमाना बन चुका है।

जितनी फिजूलखर्ची होगी और जितने तरह के खाने मेहमानों के लिए रखे जाएंगे, शादी उतनी ही कामयाब मानी जाती है। करोड़ों रुपये बर्बाद करने वाली शादियां मीडिया और सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं और लोग उन पर वाह-वाह करते हैं, जिसे रोकना जरूरी है।

गोविंदनगर व लाटूशरोड से राहत सामग्री भेजी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु सिंह सभा लाटूश रोड से पंजाब के बाढ़ पीड़ित जानवरों के लिए 80 टन पशु आहार गुरदासपुर के लिए रवाना किया गया। इसी तरह श्री गुरु सिंह सभा गोविंद नगर एवं एक ओंकार फाउंडेशन ने ट्रकों से दवाएं, महिलाओं-बच्चों की जरूरत का सामान समेत राहत सामग्री पंजाब भेजी गई है।

श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरविंदर सिंह लार्ड मयूर समूह के सुनील गुप्ता, प्रतीक गुप्ता, सतविंदर सिंह अरोरा, गुरजिंदर सिंह, सर्वप्रीत सिंह सागरी, अमरजीत सिंह मारवाह, रविंदर सिंह एडवोकेट, राजीव सिंह घई, हरमिंदर सिंह लोंगोवाल, मनमीत सिंह राजू, गगन ढींगरा गोल्डी आदि उपस्थित थे। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा ब्लाक नंबर 4 गोविंद नगर में सरदार कमलजीत सिंह, गगनदीप सिंह (अमन), मेहताब सिंह व अमित सिंह मिल्की, सरदार तेजपाल सिंह, एपी एस मढारू, रमिन्दर सिंह सोनू रेखी, रंजीत सिंह, टीपी सिंह सोनू आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

महिला को पीटने पर चार पर रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रामबख्श खेड़ा निवासी रामसिंह की पत्नी राधारानी ने बताया कि गांव के शिवकुमार शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो शिवकुमार ने बेटे प्रमोद, विनोद और पत्नी ज्योतिमा के साथ मिलकर उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। महिला को चोटें आईं, जिसके बाद उसने पुलिस से शिकायत की। पीड़िता की तहरीर पर गंगाघाट पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ई-रिक्शा चालक का मिला शव

उन्नाव। किराए के मकान में रहकर ई-रिक्शा चलाने वाले युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया है। कानपुर नगर के चकेरी थानाक्षेत्र के शिव कटरा मोहल्ला निवाली सूरज श्रीवास्तव 10 साल से मां के साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर नहर शांतिनगर में किराए का कमरा लेकर रहता था। शनिवार को उसका शव लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर शांतिनगर नहर क्रासिंग के पास ट्रैक किनारे पड़ा मिला। रही कि सूरज किसी बात से नाराज होकर घर से निकला था। सदर कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाएं

उन्नाव। जिला पर्यावरण समिति की बैठक राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली के सदस्य व न्यायाधीश डा. अफरोज अहमद की अध्यक्षता व जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति में हुई। जिसमें बताया गया कि जिले का 6.02 प्रतिशत एरिया वर्ष-2023 के अनुसार वनाच्छादित है। उन्होंने कहा कि जो सीवेज सीधे नदियों में गिर रहे हैं उनका सीवेज ट्रीटमेंट अवश्य कराया जाए। ताकि हमारी नदियों का जल प्रदूषित होने से बचा रहे।

पति से झगड़े के बाद गंगा में लगाई छलांग

शुक्लागंज। शुक्रवार रात अहिरवां निवासी मालती देवी का पति सुरेश से झगड़ा हुआ। जिस पर वह रात करीब दस से ग्यारह बजे के बीच घर से निकलकर जाजमऊ गंगा पुल पहुंची और कुछ देर पुल पर टहलने के बाद गंगा नदी में कूद गई। घटना के बाद एक शराबी युवक ने इस बात की जानकारी जाजमऊ चौकी पुलिस को दी लेकिन युवक के नशे में होने के कारण पुलिस ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं मालती तैराना जानती थी कुछ दूर तक तैरने के बाद अचानक उसे पानी में एक मगरमच्छ जैसे जलीय जीव के दिखने का आभास हुआ। भयभीत महिला किसी तरह किनारे पहुंची और बाबा की बगिया क्षेत्र में एक अमरूद के पेड़ पर चढ़ गई। तड़के करीब 4 से 5 बजे के बीच शौच के लिए निकले किसानों ने उसे देखा।। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने उसे सकुशल नीचे उतारा और थाने ले गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर महिला को उनके सुपुर्द कर दिया।

गणेश विसर्जन जुलूस के चलते लगा जाम

शुक्लागंज। शनिवार को गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। गगनी खेड़ा झील में प्रतिमाएं विसर्जित करने के लिए हजारों की संख्या में लोग बैराज मार्ग से निकले। वाहनों और शोभा यात्राओं की भीड़ बढ़ने से बैराज मार्ग, मरहला चौराहा, सहजनी क्रासिंग और सरैयां क्रासिंग पर सुबह से ही जाम की स्थिति बन गई। क्रासिंगों पर एक के बाद एक ट्रेनें गुजरने से अप और डाउन दोनों लाइनों पर बैरियर बंद रहे, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं के हुजूम में युवक-युवतियां डीजे की धुनों पर थिरकते हुए आगे बढ़ते रहे।

3370 ने छोड़ी प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा

पीईटी : 13584 परीक्षार्थियों में से 10214 ने दी परीक्षा, शहर के 16 केंद्रों पर कराया गया आयोजन

संवाददाता, उन्नाव

केंद्र से निकलते परीक्षार्थी। अमृत विचार

अटल बिहारी इंटर कालेज में परीक्षा से संबंधित जानकारी लेते डीएम गौरांग राठी।

अमृत विचार। उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से आयोजित प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा (पीईटी) पहले दिन 16 केन्द्रों पर शांतिपूर्व संपन्न हुई। निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक की परीक्षा के लिए केंदों पर परीक्षार्थी एक घंटे पहले वहीं कुछ परीक्षार्थी परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले पहुंचे। हालांकि केंद्र में प्रवेश के समय सभी परीक्षार्थियों को एक साथ अंदर जाने की अनुमति दी गई। दूसरी पाली में भी यही आलम बना रहा।

नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए केंद्र के मुख्य द्वार पर ही प्रबंधक व परीक्षकों से अभ्यर्थियों की जांच की गई। डीएम व एसपी के साथ परीक्षा सकुशल व शुचिता पूर्ण सम्पन्न कराने के लिए एडीएम वित्त व राजस्व सुशील कुमार गोंड, एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, सीओ सिटी दीपक यादव व डीआईओएस सुनील दत्त आदि की निगरानी बनी है। शनिवार को शहर के 16 केंद्रों पर पीईटी की कराई गई। पहली पाली में 13584 परीक्षार्थियों में 5097 हाजिर व 1695 की गैर हाजिर रहे। जबकि दूसरी पाली में 13584 में 5117 उपस्थिति व 1675 की अनुपस्थित रहे। शहर के एवीएम, अटल बिहारी, डीएसएन ब्लॉक-ए व बी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, माउंट लिट्रा जी स्कूल, न्यू एरा इंटरनेशनल मैनीखेड़ा, न्यू एरा स्कूल एबी नगर, पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर इंटर कॉलेज मोती नगर, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज चमरौली, पैट्रियाट शिक्षा संस्थान लललऊखेड़ा डीह, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल हुसैन नगर पड़री रोड, जगन्नाथ शाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल मोहारी बाग सिविल लाइन, सर सैय्यद पब्लिक स्कूल, सेंट ज्यूड्स कॉलेज पीताम्बर नगर, सेंट लारेंस स्कूल पीडी नगर में परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई।

शनिवार की परीक्षा सकुशल कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद रहे। केंद्रों पर कैमरा, पुलिस, केंद्र व्यवस्थापक, केंद्र प्रधानाचार्य, कक्ष निरीक्षक स्टेटिक, सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट की चाक चौबंद निगरानी के बीच परीक्षा शुरू हुई। मुख्य द्वार पर जांच के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। चौकसी के लिए पुलिस व प्रशासन ने पुख्ता बंदोबस्त किए थे। निर्धारित केंद्रों पर पहली पाली में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक के लिए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थी एक घंटे पहले ही पहुंच गए। वहीं कुछ परीक्षार्थी परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले केंद्र पहुंचे। हालांकि केंद्र में प्रवेश के समय सभी परीक्षार्थियों को एक साथ अंदर जाने की अनुमति दी गई। दूसरी पाली में भी यही आलम रहा। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए केंद्र के मुख्य द्वार पर ही प्रबंधक व परीक्षकों ने अभ्यर्थियों की जांच की।

डीजी हेल्थ ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

भर्ती बच्चे को देखते डीजी हेल्थ। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। महानिदेशक स्वास्थ्य व प्रशिक्षण उप्र शासन डॉ. पवन कुमार ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

शनिवार को जिला अस्पताल पहुंचे डीजी हेल्थ व प्रशिक्षण सबसे पहले वार्ड दो पहुंचे। यहां उन्होंने भर्ती मरीजों की संख्या की जानकारी लेने के साथ मरीजों की फाइल देख उनके इलाज के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने मरीजों से उनका हाल जानने के साथ तीमारदारों से दवा व सुविधाओं के बारे में जाना। ओटी का निरीक्षण करने पहुंचे तो उन्हें जानकारी हुई कि अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार मरीज का ऑपरेशन कर रहे है। इस पर उन्होंने मरीज के तीमारदार से निशुल्क इलाज के संबंध में बात की। इसके बाद वह महिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड पहुंचे। जहां 18 नवजात भर्ती थे। उन्होंने वहां बच्चों को भर्ती करने की व्यवस्था देखी। महिला अस्पताल के मीडिया प्रभारी डॉ. तौसीफ से और बेहतर व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

शिक्षक दिवस पर हुआ सम्मान, मेले में गोपीनाथपुरम का दबदबा

एसवीएम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

महर्षि स्कूल में शिक्षक दिवस पर केक काटते संस्थापक और शिक्षक। अमृत विचार

राज्य पुरस्कार प्राप्त सेविना दीक्षित को सम्मानित करते प्रबंधक नवीन भारतीय।

उन्नाव, अमृत विचार। गोपीनाथ पुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस उत्साह के साथ मना। वरिष्ठ आचार्य शिव सिंह व अन्य शिक्षकों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। प्रबंधक राकेश कुमार व कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने सभी आचार्यों को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने शिक्षक के महत्व बताए। 23वें संकुल स्तरीय गणित-विज्ञान मेले में विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लगभग 300 प्रतिभागियों में से गोपीनाथपुरम इंटर कॉलेज के 91 छात्रों ने भाग लिया। जिसमें 65 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन कॉलेज में आयोजन

शुक्लागंज, अमृत विचार। कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय के संस्थापक पुरुषोत्तम शुक्ला ने उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित करते हुए कर्तव्य पथ पर चलने की प्रेरणा दी। प्रबंधक प्रभात शुक्ला ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से शिक्षकों और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। प्रधानाचार्या सुषमा श्रीवास्तव ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

विवेकानंद सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के मोहल्ला मोती नगर स्थित विवेकानंद सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस मनाया गया। प्रबंधक नवीन भारतीय ने नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा व राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाली शिक्षिका सेविना दीक्षित व प्रधानाचार्य रतना पांडे ने मां सरस्वती व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया।

फैक्ट्री चौकीदार की सड़क हादसे में मौत

उन्नाव। मोहल्ला तालिब सरांय निवासी समसुद्दीन (57) दही औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक चर्म फैक्ट्री में चौकीदार था। बहू गुड़िया बानो ने बताया कि वह बीते 3 साल से दूसरी शिफ्ट में ड्यूटी करते थे और रात 12 बजे तक घर लौटते थे। शनिवार देररात तक उनके न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। वहीं शनिवार सुबह सदर कोतवाली अंतर्गत लखनऊ-कानपुर हाईवे पर एक मोटल के पास अधेड़ का शव पड़ा होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो इसमें उसकी सड़क हादसे में मौत होने की बात सामने आई। लेकिन पहचान न होने से पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया। उधर काफी तलाश के बाद भी पिता का पता न चलने पर बेटा निजाम कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचा। इस पर पुलिस ने उसे मोर्चरी भेजा। जहां बेटे ने शव की शिनाख्त अपने पिता समसुद्दीन के रूप में की। पिता की मौत पर बेटे निजाम व मुन्ना बेहाल हैं।

खतरे से 12 सेमी दूर गंगा तटीय इलाकों में घुसा पानी

फतेखेड़ा गांव में नाव में बैठकर जाते बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और अब यह खतरे के निशान से महज 12 सेमी नीचे पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में करीब छह सेमी की वृद्धि दर्ज की गई है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार शाम 6 बजे जलस्तर 112.820 मीटर दर्ज किया गया था, जो शनिवार सुबह बढ़कर 112.850 मीटर और शाम तक 112.880 सेमी पर मापा गया। खतरे का निशान 113 मीटर से 12 सेंटीमीटर दूरी पर है। पश्चिमी बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने और कानपुर बैराज से प्रतिदिन हजारों क्यूसेक पानी गंगा में आने के चलते जलस्तर में लगातार इजाफा हो रहा है। जलस्तर बढ़ने से गोताखोर, सैय्यद कंपाउंड, शाही नगर, मोहम्मद नगर, ईदगाह कॉलोनी, कर्बला समेत कई मोहल्लों में गंगा का पानी गलियों में भर गया है। नेतुआ-चंपापुरवा मार्ग और हरिहरपुर मार्ग पर भी बाढ़ का पानी आ जाने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई जगहों पर लोग घरों से बाहर निकलने के लिए नाव का सहारा ले रहे हैं। स्कूली बच्चे और छोटे बच्चे भी जान जोखिम में डालकर नाव से आना-जाना कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 27 नावें लगाई गई हैं।

पालिका ने घाटों पर कराई सफाई

शुक्लागंज, अमृत विचार। पितृपक्ष और पूर्णमासी देखते हुए पालिका ने शनिवार को नगर के सभी घाटों की साफ सफाई कराई। पालिका ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए घाटों के किनारे बैरीकेडिंग लगवाई है। जिससे कोई भी श्रद्धालु गहरे पानी में न जा सके। वहीं गोताखोरों की भी तैनाती की गई है।

गत वर्षों की भांति इस बार भी रविवार को पूर्णमासी स्नान करने के लिये नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से तमाम श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान करने के लिये आयेंगे। स्नान और पितृपक्ष के एक दिन पहले पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त सफाई कर्मियों को लगाकर गंगा विशुन घाट, शिव घाट, मोनू घाट, बालूघाट, आनंद घाट, आदि घाटों की साफ सफाई कराई गई। इसके साथ ही स्नानार्थियों के लिए सभी घाटों पर चेंजिंग रुम, पानी का टैंकर, मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था की गई है। पूर्णमासी और पितृपक्ष पर लखनऊ, कानपुर, हरौनी, नबावगंज, रायबरेली, बालामऊ, जैतीपुर, हरदोई, उन्नाव के आस पास क्षेत्रों से श्रद्धालु गंगा स्नान करने आते हैं। वहीं नगर व ग्रामीण क्षेत्र से लोग पितरों को आज से पानी देंगे।

आस्था

गणेश विसर्जन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, उड़ा अबीर-गुलाल

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ दी विदाई

गगनी खेड़ा झील में प्रतिमा विसर्जन करने को जाते श्रद्धालु। अमृत विचार

भगवान गजानन की प्रतिमा को विसर्जित करने ले जाते भक्त। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। शनिवार को गगनीखेड़ा झील पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ गणेश महोत्सव संपन्न हो गया। शुक्रवार शाम नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से भव्य शोभा यात्राएं निकाली गईं, जिनमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डीजे की धुनों पर युवा थिरकते रहे और भक्तों ने अबीर गुलाल उड़ाकर बप्पा को विदाई दी। नगर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित प्रतिमाओं के साथ दस दिन तक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। भातू फार्म के पास श्री गणेश नवयुवक समिति का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

शाहगंज के राजा को नम आखों से किया विदा

उन्नाव। मोहल्ला शाहगंज के 43वें गणेश महोत्सव का शनिवार को धूमधाम से समापन हुआ। प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आरती व प्रसाद वितरण के बाद गुलाल-अबीर उड़ाते हुए भक्त ढोल-नगाड़ों के साथ मूर्ति विसर्जन के लिए निकले। सैकड़ों भक्त गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ का उद्घोष करते हुए गगनी खेड़ा झील पहुंचे। जहां नम आंखों से बप्पा को विदाई दी गई। इस दौरान शशि यादव, विनोद, बाहु, वीर, सभासद नीलम यादव व उनके पति मनोज आदि भक्त शामिल रहे।

अमृत विचार

रविवार, 7 सितंबर 2025

जे न मित्र दुख होहिं दुखारी। तिन्हहि बिलोकत पातक भारी॥
निज दुख गिरि सम रज करि जाना। मित्रक दुख रज मेरु समाना॥

रामचरित मानस में भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता के संदर्भ में यह चौपाई बताती है कि मित्रता निभाने वाले की भगवान भी सहायता करते हैं। जो लोग दूसरों के दुख को देखकर दुखी नहीं होते और उनकी मदद नहीं करते, ऐसे लोगों को देखने से भी पाप लग जाता है। जो अपने दुख भूलकर दूसरों की सहायता करते हैं, ईश्वर स्वयं उसकी मदद करते हैं।

वृक्षों की सांस्कृतिक अवधारणा और सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सर्वोच्च न्यायालय ने पेड़ों की अवैध कटान पर तीखी टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा, "प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटान हुई है।" कोर्ट ने केंद्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब राज्यों से तीन हफ्तों में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा है, "पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई दिखाई पड़ती है।" कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, "वह इसकी जांच करें। इसके लिए जो कुछ भी जरूरी हो, किया जाना चाहिए।"

पेड़ कटानों का परिणाम देश के लिए घातक होता है। वृक्षों से वर्षा होती है। कटान से ऋतु चक्र गड़बड़ाता है। विश्व बैंक की 'दक्षिण एशियाई हॉटस्पॉट-तापमान के प्रभाव और जीवन स्तर का परिवर्तन' शीर्षक से रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन् 2050 तक भारत की जीडीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष-वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी ऋतु चक्र को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। इसी अव्यवस्था के चलते उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में भूस्खलन, बादल फटने की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। तूफान और बाढ़ आती है। भारत की अधिकांश नदियां जलहीन हो रही हैं। ऋतु परिवर्तन का चक्र गड़बड़ा गया है। इसका असर पशु-पक्षियों पर भी पड़ा है।

सन् 2000 में पेरिस में 'अर्थ कमीशन' ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे। ऐसी बैठकें लगातार होती रहीं। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। पर्यावरण इन लक्ष्यों में खासा महत्व रखता है। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर बढ़-चढ़कर काम किया है। पेट्रोल-डीजल का उपयोग घटाने के प्रयास हुए हैं। विद्युत चालित वाहन बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी ठोस परिणाम नहीं आए हैं। सभ्यता के विकास में शुरुआत में पेड़-पौधे ही हमारे संरक्षक और विधाता थे। हम

> पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों-वनस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है- "पृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।"

उनको प्रणाम करते थे। पानी देते थे। वैदिक काल से ही पेड़-पौधों को प्रेम करने वाली संस्कृति प्रवाहमान है। वैदिक काल के बाद का चरण हड़प्पा सभ्यता है। यह खूबसूरत नगरीय सभ्यता थी। आजादी के बाद में नगरों-महानगरों का अराजक विकास हुआ। नगर क्षेत्र विस्तार की नीति पेड़-पौधों को आत्मीय समझने वाली होनी चाहिए।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

हम भारत के लोग वनस्पतियों में देवता देखते रहे हैं। लोक मान्यता में प्रत्येक पेड़ का एक देवता होता है। विष्णु पीपल के देवता हैं। बरगद के देवता शिव व सोम के चंद्रमा हैं। अशोक के देवता इंद्र और आदित्य हैं। आंवला के देवता विष्णु हैं। महाभारत में कथा है। कृष्ण ने एक बार पृथ्वी की पूजा की। वे समाधिष्ट हो गए। पृथ्वी स्त्री वेश में कृष्ण के सामने पहुंचीं। कृष्ण ने पृथ्वी से अभिलाषा की, "मां आप कैसे प्रसन्न होती हैं?" पृथ्वी ने कहा, "सभी जीवों को प्यार करो। पेड़-पौधों को संरक्षण दो। प्रतिदिन भोजन का एक हिस्सा अलग रख लिया करो। जीव आएंगे और प्रसन्न होंगे।"

वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथ्वी पर पेड़-पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों जीव और वनस्पतियां पृथ्वी में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथॉलजी में खूबसूरत टिप्पणी की है। ऋग्वेद के अनुसार वह वन वृक्षों का आधार हैं। वही वर्षा कराती हैं। अथर्ववेद में पृथ्वी सूक्त है। इस सूक्त में कहा गया है, "यह वनस्पतियों का आधार है। पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध वनस्पतियों में है।" पृथ्वी संसार की धारक है।

पूर्वजों का ध्यान वनस्पतियों पर था। ऋग्वेद में वनस्पतियों को देवता कहा गया है। अथर्ववेद के एक सूक्त (1.34) में ऋषियों के वनस्पति प्रेम की झांकी है। अथर्वा के सामने एक लता है। लता से कहते हैं, "आप मधुरता के साथ पैदा हुई हैं।" फिर कहते हैं, "हे लता आप मधुर हैं। हमें भी मधुर बनाएं।" समूचे वैदिक वांग्मय में वनस्पतियां छाई हुई हैं। ऋषियों ने सोम को देवता बताया है। सोम को वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है। (ऋग्वेद 9.114.2) सोम एक वनस्पति थी। इससे रस निकाला जाता था। ऋग्वेद के अनुसार सोम देवताओं को प्रिय थी। उनकी मान्यता थी कि सोम का रस पीने से अमृत्व मिल जाता है। वनस्पतियां कई तरह की हैं।

पेड़ों की कटान की तरफ सर्वोच्च न्यायालय ने देश का ध्यानाकर्षण किया है। यह बहुत उचित है। यह भारतीय जन-गण-मन का ध्यान खींचने वाला है। विकास की अंधी दौड़ में हमारी अस्मिता समाप्तप्राय हो रही है। प्राचीन संस्कृति के अनेक अवशेष आज भी हम सब का ध्यान परंपरा की ओर आकर्षित करते हैं। कोई व्यक्ति अपने फार्म हाउस में एक छोटा सा बगीचा बनाता है। उसका नाम पंचवटी रखता है। पंचवटी श्रीराम का विश्राम स्थल थी। वाल्मीकि ने रामायण में बताया है, "श्रीराम अयोध्या से पैदल चलकर प्रयागराज पहुंचे थे। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर ऋषि भारद्वाज का आश्रम था। उन्होंने श्रीराम को आते देखा। वंदना की। उस समय आश्रम के सारे पेड़ पौधे नाच रहे थे।"

अथर्ववेद के ऋषि ने देवताओं से अपने लिए घर मांगा। लगे हाथ संभावित घर का नक्शा भी बना दिया। ऋषि कहते हैं कि हमें ऐसा घर दो, जिसमें गाएं अपने बछड़े के साथ घूम भी सकें और वनस्पतियों-औषधियों के पौधे भी घर की शोभा बढ़ाएं।

बीते 30-35 वर्ष में वृक्षारोपण का काम सरकारों द्वारा किया गया है। पेड़ लगाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल प्रशंसनीय रही है। मोदी सरकार ने 'मिशन लाइफ', स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे परियोजना और राष्ट्रीय वन महोत्सव जैसी योजनाओं से पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है। पर्यावरणीय नीति 'कैमपा' के माध्यम से राज्यों को हजारों करोड़ रुपये पेड़ लगाने के लिए दिए गए। योगी आदित्यनाथ ने 2017 से रिकॉर्ड वृक्षारोपण महाअभियान चलाया। 2022 में एक ही दिन में लगभग 35 करोड़ पौधे लगाए गए। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 200 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। गंगा हरितिमा अभियान के अंतर्गत गंगा किनारे पेड़ लगाने का कार्यक्रम चलाया गया।

अग्नि पुराण में श्रीभगवान कहते हैं, "अब मैं वृक्ष प्रतिष्ठा का वर्णन करता हूं, जो भोग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। वृक्षों को सर्वो औषधि जल से लिप्त, सुगंधित चूर्ण से विभूषित तथा माला से अलंकृत करें। प्रत्येक वृक्ष का अधिवासन करें। वृक्ष के अधिवासन के समय ऋग्वेद, यजुर्वेद या सामवेद के मंत्रों से हवन करें।" वृक्ष तथा उद्यान की प्रतिष्ठा से परम सिद्धि की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों-वस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है- "पृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।"

आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ हैं लघु और कुटीर उद्योग

देश की प्रगति की ताकत ऊंची इमारतों वाले कॉरपोरेट टावरों के साथ-साथ उन कार्यशालाओं और कारखानों में भी बसती है, जहां श्रम, जिजीविषा और नवाचार मिलकर भारत का भविष्य गढ़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि यह क्षेत्र खासा व्यापक और निर्णायक हो चुका है। वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई का योगदान 30.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारत के कुल निर्यात में इनकी हिस्सेदारी 45.7 प्रतिशत है। उद्यम पोर्टल और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर मिलाकर 6.5 करोड़ इकाइयां पंजीकृत हैं। इन इकाइयों ने लगभग 28 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। यह आंकड़े केवल अर्थशास्त्र की तालिकाएं नहीं, बल्कि इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि भारत का विकास केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की चमक पर नहीं, बल्कि करोड़ों छोटे उद्यमों की जीवटता और परिश्रम पर भी मजबूती से टिका है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा

निर्यात में इनकी उपलब्धियां किसी भी मानक से कम नहीं हैं। वर्ष 2020-21 मंक जहां 3.95 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 12.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। 2023-24 में कुल निर्यात में हिस्सेदारी 45.73 प्रतिशत रही और मई 2024 में यह 45.79 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह निरंतर वृद्धि न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन को सुदृढ़ करती है, बल्कि वैश्विक व्यापार में भारतीय लघु उद्योगों की विश्वसनीयता को भी स्थापित करती है।

> उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर 6.5 करोड़ इकाइयां पंजीकृत हैं। इन छोटी इकाइयों ने लगभग 28 करोड़ को रोजगार दिया है। यह आंकड़े इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि भारत का विकास केवल बड़े कॉरपोरेट की चमक पर नहीं, बल्कि करोड़ों छोटे उद्यमों की जीवटता और परिश्रम पर भी मजबूती से टिका है।

एमएसएमई की ताकत यह है कि वे केवल उत्पादन और निर्यात तक सीमित नहीं हैं। ये समाज के हर हिस्से से जुड़े हैं। गांव, कस्बे, शहर और महानगर सबकी अर्थव्यवस्था में समान रूप से योगदान करते हैं। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में वे स्थानीय संसाधनों और परंपरागत कारीगरी को नया जीवन देते हैं, तो शहरी क्षेत्रों में डिजिटलीकरण और स्टार्टअप संस्कृति को गति प्रदान करते हैं। महिलाएं और युवा इसमें उद्यमिता के नए अवसर तलाशते हैं, जबकि परंपरागत कारीगर अपनी दक्षताओं को वैश्विक बाजार तक ले जाते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कई परंपरागत व्यवसायों को दिया गया संरक्षण इस बात का प्रमाण है कि यह क्षेत्र केवल आर्थिक विकास का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और सांस्कृतिक धरोहर का भी संरक्षक है।

स्पष्ट है कि भारत का भविष्य केवल बड़े उद्योगों के विस्तार पर नहीं टिका है। आज एमएसएमई डिजिटल रूपांतरण को अपनाकर और वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलकर भारत को सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में निर्णायक योगदान दे रहे हैं। भारत की ताकत उन असंख्य छोटे उद्यमों की जीवटता में निहित है, जो हर दिन अपने साहस और कौशल से नई संभावनाएं गढ़ रहे हैं। यही उद्योग आत्मनिर्भर भारत की असली रीढ़ हैं और यही भविष्य के भारत का आत्मविश्वास।

देह नश्वर है और मृत्यु अटल सत्य

सांसारिक पंचतत्व से निर्मित स्थूल देह तो नश्वर है और मृत्यु एक अटल सत्य है, किंतु सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा का अस्तित्व किन्हीं आयामों में बना रहता है। वे अदृश्य रहकर स्वजनों के संपर्क में रहती है और बहुधा स्पष्ट संपर्क तथा मार्गदर्शन करती है। दरअसल, मृत्यु के समय आत्मा अकेले शरीर से बाहर नहीं जाती। उसके साथ सूक्ष्म शरीर भी रहता है, जिसमें 27 अवयव होते हैं। ये हैं: पंच महाभूतों यानी पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश, वायु के अपंचीकृत रूप, दसो इंद्रियां, अंतःकरण चतुष्टय यानी मन, बुद्धि चित्त और अहंकार, पंच प्राण अर्थात् प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान तथा अविद्या काम और कर्म। इसी सूक्ष्म शरीर के अंदर शरीर रहता है, जो त्रिगुणात्मक है। यानी सत, रज और तम गुणों से युक्त। इसमें ही आत्मा अकर्ता होकर विद्यमान रहती है। यही आत्मा सहित सूक्ष्म शरीर प्रेत है, जिसे 'लिंग शरीर' भी कहते हैं। यहां हम 'मिथ' की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

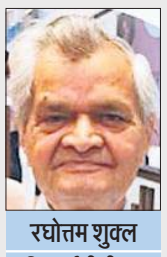

रघोत्तम शुक्ल
रिटायर्ड पीसीएस

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका मार्ग दर्शन करके हित साधन करती थी। लेखक और इतिहासकार प्लूटार्क ने उन पर लिखी पुस्तक 'जेनियोसोक्रेटिस' में ऐसी एक घटना का उल्लेख भी किया है। वह लिखते हैं, सुकरात कुछ सहयोगियों के साथ कहीं जा रहे थे। अचानक एक जगह रुककर बोले, 'अब आगे नहीं जाएंगे। मेरा डेमन रोक रहा है। साथियों ने इसे उनके मन का भ्रम बताया और उन्हें आगे चलते रहने पर मजबूर किया। आगे एक सकरे रास्ते में कुछ जंगली सुवर मिल गए और इस ग्रुप के कई लोग बुरी तरह घायल हो गए।

फ्रांस के हेनरी चतुर्थ को ऐसी ही एक आत्मा मदद करती रहती थी। उसने उन्हें सूचना दी कि आपकी हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा है। हेनरी ने अपने दरबारियों से इसका जिक्र भी किया, लेकिन लोगों ने इसे वहम कहकर नजरंदाज कर दिया। आखिरकार उनकी निर्ममतापूर्वक हत्या हो गई। कोलकाता के वकील बंकिमचंद्र चटर्जी की आत्मा जब उनकी पत्नी मग्नमयी देवी, जो योगिनी थीं, द्वारा बुलाकर वार्ता की गई, तो उसने अन्य बातों के साथ यह भी कहा कि 'अमुक दिन छोटा बेटा सुरेश जब कहीं से घर आ रहा था, तो मुझे याद करके बहुत दुखी था। मैं उसके साथ-साथ सिर पर हाथ रखे घर तक आया।

सोलहवें अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपनी हत्या की पूर्वरात्रि में स्वप्न में वह दृश्य देख लिया था, जो अगले दिन घटित हुआ। रोमन शासक जूलियस सीजर की हत्या के मुख्य कारक ब्रूटस और कैसियस थे। सीजर के समर्थकों एंटोनी और आक्टेवियस ने फिलपी के मैदान में उनसे बदला लेने के लिए युद्ध किया। युद्ध की पूर्व रात्रि जब ब्रूटस अपने शिविर में अर्द्ध निद्रावस्था में था, तो वहां सीजर की आत्मा छाया के रूप में आई। ब्रूटस ने पूछा, "कौन हो?" उत्तर मिला कि "कल फिलपी के मैदान में मिलूंगा"। उस युद्ध में ब्रूटस और कैसियस दोनों हारे और बाद में आत्महत्या कर ली।

ये कौन सी रहस्यमयी अदृश्य शक्तियों का संसार हमारे इर्द गिर्द है! पूरा पर्दा शायद कभी न उठ पाए!

भूस्खलन की नियति बनता उत्तराखंड

देवभूमि उत्तराखंड के पहाड़ अपने प्राकृतिक सौंदर्य से देश-दुनिया को आकर्षित करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश पहाड़ अब खोखले हो रहे हैं। यानी अपनी जड़ें खो रहे हैं और हर मानसून में इस अनुपम सौंदर्य के लिए 'वाटर बम' बन रहे हैं। अतिवृष्टि, बादल फटने, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं इन हरी-भरी वादियों को सदियों का दुख दे जाते हैं। हर आपदा में राज्य और केंद्र सरकार प्रभावितों की हरसंभव मदद करती है, लेकिन हमें भविष्य के खतरनाक संकेतों को समझना और संभलना होगा।

हिमाचल, जम्मू कश्मीर जैसे राज्य भी अतिवृष्टि से अछूते नहीं हैं, मगर उत्तराखंड इनमें सर्वाधिक संवेदनशील बनकर उभरा है। हिमाचल के साथ बादल फटने की विनाशकारी घटनाओं का केंद्र बन चुका यह राज्य, जान-माल के भारी नुकसान के साथ भीषण तबाही झेल चुका है। कुमाऊं और गढ़वाल मंडल ने बादल फटने से आई तबाही के असहनीय दर्द झेले हैं। मानसून का आखिरी सत्र सितंबर शुरू हो चुका है, जिसे कमतर नहीं आंका जा सकता।

अमित शर्मा
हल्द्वानी

राज्य में बादल फटने की प्रमुख घटनाओं का जिक्र करें तो 17 अगस्त 1998 को कुमाऊं की काली घाटी में भीषण तबाही हुई थी। 16 व 17 जून 2013 की केदारनाथ आपदा का नाम सुनकर तो कलेजा कांप जाता है। वर्ष 2004 से इस साल तक बादल फटने की 22 से ज्यादा छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि भविष्य में इसका दायरा शीतकाल के पश्चिमी विक्षोभ के वर्षाकाल में घटने से इंकार नहीं किया जा सकता। मानसून के विदाई कालखंड को इसलिए संवेदनशील माना जा रहा है कि यह माह तापमान के लिहाज से असंतुलित रहता है। मानसून का अधिकांश पानी बरस चुका होता है, लेकिन धरातल में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी और ऊपरी वायुमंडल में तापमान में कमी बादल फटने में मददगार हो सकते हैं।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि पूर्वानुमान के लिए तकनीक विकसित करनी होगी। इसके लिए हिमालय क्षेत्र में हिमालय की डिजिटल मैपिंग, ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन का विस्तार, रोजाना बैलून विधि, सीलोमीटर, क्लियर रडार (विंड प्रोफाइलर), क्लाउड रडार, डॉपलर रडार और बादलों को हटाने वाली क्लियर टेक्नोलॉजी इजाद करनी होगी, जिससे बादल फटना ही नहीं, बल्कि अन्य आपदाओं का भी पूर्वानुमान लगाना आसान हो जाएगा। विदेशों में ये तकनीक विकसित हो चुकी हैं।

> सितंबर 1880 में शहर में हुए भूस्खलन ने अंग्रेजों को प्रकृति के संरक्षण के लिए सोचने पर विवश कर दिया था। भूस्खलन के बाद शहर बचाने को कड़े नियम बनाए गए। नालों का जाल बिछाया गया था, ताकि बारिश का पानी अपनी नियत राह पकड़ बहता चला जाए।

कुमाऊं और गढ़वाल मंडल का वातावरण और भौगोलिक परिस्थितियां लगभग एक जैसी हैं। यह दोनों क्षेत्र हिमालय से सटे हैं। हिमालय की जलवायु के इन दोनों मंडलों को प्रभावित करने से इन दोनों ही क्षेत्रों में एकसमान आपदाएं आती हैं। कुमाऊं के पहाड़ शांत और शर्मीले हैं, तो गढ़वाल क्षेत्र में कुमाऊं की तुलना में अधिक ऊंचे और खड़े पहाड़ हैं, जो बादलों को रोकने में अधिक सहायक होते हैं और बादल फटने की घटनाओं को जन्म देते हैं।

नैनीताल भूस्खलन से सबक लेने का जीता जागता उदाहरण है। सितंबर 1880 में शहर में हुए भूस्खलन ने अंग्रेजों को प्रकृति के संरक्षण के लिए सोचने को विवश कर दिया था। उस भूस्खलन में 151 लोग दफन हो गए थे। हालांकि पहला दर्ज भूस्खलन 1866 में हुआ था। 1879 में भी आल्मा हिल में एक बड़ा भूस्खलन हुआ था, तब जाकर अंग्रेज प्रशासक प्रकृति के पालनहार बने थे। भूस्खलन के बाद शहर बचाने को कड़े नियम बनाए गए, जो अब फाइलों में दफन होकर रह गए हैं। नालों का जाल बिछाया गया था, ताकि बारिश का पानी अपनी नियत राह पकड़ बहता चला जाए। सड़कों के नीचे बनाए गए कलमठ तेज बारिश में सड़कों और पहाड़ों के सुरक्षा कवच का काम करते थे। वर्तमान में ये अधिकांश कलमठ अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं या दम तोड़ गए हैं।

इतिहासकार व पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत कहते हैं कि नैनीताल समेत पर्वतीय क्षेत्रों के पहाड़ों के दरकने की रफ्तार तेज हो चली है। दो दशक पहले तक हालात सामान्य थे, मगर बेतरतीब विकास ने यहां की आबो-हवा के साथ पर्यावरण का सुखचैन छीन लिया है। अभी भी समय है चेतने का, शासन, प्रशासन के साथ आमजन को भी पर्यावरण के प्रति सजग रहना होगा। तभी हम पहाड़ों को बचा पाएंगे।

जब बोया पेड़ बबूल का तो फिर आम कहां से होय!

चाहता हर कोई है कि वह धन-धान्य से परिपूर्ण रहे। समाज में खूब प्रतिष्ठा हो तथा घर भी सुकून भरा हो, लेकिन चाहने मात्र से कोई काम तो हो नहीं सकता। हम कुछ करें भी नहीं। पूरे-पूरे दिन मौज में डूबे रहें, तो आसमान से पैसा टपकेगा नहीं कि सुबह सो के उठे और छत पर गए, बटोर लिए पैसे। ऐसे ही समाज में इज्जत के लिए आसपास पड़ोस के लोगों से कहें कि वे हमें साहब, हुजूर, मालिक कहें तथा देख के खड़े हो जाएं, जबकि काम तो ठीक इसके विपरीत करते रहे। हमेशा एक-दूसरे की चुगली की। सोचा था कि आसपास के लोग आपस में लड़ते रहेंगे तो सभी लोग हमें सलामी ठोकते रहेंगे। अब घर की बात की जाए तो पारिवारिक दायित्वों से हमेशा दूर रहकर घर में खुशहाली की कल्पना कहां तक सार्थक है?

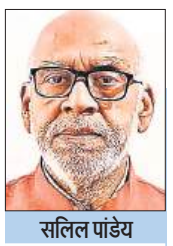

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

मतलब यही निकलता है कि हर मोर्चे पर हम नकारात्मक जीवन जीते रहे और परिणाम सार्थक तथा सकारात्मकता की चाहते रहे, जबकि कहावत है कि 'बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से होय?' आम खाने के लिए आम का ही बीज बोना पड़ेगा। इसके लिए सबसे पहली शुरुआत घर से नहीं, बल्कि बाहर से करनी पड़ेगी। जब हम घर के बाहर के लोगों को बेइज्जत करते रहेंगे, लोगों को परेशान करते रहेंगे तो वही रवैया घर में भी अपनाएंगे, क्योंकि बाहर के लोगों के साथ किया जाने वाला आचरण कुछ दिनों में आदत बन जाती है।

इंसान के सामने सबसे बड़ा संकट बाहर की गुलामी नहीं, बल्कि खुद की आदतों की गुलामी ज्यादा कष्ट देती है, जबकि इसके विपरीत हम यह सोचें कि हम प्रसन्नता चाहते हैं तो आसपास पड़ोस के लोग भी तो प्रसन्नता चाहते होंगे। ऐसा तो कोई मिलेगा नहीं जो कहे, हम दुःखी रहना चाहते हैं। सीधा फार्मूला है कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। आसपास पड़ोस के लोगों को एक-एक कर तंग किया है, मित्रों के साथ धोखेबाजी की है, सहकर्मियों के साथ द्वेष किया है तो एक दिन ऐसा आएगा कि सब आपस में मिलकर हमें सबक सिखा बैठेंगे। अब रही धन-धान्य की बात तो उसके लिए कर्म करना पड़ेगा। वह भी ईमानदारी पूर्ण कर्म हो। बेईमानी का कर्म हमेशा सफल नहीं होता है, इसलिए कहा गया है कि 'जैसी करनी वैसी भरनी।

नेपाल: वर्चस्व की रणनीति बनाने में जुटे मधेशी नेता

नेपाल के मधेश क्षेत्र में राजनीतिक वर्चस्व की बिसात बिछने लगी है। पिछले दिनों भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु में एक माओवादी नेता के यहां जुटे मधेश क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं में मधेश क्षेत्र में मधेशी दलों के वर्चस्व को लेकर चर्चा हुई। इस मौके पर नेपाल सीमा से सटे भारतीय क्षेत्र के तमाम वे नेता भी मौजूद रहे, जो नेपाल की राजनीति में थोड़ा बहुत दखल रखते हैं।

मधेश क्षेत्र भारत सीमा को स्पर्श करता है और इसमें नेपाल के 22 जिले स्थित हैं। यहां की करीब 90 लाख की आबादी भारतीय मूल की है और ये लोग स्वयं को भारत के निकट महसूस करते हैं। लोकतंत्र बहाली के बाद यहां की राजनीति में मधेशी और पहाड़ी वर्चस्व की जंग में मधेश की राजनीति कमजोर हुई है। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मधेश क्षेत्र के सांसदों की संख्या इतनी होती थी कि वे सरकार बनाने और गिराने की ताकत रखते थे। नेपाल में जितने बड़े राष्ट्रीय दल हैं, सब के सब पहाड़ी वर्चस्व वाले हैं, लेकिन मधेश के सांसदों की संख्या उन्हें सदैव डराती रही है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

ऐसे में पहाड़ी वर्चस्व वाली सरकारों ने एक चाल चली। संसदीय सीटों के नए सिरे से परिसीमन की। मधेश के करीब 80 संसदीय सीटें पूर्व में पूरब और पश्चिम के क्षेत्रफल में रही हैं, जो मधेश बाहुल्य हैं और चुनावों में यहां से मधेशी उम्मीदवार ही जीतता था, वह चाहे जिस दल का हो। नेपाल की राजनीति में मधेश के अस्तित्व को समाप्त करने के षणयंत्र के तहत यहां के संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन पूरब पश्चिम से बदल कर उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर कर दिया गया। उत्तर की ओर पहाड़ी जनसंख्या अधिक है और वे एक मत होकर पहाड़ी उम्मीदवारों को जिताते हैं। संसदीय सीटों के परिसीमन में बदलाव का नतीजा यह हुआ कि प्रतिनिधि सभा में मधेशी सांसदों की संख्या कम होती गई और नेपाल की राजनीति में वे अलग-थलग पड़ते गए। मौजूदा प्रतिनिधि सभा में मधेशी सांसदों की संख्या बेहद कम है और वे बिखरे हुए भी हैं।

मधेश के कट्टर माओवादी नेता रामलोटन तिवारी के यहां हुई विभिन्न दलों के मधेशी नेताओं के जुटान में मैदानी इलाके की राजनीति में पहाड़ी वर्चस्व को रोकने को लेकर गहन चर्चा हुई। इसके लिए किसी भी दल का कोई भी मधेशी नेता हो, वे अंदरूनी तौर पर एक ऐसा मंच स्थापित करने की दिशा में आगे आए, जिसके माध्यम से वे एक-दूसरे से संपर्क बनाए रखें। इतना ही नहीं इसके लिए नेपाल के तराई से सटे भारतीय क्षेत्रों के प्रभावशाली नेताओं जैसे पूर्व राज्यमंत्री नर्वदेश्वर शुक्ल, पूर्व मेयर रामनरेश उपाध्याय, भाजपा के वरिष्ठ नेता राधे रमण त्रिपाठी आदि की भी सहभागिता रही। इन भारतीय नेताओं का नेपाल में अपनी जाति विशेष में थोड़ी-बहुत पकड़ है और ये वहां की सीमावर्ती राजनीति में भी दखल रखते हैं। नेपाल की तराई के अधिकांश लोगों की नाते-रिश्तेदारी भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में है। भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी के संबंध की इबारत यहीं से लिखी गई। रिश्तों की डोर में बंधे भारत और नेपाल के लोग एक-दूसरे के संपर्क में बने रहते हैं।

पूर्व मंत्री ईश्वर दयाल मिश्रा का कहना है कि मधेशी नेता चाहे जिस दल से जीतेगा, कुछ तो उसके अंदर मधेश प्रेम रहेगा। रामलौटन तिवारी के यहां आयोजित कार्यक्रम में नेपाल के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सहस राम यादव, विधायक सुधाकर पांडेय, पूर्व मंत्री दान बहादुर चौधरी, पूर्व सांसद व पूर्व विधायक दृग नरायण पांडेय उर्फ पप्पू मेयर, अब्दुल कलाम सहित मधेश क्षेत्र के ढेर सारे पूर्व सांसद और पूर्व विधायक शामिल हुए। बैठक में जिस तरह विभिन्न दलों के मधेशी नेताओं की उपस्थिति रही, उससे यह लगा कि यदि मधेशी नेताओं की यह रणनीति कामयाब हो पाई तो निःसंदेह नेपाल में एक बार फिर मधेश राजनीति नई ताकत के साथ खड़ा होने में कामयाब होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

फिल्मों व पार्टियों में हीरोइनों के हॉटेस्ट ट्रेंड्स ब्यूटी व हाई फैशन ग्लैम का बिखेरते रहते जलवा

बॉलीवुड ने साड़ी को दिया ट्रेंडी स्टाइल

फैशन और लाइफस्टाइल में तमाम बदलावों के बीच परंपरागत भारतीय परिधान साड़ी का ग्लैमर कभी कम नहीं होता। सदियों से साड़ी का क्रेज अपनी जगह पर कायम है। यह महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने वाला ऐसा परिधान है, जो कभी आउट आफ फैशन नहीं होता है। बॉलीवुड और फैशन डिजाइनर मिलकर इन्हें लगातार फिर से आकर्षक, ताजा, हल्का और पहनने लायक बनाते रहते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि बॉलीवुड सिर्फ साड़ी नहीं पहनता, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में साड़ी के एहसास को नए-नए आकार देता रहता है। सालों से तमाम अभिनेत्रियों ने फिल्मों में साड़ी पहनकर देसी और हॉट ग्लैमरस लुक के नए ट्रेंड्स बनाए हैं, और साड़ी जैसा परंपरागत पहनावा भी सेक्सी हो सकता है, इसे अपनी फिल्मों से साबित किया है।

सुंदरता की परिभाषा, आकर्षण का जादू जैसी सिल्क साड़ियां

कहते हैं, सिल्क की साड़ियां कभी पुरानी नहीं होती हैं। इन साड़ियों का जादू भारतीय सुंदरता को परिभाषित करने की ताकत हमेशा बनाए रखता है। दीपिका पादुकोण और रेखा जैसी अभिनेत्रियां लगातार याद दिलाती रहती हैं कि कांजीवरम सिल्क से बढ़कर कुछ नहीं है। चाहे वह शुद्ध सोने की जरी हो या महीन मुलायम पेस्टल धागे, ये साड़ियां हमेशा महत्वपूर्ण रहती हैं। हल्की, मुलायम और पहनने में आसान। रेखा का सुनहरे और लाल कांजीवरम साड़ियों का अंतहीन संग्रह इन साड़ियों के पुराने आकर्षण को बरकरार रखता है। शादी समारोह के मौके पर दुल्हनें आज भी सिल्क के गुलाबी, लाल या पेस्टल कलर के मनमोहक लुक को ही चाहती हैं।

प्रस्तुति : मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जरी ग्लास साड़ी फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट

- वर्तमान में जरी ग्लास साड़ी सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट बन चुकी है। इसकी एस्थेटिक ब्यूटी और एलिगेंस इसे हर खास मौके के लिए परफेक्ट बनाते हैं। आज जरी ग्लास साड़ी के लुका का बॉलीवुड से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई दीवाना है। जान्हवी कपूर, सोनम कपूर जैसी अभिनेत्रियों से लेकर फैशन इन्फ्लुएंसर्स तक, सभी इस ग्लैमरस साड़ी को अलग-अलग अंदाज में कैरी कर रही हैं। कंगना रनौत चुपचाप बनारसी सिल्क साड़ियों को वापस लाती रहती हैं। उनके लिए इसमें कोई झंझट नहीं, बस एक सादा ब्लाउज, भारी साड़ी और सिंपल बाल खूबसूरत लुक बना देता है। जब भी वो इसे पहनती हैं, बनारसी साड़ियों की बिक्री बढ़ जाती है। नए बनारसी डिजाइन भी हल्के रंगों पर केंद्रित हैं। धूल भरे गुलाबी, फीका पुदीना रंग, पुराने सुनहरे रंग, भारी-भरकम ब्रोकेड की बजाय छोटी बूटियां। पहनने में आसान, कम वजन, लेकिन आकर्षण वही।

रेड कार्पेट और अवॉर्ड नाइट्स में स्टाइलिश अंदाज सीक्विन साड़ी

- सीक्विन साड़ियों को बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फैशन में लोकप्रिय बना दिया है। रेड कार्पेट या अवॉर्ड नाइट्स के लिए अभिनेत्रियां सीक्विन वर्क की साड़ी पसंद करती हैं। कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर ने सिल्वर, शैंपेन और यहां तक कि काले रंग की चमकदार सीक्विन साड़ियां पहनी हैं। नोरा फतेही ने कई बार सीक्विन मैटेलिक साड़ी को अपने बोल्ड और फेमिनिन स्टाइल के साथ पेयर करके एक अलग लुक दिखाया है। दरअसल, ये साड़ियां रात के लिए हैं। बोल्ड तस्वीरों, स्पॉटलाइट और तेज संगीत वाली महफिल के लिए। इन्हें पारिवारिक समारोहों में नहीं पहना जा सकता। लेकिन ये ट्रेंड में इसलिए रहती हैं क्योंकि बॉलीवुड इन्हें जिंदा रखता है।

रॉयल, ग्रेसफुल पर सौम्य लुक देती है ट्रांसपरेंट ऑर्गेंजा साड़ी

ऑर्गेंजा साड़ियों को लाइटवेट और ट्रांसपरेंट फ्रैबिक होने के नाते अक्सर कैरी करती नजर आती हैं। यह साड़ियां रॉयल और ग्रेसफुल लुक प्रदान करती हैं। आलिया भट्ट ने ऑर्गेंजा साड़ियों की श्रृंखला के सौम्य चलन को जन्म दिया है। पारदर्शी और मुलायम ऑर्गेंजा साड़ियां वजन में हल्की होती हैं, लेकिन आकार बनाए रखती है। इन साड़ियों को प्लीट करना आसान होता है और ये बिना चिपके मुलायम होकर गिरती हैं। बॉलीवुड को ऑर्गेंजा साड़ियों में सेज ग्रीन, बटर येलो, सॉफ्ट लिलाक कलर ज्यादा पसंद आ रहे हैं। युवा अभिनेत्रियां थ्रेड वर्क या बिखरे हुए फ्लोरल प्रिंट वाले प्लेन ऑर्गेन्जा पसंद कर रही हैं। ऐसी साड़ियां दिन के समारोह, मेहंदी जैसी आयोजनों के लिए पसंद की जा रही हैं। मिनिमल मेकअप और सिंपल हेयर स्टाइल के साथ यह साड़ी नेचुरल ग्लो देती है।

लाइट मेकअप के साथ रफल्ड साड़ियां बनातीं अट्रैक्टिव लुक

शिल्पा शेट्टी और कैटरीना कैफ ने रफल्ड साड़ियों को पिछले साल पार्टियों की शान बनाया था। इससे पहले मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने सफेद रफल्ड साड़ी पहनकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरी थीं। सोनम कपूर, लारा दत्ता और माधुरी दीक्षित तक इन साड़ियों के प्रति दीवानगी दिखा चुकी हैं। रफल्ड साड़ियों के बॉर्डर पर लहरिया स्टाइल का लेस होता है, साड़ी बांधने पर यह लेस घूमकर पल्लू तक आता है, और अच्छा लुक देता। ये साड़ियां कॉकटेल नाइट्स, संगीत और शादी से पहले के कार्यक्रमों के लिए हैं। पेस्टल या मेटैलिक रंगों में रफल्ड जॉर्जेट साड़ियां नई और ताजा दिखती हैं।

इस सप्ताह रिलीज होने वाली फिल्में

'एक चतुर नार' है डार्क कॉमेडी थ्रिलर

टी सिरीज की इस फिल्म में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश दमदार किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है, जो काफी महत्वाकांक्षी और चतुर है। एक बड़े आदमी का निजी वीडियो हाथ लगने के बाद वह आगे बढ़ने के लिए इस वीडियो के सीढ़ी की तरह स्तेमाल करती है। फिल्म को लेकर दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, नागिन और नेवले का वार देखने के लिए हो जाओ तैयार।

विदेशों में सराही गई 'जुगुनमा' अब पर्दे पर

इस फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहा जा चुका है। अब भारत में रिलीज की जा रही है। यह एक मैजिकल और रियलिस्टिक टाइप की पिल्म है, जिसमें मनोज बाजपेई प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 1980 दशक की है। इसमें जुगनू बने मनोज बाजपेयी रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। दीपक डोबरियाल, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू भी अहम किरदार में हैं।

'लव इन वियतनाम' एक रोमांटिक ड्रामा

यह फिल्म एक क्रॉस कल्चरल रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो भारत और वियतनाम की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। अवनीत कौर तथा शांतनु मिश्रा की इस फिल्म ने चीन में इतिहास रच दिया है, यह वहां 10 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रेवर व राज बब्बर भी नजर आएंगे।

हीर एक्सप्रेस : दिल छू लेने वाला फैमिली ड्रामा

इस फिल्म में पंजाब से यूके जाने वाली लड़की हीर के सपनों की कहानी है, जहां उसे तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हीर के रोल से बालीवुड में दिविता जुनेजा डेब्यू कर रही हैं। हीरो के रोल में प्रीत कमानी हैं। आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर व संजय मिश्रा फिल्म को फैमिली ड्रामा बनाते हैं।

अभिनेता सौरभ शुक्ला बोले-थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम

जॉली एलएलबी 3 हंसाने के साथ करेगी सिस्टम पर चोट

बातचीत

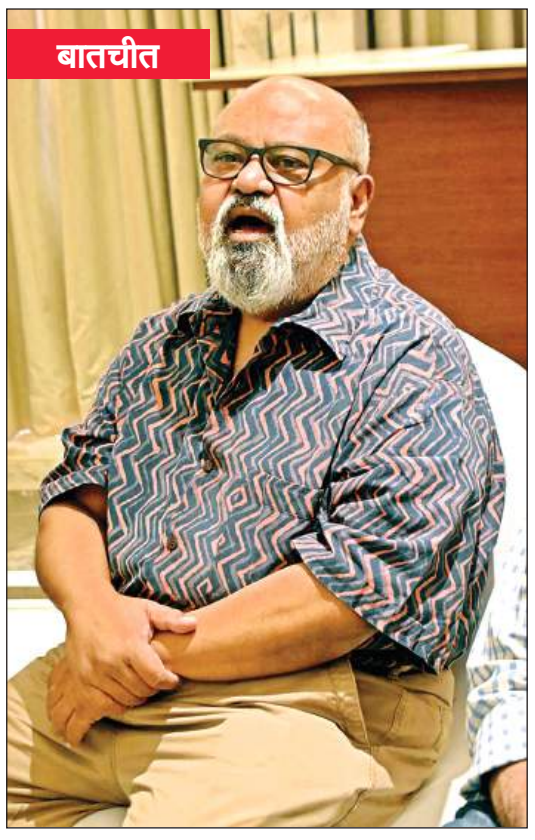

जॉली एलएलबी की दो फिल्मों की सफलता के बाद जॉली एलएलबी 3 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने बरेली आए अभिनेता सौरभ शुक्ला ने 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 पर चर्चा की। इस फिल्म में जज सुंदर लाल त्रिपाठी का दमदार किरदार निभाने वाले सौरभ ने बताया कि पिछली दो फिल्मों की तरह ये फिल्म भी लोगों को हंसाने के साथ सिस्टम पर चोट करेगी, क्योंकि फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर पेशे से पत्रकार रहे हैं, इसलिए मनोरंजन के साथ फिल्म दिखाने के अपने उद्देश्य से कभी नहीं भटकते हैं। बरेली के एक होटल में अमृत विचार से बातचीत में अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक के अभिनय, वर्तमान में थिएटर और अन्य माध्यमों के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने अपने नाटक 'बर्फ' के बारे में बताया कि इसका अभिनय वह 200 से अधिक बार कर चुके हैं, लेकिन पहली बार बरेलीवासी इससे रूबरू होंगे। यह एक थ्रिलर नाटक है, जिसमें रोमांच, रहस्य और पहेली का मिश्रण है। इस नाटक की स्क्रिप्ट एक सस्पेंस फिल्म के लिए लिखी गई थी, जो कश्मीर की बर्फीले वादियों में एक रहस्यमय गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की स्क्रिप्ट को नाटक में तब्दील करने का अर्थ था कि कश्मीर की वादियों के असल लुत्फ से दर्शकों को दूर ले जाना, लेकिन इस नाटक के विजुअल को थिएटर में भी जीवंत करने के लिए स्टेज डिजाइनर राहुल का हाथ है, जिन्होंने थिएटर में ही कश्मीर की बर्फ और सस्पेंस के माहौल को पैदा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। अभिनेता सौरभ ने बताया कि थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम हैं, इनसे किसी कलाकार के अभिनय पर फर्क नहीं पड़ता है। कंटेंट अच्छा है तो किसी भी माध्यम में लोगों को पसंद आता है।

सस्पेंस-थ्रिलर नाटक बर्फ से दर्शकों के दिलों में उतरेंगे

- अभिनेता सौरभ शुक्ला बरेली में अस्तिता फाउंडरेशन द्वारा ड्रॉपआउट्स और वेगमाइन सिटी मॉल की ओर से प्रभावे ऑडिटोरियम अर्बन हाट में आयोजित सात दिवसीय बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने आए हैं। यहां रविवार को वह सस्पेंस-थ्रिलर नाटक 'बर्फ' के जरिए दर्शकों के दिलों में उतरेंगे।

युवाओं को संदेश सीखने की ललक कम न होने दें

- सौरभ शुक्ला ने फिल्मी सितारों के स्टारडम पर कहा कि स्टारडम उसी का होता है, जिसे लोग पसंद करते हैं। यह कोई देने वाली वस्तु नहीं है, न ही कोई नई चीज है। हर दौर में ऐसे सितारे हुए हैं, जो अन्य से अधिक लोकप्रिय रहे। युवाओं को संदेश देते हुए बोले, हमेशा युवा बने रहें, अपनी सोच को सीमित और सीखने की ललक को कम न होने दें, यदि सीखना बंद कर देंगे तो बूढ़े होने लगेंगे।

आज भी रहती है थिएटर में परफार्मेंस की उत्सुकता

दिग्गज अभिनेता होने के साथ सौरभ शुक्ला मंझे हुए थिएटर कलाकार भी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बरेली के लोगों से मिलकर प्रसन्नता हुई। वह किसी सामान्य कलाकार की तरह आज भी अपने नाटक की परफार्मेंस के लिए मेहनत करते हैं और दर्शकों के बीच जाने के लिए उत्साहित रहते हैं। किसी कलाकार को केवल तब प्रसन्नता होती है, जब उसकी कला को सराहना मिलती है। लोग उसे नाम से नहीं उसके काम से जानते हैं।

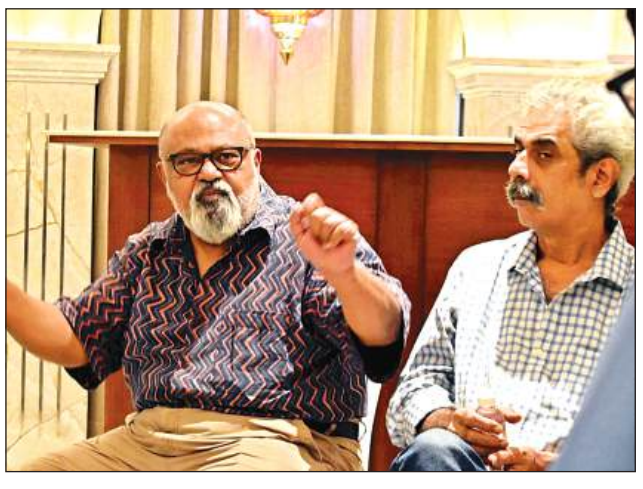

लेखिका: शब्या सिंह तोमर, बरेली

अरमानी माने फैशन की दुनिया में आसमानी क्रांति

फैशन इंडस्ट्री का किंग कहे जाने वाले जियोर्जियो अरमानी अपने पीछे सांस्कृतिक विरासत के साथ फैशन का इतिहास छोड़ गए हैं। 91 साल की उम्र में अरमानी का दो दिन पहले निधन हो गया। वह आधुनिक इतालवी शैली और शानो-शौकत के लिए जाने जाते थे। उन्होंने इटली को फैशन की दुनिया में नई ऊंचाई दी थी। अरमानी ने साहस दिखाते हुए लड़कियों को लड़कों और लड़कों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर साबित किया था कि फैशन की दुनिया में क्रिएटिविटी की कोई सीमा नहीं है। आधी सदी तक फैशन और स्टाइल की दुनिया पर राज करने वाले अरमानी को बेहतरीन डिजाइनर माना जाता था। उनके डिजाइन किए हुए कपड़े राजघरानों के सदस्य और मशहूर हस्तियां पहनने के लिए बेताब रहती थीं। अरमानी ने अपनी क्रिएटिविटी से एक नया ग्लोबल लाइफस्टाइल खड़ा किया। उन्होंने सिर्फ डिजाइनर आउटफिट्स ही नहीं परफ्यूम, होम डेकोर और दूसरी क्रिएटिव फील्ड में भी नाम कमाय। उनका मानना था कि लोग फैशनेबल नजर आने के चक्कर में खुद को कपड़ों से

लाद लेते हैं, जबकि ये गलत है। इसकी जगह लाइट परिधानों के साथ कंफर्ट का ध्यान रखकर भी स्टाइलिश नजर आया जा सकता है। अरमानी ने 1970 में ऐसा ट्रेंड सेट किया कि जिसका पूरी दुनिया के ड्रेसिंग स्टाइल पर असर पड़ा। उन्होंने हॉलीवुड के रेड कार्पेट पर भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई। जोड़ी फॉस्टर की 1992 की ऑस्कर लुक से लेकर जूलिया रॉबर्ट्स तक, कई बड़ी हस्तियों ने उनके द्वारा डिजाइन किए गए परिधान ही पहने। उनके सूट्स और गाउन्स ने रेड कार्पेट फैशन को पूरी तरह बदल दिया। अरमानी के बाद रेड कार्पेट पर लग्जरी ब्रांड्स का कम्पटीशन बढ़ गया। लेकिन अरमानी फैशन की दुनिया में ब्रांड के साथ रईसी और एलीगेंस की पहचान बना रहा।

फीचर डेस्क, कानपुर

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित

चेन्नई। इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीआरबीटी) के तहत यह पहल की है, जो इस डोमेन का विशेष रजिस्ट्रार है।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 7 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अडाणी भूटान में बनाएंगी जलविद्युत परियोजना

नई दिल्ली। अडाणी पावर ने शनिवार को कहा कि उसने भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर के साथ 570 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए 6,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। अडाणी पावर और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प लिमिटेड (डीजीपीसी) पौकिंग रन-ऑफ-रिवर वांगछू जलविद्युत परियोजना को बीओओटी (बनाओ, स्वामित्व रखो, चलाओ, सौंपो) मॉडल पर शुरू करेंगे। कंपनी ने कहा कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी की उपस्थिति में बिजली खरीद समझौते और रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। वांगछू परियोजना में बिजली संयंत्र और संबंधित बुनियादी ढांचे की स्थापना में लगभग 6,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही तैयार हो चुकी है, और निर्माण कार्य 2026 की पहली छमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। इसे शिलान्यास के पांच वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एस्ट्राजेनेक भारत में 176 करोड़ का निवेश करेगी

चेन्नई। वैश्विक जैव-फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने भारत में 176 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसके तहत कंपनी चेन्नई स्थित अपने वैश्विक नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्र का विस्तार करेगी तथा स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। एस्ट्राजेनेका ने यह प्रतिबद्धता राज्य सरकार के 'तमिलनाडु राइजिंग लंदन' अभियान के दौरान व्यक्त की। बेंगलुरू में एक अत्याधुनिक वैश्विक केंद्र की स्थापना के लिए जून में 166 करोड़ के निवेश की घोषणा के बाद यह एस्ट्राजेनेका द्वारा किया गया तीसरा निवेश है।

चीन से कम है भारत में चाय अनुसंधान निधि

कोलकाता। चीन के मुकाबले भारत में चाय की फसल को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान निधि बहुत कम है। चाय उद्योग के निकाय ने कहा कि भारत इस पर सालाना 30 करोड़ रुपये खर्च करता है, जबकि चीन का निवेश 110 करोड़ रुपये से अधिक है। चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) की चेयरपर्सन नयनतारा पालचौधरी ने कहा कि उनकी संस्था को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस संकट से निपटने के लिए उद्योग जगत से अधिक भागीदारी की अपील की।

जीएसटी में बदलाव से हर परिवार को होगा लाभ

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- खपत को मिलेगा बढ़ावा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव 'लोगों के लिए सुधार है' और इस कदम से देश के हर परिवार को लाभ होगा। साथ ही इस कदम से खपत को बढ़ावा मिलेगा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को गति मिलगी।

सीतारमण ने कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं और उनका रुख सकारात्मक है। वह स्वयं 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) इस बात पर विशेष नजर रखेंगी कि दरों में कटौती का लाभ लोगों को मिले। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी।

सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों समेत करीब 400 वस्तुओं पर दरें कम की गयी हैं। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। हर परिवार को इससे लाभ होगा। गरीब से गरीब लोग भी कुछ-न-कुछ खरीदते हैं, उन पर भी दरों में कटौती का सकारात्मक असर होगा।

सीतारमण ने कहा कि यह सुधार 2017 में एक राष्ट्र, एक कर व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सुधार है और इसे आम आदमी को ध्यान में रखकर किया गया है। रोजमर्रा की जरूरत की हर वस्तु पर लगने वाले कर की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज लोग 100 रुपये में जो चीजें खरीद रहे हैं, उतने ही पैसे में वे अब वस्तु का ज्यादा हिस्सा खरीद सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि इसलिए दरों में इस कमी से मासिक घरेलू राशन और चिकित्सा बिलों में कमी आएगी। साथ ही यह पुरानी कार की जगह नई कार लेने, रेफ्रिजरेटर या वॉशिंग मशीन जैसी पुरानी वस्तुओं की जगह नई चीजें खरीदने जैसी आकांछाओं को भी पूरा करने में मददगार होगी।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल दर में कटौती का मामला नहीं है बल्कि कंपनियों के लिए भी चीजें आसान होंगी। चाहे रिफंड का मामला हो या फिर अनुपालन का या पंजीकरण का, उनके लिए चीजें और सुगम होंगी।

सीतारमण ने कहा, एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने पर, 90 प्रतिशत रिफंड स्वतः ही निश्चित समय के भीतर क्लियर हो जाएंगे। साथ ही तीन दिनों के भीतर कंपनियां सफलतापूर्वक अपना पंजीकरण करा सकेंगी। इसलिए, इसका लोगों और कंपनियों पर, विशेष रूप से छोटे उद्यमों, किसानों पर चौतरफा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि वे जो उपकरण खरीदेंगे, वे जो कीटनाशक खरीदेंगे, वे सभी सस्ते होने जा रहे हैं। जीएसटी परिषद में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि लोगों को लाभ मिलना चाहिए हालांकि कुछ राज्य जरूर राजस्व को लेकर चिंतित थे। लेकिन इस बात को लेकर एक सहमति थी कि दरों में कटौती से फायदा होना चाहिए। जीएसटी दरों में कमी से वस्तुओं के दाम कम होंगे और खपत बढ़ेगी और इससे राजस्व बढ़ने के साथ अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

● बोलीं- दरों में कटौती का लाभ आमजन को देने के लिए उद्योगों से कर रहे बात

सीतारमण ने जीएसटी सुधारों को समर्थन देने के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर आभार जताया

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने में उनके समर्थन और सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया है। सीतारमण ने कहा कि राज्यों ने कर दरों में बदलाव के प्रस्ताव पर अपने विचार रखे, लेकिन अंततः इस बात पर सहमत हुए कि जीएसटी दरों में कटौती आम आदमी के हित में है। इसी तर्क के आधार पर इस सप्ताह की शुरुआत में जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी दरों में कटौती का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। जीएसटी परिषद की बैठक में तीन सितंबर को जीएसटी में व्यापक सुधारों पर सहमति बनी थी। जीएसटी परिषद की अध्यक्षता सीतारमण कर रही हैं और इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

कृषि उत्पादों पर दरों में कटौती की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी

फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) ने किसानों के लिए कृषि से जुड़े समानों पर से जीएसटी दरों में कटौती के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, संगठन ने सरकार से बीज क्षेत्र के लिए भी ऐसी ही राहत की मांग की है, ताकि बीज की उत्पादन लागत घटाई जा सके और किसानों को किफायती दरों पर बीज मिल सकें।

उद्योग संगठन ने कहा कि उर्वरक के कच्चे माल, जैविक कीटनाशकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और कृषि उपकरणों पर जीएसटी में कटौती का यह कदम कच्चे माल की लागत को काफी हद तक कम करेगा और आर्थिक गति पैदा करेगा। एफएसआईआई के चेयरमैन और सवाना सीड्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय राणा ने कहा कि यह भारतीय कृषि के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। सरकार ने सीधे किसानों को सशक्त किया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। हालांकि, एफएसआईआई ने कहा कि बीज क्षेत्र में भी इसी तरह के सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में, बीजों पर जीएसटी छूट होने के कारण, उद्योग को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ नहीं मिल पाता।

कटौती से 10 करोड़ किसानों को फायदा

नई दिल्ली। डेयरी उत्पादों, कृषि से जुड़े सामानों और खाद्य प्रसंस्करण की चीजों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से 10 करोड़ से ज्यादा डेयरी किसानों को सीधा फायदा होगा और सहकारिता क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। सहकारिता मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव से उर्वरक बनाने में लगने वाले उल्टे कर ढांचे की समस्या खत्म होगी और इससे किसानों के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने में मदद मिलेगी तथा बुआई के मौसम में उन्हें समय पर जरूरी चीजें मिल पाएंगी।

महिंद्रा ने जीएसटी दर कटौती के बाद वाहनों की कीमत 1.56 लाख रुपये तक घटाई

नई दिल्ली, एजेंसी

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने यात्री वाहनों की कीमत को तत्काल प्रभाव से 1.56 लाख रुपये तक घटा दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को कहा कि कीमत में कटौती तीन सितंबर, 2025 को आयोजित 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में संशोधित जीएसटी की घोषणा के बाद की गई है।

कंपनी ने कहा कि सभी लागू आईसीई वाहनों के लिए संशोधित कीमतें छह सितंबर 2025 से प्रभावी होंगी और ये बदलाव सभी डीलरशिप और डिजिटल मंच पर पारदर्शिता के साथ अपडेट किए जाएंगे। कंपनी ने बोलेरो/नियो रेंज की कीमत में 1.27 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सो (पेट्रोल) में 1.4 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सओ (डीज़ल) में 1.56 लाख रुपये, थार 2डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.35 लाख रुपये, थार 4डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.01 लाख रुपये और स्कॉर्पियो क्लासिक की कीमत में 1.01 लाख रुपये की कटौती की है। इसी तरह, स्कॉर्पियो-एन की कीमत में 1.45 लाख रुपये, थार रॉक्स में 1.33 लाख रुपये और एक्सयूवी700 में 1.43 लाख रुपये की कटौती की गई है। रेनो इंडिया ने भी कहा कि जीएसटी दर में हालिया कटौती का पूरा लाभ खरीदारों तक पहुंचाने के लिए वह अपने वाहनों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

वाहनों की कीमतों में 3.49 लाख की कटौती करेगी टोयोटा

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शनिवार को कहा कि वह जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने वाहनों की कीमतों में 3.49 लाख रुपये तक की कटौती कर रही है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के उपाध्यक्ष वरिंदर वाधवा ने कहा कि ग्लैंजा हैचबैक की कीमत 85,300, टैसर 1.11 लाख, रुमियन 48,700, हाइराइडर 65,400, क्रिस्टा 1.8 लाख, हाइक्रॉस की कीमत 1.15 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर की कीमत 3.49 लाख रुपये तक कम हो सकती है।

अमेरिका से कृषि आयात पर कोई समझौता नहीं होगा : चौहान

भोपाल, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय किसानों के हितों की कीमत पर अमेरिका के साथ कृषि उत्पादों के आयात को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50% करने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस वृद्धि में भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25% अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

अमेरिकी कृषि उपज पर आयात शुल्क में थोड़ी रियायत देकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि किसानों के हितों की कीमत पर कोई समझौता नहीं होगा। उनके हितों की रक्षा की जाएगी। विपक्ष के इस आरोप पर कि ट्रंप द्वारा शुल्क लगाने से ही जीएसटी संरचना में बदलाव किए गए हैं, उन्होंने कहा कि भारत में होने वाले हर अच्छे काम के पीछे वे ट्रंप को देखते हैं... प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को दिखाया है कि उनके लिए देश का हित सर्वोपरि है और इस पर कोई समझौता नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारे किसानों, मुर्गी पालकों, मछुआरों और गरीबों के हितों की रक्षा की जाएगी। भारत अपने फैसले खुद लेता है।

● केंद्रीय मंत्री बोले- किसानों के हितों की रक्षा की जाएगी

राष्ट्रीय

कांग्रेस के शासनकाल में कर का था भारी बोझ

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जीएसटी दरों में कटौती को लेकर कांग्रेस व विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से न केवल आम लोगों को फायदा होगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में उसके शासनकाल के दौरान कर का भारी बोझ था।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद का अहितकर और विलासिता की वस्तुओं की श्रेणी को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की श्रेणी में लाने तथा कई आवश्यक वस्तुओं पर कर को शून्य करने का निर्णय 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगा। भाजपा मुख्यालय में वैष्णव ने कहा कि 22 तारीख, नवरात्रि का पहला दिन, हम सभी के लिए, सभी मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए और इस देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए एक नयी खुशी लेकर आएगा। जीएसटी सुधार देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का काम करेंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि इस सुधार से देश के 140 करोड़ लोगों के जीवन में बड़ी राहत आई है। 2014 से पहले (कांग्रेस के शासन के दौरान) हर वस्तु पर लगने वाले विभिन्न प्रकार के करों के जाल के कारण आम लोगों पर भारी बोझ था।

वैष्णव ने कहा कि नवीनतम जीएसटी सुधार और पहले घोषित 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट देश में मध्यम वर्गीय परिवारों सहित आम लोगों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सरकार लगभग डेढ़ साल से जीएसटी सुधारों पर काम कर रही थी और प्रधानमंत्री लगातार इस पर नजर रख रहे थे और हर कदम पर 'मार्गदर्शन' दे रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिया गया यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से देश को एक नया आश्वासन दिया था। उन्होंने इस घोषणा के साथ उस संकल्प को वास्तविकता में बदल दिया है।

● बोले- आम लोगों को फायदा होने के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

जीएसटी सुधारों पर जागरूकता के लिए जनसंपर्क करेगी भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मोदी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में किए गए नवीनतम सुधारों के बारे में व्यापारियों सहित आम जनता को बताने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जनसंपर्क अभियान शुरू करने की योजना बनाई है। जीएसटी परिषद ने हानिकारक और विलासिता श्रेणी को छोड़कर सभी वस्तुओं के लिए कर की दर में बदलाव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत करदर को पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। जीएसटी परिषद द्वारा बुधवार को जटिल जीएसटी व्यवस्था में पूर्ण बदलाव को मंजूरी दिए जाने के बाद हेयर ऑयल से लेकर कॉर्न फ्लेक्स, टीवी और व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा पॉलिसियों तक आम उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी कर की दरों में कटौती की गई। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने शनिवार को कहा कि भाजपा ने जीएसटी सुधारों के संबंध में एक पूरी कार्ययोजना तैयार की है। हमने राज्यों और जिलों में अपनी इकाइयों से आम लोगों को जीएसटी सुधारों के बारे में जानकारी देने को कहा है। हमने हर जिले में (लोगों को जीएसटी सुधारों से अवगत कराने के लिए) चौपाल आयोजित करने की योजना बनाई है। हमने व्यापारियों को सरलीकृत जीएसटी के बारे में जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई है। बलूनी ने कहा कि भाजपा ने जीएसटी सुधारों पर देश भर में 'बहुत बड़े पैमाने पर' विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

दिल्ली में धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ रुपये का कलश चोरी

नई दिल्ली। लाल किला परिसर में आयोजित जैन धार्मिक अनुष्ठान से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का एक कलश चोरी हो गया। अधिकारी ने बताया कि 760 ग्राम सोने से निर्मित इस कलश में हीरे, माणिक और पन्ना सहित करीब 150 ग्राम बहुमूल्य रत्न जड़े हुए थे।

उन्होंने बताया कि यह कलश तीन सितंबर को अनुष्ठान के दौरान चोरी हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सिविल लाइंस निवासी और व्यवसायी शिकायतकर्ता सुधीर जैन प्रतिदिन इस कलश को धार्मिक अनुष्ठान के लिए लाते थे। स्वागत के दौरान भीड़भाड़ और अफरा-तफरी में यह कलश मंच से गायब हो गया। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां कैद हुई हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। यह अनुष्ठान लाल किला परिसर स्थित 15 अगस्त पार्क में नौ सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

सांसद रशीद को उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी की अदालत ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद को नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने की अनुमति दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत ने रशीद की वोट देने की अनुमति संबंधी याचिका स्वीकार कर ली।

अदालत ने इससे पहले रशीद को संसद के मानसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए 24 जुलाई से चार अगस्त तक हिरासत पैरोल दी थी। रशीद के वकील विख्यात ओबरॉय ने बताया कि उनके मुवक्किल को शपथपत्र देना होगा कि वह यात्रा खर्च का भुगतान करेंगे, जो उनकी अपील के परिणाम के अधीन होगा। ओबरॉय के मुताबिक इस संबंध में उनकी अपील दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है और अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह अपील प्राधिकारियों द्वारा दिए गए उस आदेश के विरुद्ध है, जिसमें उन्हें हिरासत पैरोल पर संसद में उपस्थित होने के लिए यात्रा व्यय के रूप में कई लाख रुपये का भुगतान करने को कहा गया था।

रशीद (58) को 2017 के आतंकी वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था। वह 2019 से दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। रशीद ने 2024 लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामूला से हराया था। उनपर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकवादी समूहों का वित्तपोषण का आरोप है।

● जेल में बंद सांसद की वोट देने की याचिका कोर्ट ने की स्वीकार

दुश्मन बने दोस्त को फंसाने के लिए पुलिस को दी धमकी

नोएडा, एजेंसी

मुंबई पुलिस को कथित तौर पर धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में नोएडा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने अपने खिलाफ मामला दर्ज कराने वाले व्यक्ति को फंसाने और उससे बदला लेने के लिए मुंबई पुलिस को संदेश भेजा कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स लेकर मुंबई में घुस गए हैं।

बिहार के पटना का रहने वाला आरोपी अश्विनी कुमार (51) पिछले पांच वर्ष से नोएडा के सेक्टर 79 में स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में रह रहा था। वह खुद को ज्योतिषी और वास्तु विशेषज्ञ बताता था। मुंबई पुलिस को नोएडा से संदेश भेजे जाने के बारे में पता चलने पर सेक्टर 113 पुलिस हरकत में आई और कुछ ही घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नोएडा) सुमित शुक्ला ने बताया कि कुमार को सेक्टर 79 से गिरफ्तार कर मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया। जांचकर्ताओं ने कहा कि कुमार ने स्वीकार किया कि उसने व्यक्तिगत रंजिश के चलते ऐसा किया। अधिकारी ने कहा, "वह अपने एक दोस्त से बदला लेना चाहता था, जिसने 2023 में पटना में उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस मामले में उसे तीन महीने की जेल हुई थी। बदला लेने के लिए, कुमार ने उसके (दोस्त के) नाम का इस्तेमाल करके मुंबई पुलिस को धमकी भरा संदेश भेजा।"

● मुंबई पुलिस ने नोएडा से किया आरोपी को गिरफ्तार

दिल्ली में यमुना का जलस्तर 207 मीटर से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली में पुराने रेलवे पुल के नीचे यमुना नदी का जलस्तर शनिवार को कम होकर 206.47 मीटर पर पहुंच गया, जो कई दिन से 207 मीटर के आसपास था। हालांकि जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है।

दिल्ली में चेतावनी का निशान 204.50 मीटर, खतरे का निशान 205.33 मीटर है। जलस्तर 206 मीटर पर पहुंचने के बाद नदी के आसपास रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाता है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के जोखिमों पर नजर रखने के लिए प्रमुख अवलोकन बिंदु है। अधिकारियों के अनुसार निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के अस्थायी आवास के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, मयूर विहार, कश्मीरी गेट और आसपास के इलाकों में टेंट लगाए गए हैं।

केरल में तेजाब हमले में दो नाबालिग लड़कियां झुलसीं

कासरगोड। उत्तरी केरल के कासरगोड जिले के पनाथाडी गांव में दो नाबालिग लड़कियां उस समय झुलस गईं, जब उनमें से एक के पिता ने कथित तौर पर उन पर तेजाब डाल दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि राजापुरम पुलिस ने कर्नाटक के दक्षिण कन्नड के करिके निवासी मनोज के सी (48) के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे हुई जब मनोज पनाथाडी गांव के परकादावु में अपने साले के घर पहुंचा। मनोज और उसकी पत्नी के बीच अनबन रहती थी इसलिए वह पति का घर छोड़कर अपने भाई के घर आ गई थी। शुक्रवार को मनोज की 17 वर्षीय बेटी और उसकी रिश्ते की बहन (10) आंगन में खेल रही थीं, तभी उसने कथित तौर पर रबर शीट बनाने में इस्तेमाल होने वाले तेजाब की एक बोतल खोली और उन पर उड़ेल दी और मौके से भाग गया। तेजाब से मनोज की बेटी के हाथ और जांघ जबकि उसकी बहन के चेहरे और हाथ मामूली रूप से झुलस गए। दोनों लड़कियों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है।

सोनम सहित आठ लोगों के खिलाफ 790 पृष्ठों का आरोपपत्र मेघालय पुलिस ने किया दाखिल

शिलांग, एजेंसी

मेघालय पुलिस ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की इस साल हुई हत्या के मामले में उनकी पत्नी सोनम सहित आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि रघुवंशी की इस साल मई में अपनी पत्नी के साथ हनीमून पर मेघालय आने पर की गई थी।

पूर्वी खासी पर्वतीय जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने कहा कि पुलिस ने शुक्रवार को सोहरा उप-संभाग के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 790 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें भौतिक साक्ष्य और अन्य दस्तावेज संलग्न हैं। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम सोहरा जाने से पहले 21 मई को शिलांग आए थे। 26 मई को दंपति के लापता होने की सूचना मिली, जिसके बाद सोहरा पुलिस, विशेष अभियान दल (एसओटी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), पर्वतारोही समूहों और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। कई दिनों की गहन खोज के बाद, राजा रघुवंशी का शव दो जून को सोहरा में प्रसिद्ध वेई सावडोंग झरने के पास, उम्बलई के अरलियांग रियात कुनोन्ग्रिम में खाई से बरामद किया गया। सोहरा पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मेघालय पुलिस ने पूर्वी खासी पर्वतीय जिला के पुलिस अधीक्षक (शहर) हर्बर्ट खारकोंगोर के नेतृत्व में व विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी जांच में खुलासा हुआ कि सोनम का राज कुशवाहा के साथ संबंध था। दोनों ने तीन भाड़े के हमलावरों के साथ मिलकर हनीमून के बहाने रघुवंशी की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस के मुताबिक, सोनम रघुवंशी, राज कुशवाहा, आकाश सिंह राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी पर हत्या के आरोप लगाए गए हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड

आरोपी राज और सोनम (फाइल फोटो)

● राजा रघुवंशी की हत्या के भौतिक साक्ष्य और अन्य दस्तावेज किया कोर्ट में पेश

वर्ल्ड ब्रीफ

सीजेआई भगवान बुद्ध की जन्मस्थली पहुंचे

काठमांडू। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर में मंत्रों का जप भी किया। न्यायमूर्ति गवई ने वहां दीप जलाकर विश्व शांति, मानव कल्याण और भारत-नेपाल के बीच गहरे मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना की। प्रधान न्यायाधीश काठमांडू में नेपाल के उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित 'न्याय क्षेत्र सुधारों पर नेपाल-भारत न्यायिक संवाद' को संबोधित करने के लिए वहां पहुंचे थे।

सूडान में शांति सैनिकों पर हमले की निंदा की

जुबा। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने पश्चिमी इक्वेटोरिया राज्य में शांति सैनिकों पर एक स्थानीय सशस्त्र समूह के हमले की निंदा की है जिसमें उनके हथियारों को जब्त कर लिया गया था। दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में जारी एक बयान में यूएनएमआईएसएस ने कहा कि यह हमला बुधवार को उस समय हुआ जब उसके सैन्यकर्मी तम्बुरा और मापुसे के बीच गश्त लगा रहे थे। बयान में कहा गया, मिशन बार-बार दुहराता है कि उसके शांति सैनिक ऐसे समय में नागरिकों की सुरक्षा में तैनात हैं जब पश्चिमी इक्वेटोरिया में विशेष रूप से तंबूरा और उसके आसपास पहुंच एवं सुरक्षा की स्थिति नाज़ुक बनी हुई है।

केन्या : आतंकी हमले में एक की मौत, तीन घायल

केन्या। सोमालिया की सीमा के पास पूर्वी केन्या के गरिसा काउंटी में सुरक्षा दल पर अल-शबाब आतंकवादियों के हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। केन्या की पुलिस के मुताबिक आज शाम स्थानीय समयानुसार करीब छह बजे हागाडेरा-बियामाथोबे मार्ग पर सुरक्षा दलों पर घात लगाकर हमला किया गया था हताहतों में राष्ट्रीय पुलिस रिजर्व और मा 'विस्ले नामक स्थानीय सशस्त्र समूह के लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादरोधी पुलिस हमले की घटना की जांच कर रही है।

अरमानी को सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी

मिलान। फैशन की दुनिया में परिधानों की नयी परिभाषा गढ़ने वाले मशहूर इतालवी डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी को शनिवार को सैकड़ों आम प्रशंसकों और अतिविशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अरमानी ने गैर पारंपरिक परिधानों के साथ फैशन की दुनिया में धूम मचा दी थी। अरमानी का बृहस्पतिवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

ब्रिटेन: मंत्रिमंडल के शीर्ष पदों पर महिलाओं को मिली जगह

लंदन, एजेंसी

- पाकिस्तान मूल की शबाना गृहमंत्री और यवेट को बनाया विदेश मंत्री

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शनिवार को सभी स्तरों के मंत्रिस्तरीय पदों में बड़े फेरबदल के तहत महिला सांसदों को मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया है।

पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद की गृह मंत्री के पद पर पदोन्नति तथा गृह कार्यालय की पूर्व अधिकारी यवेट कूपर को विदेश मंत्री नियुक्त किए जाने का अर्थ है कि चांसलर रेचल रीव्स के साथ शीर्ष तीन सरकारी पदों का नेतृत्व पहली बार महिलाओं के हाथ में होगा। स्टार्मर ने कम कर भुगतान विवाद के कारण एंजेला रेनर के उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए विदेश मंत्री डेविड लैमी को उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान किए जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

महमूद ने शुक्रवार शाम गृह मंत्री का कार्यभार संभालते हुए कहा, गृह मंत्री के रूप में सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा है। इस पद पर रहते हुए, मैं हर दिन इसी उद्देश्य के लिए समर्पित रहूंगी।

आखिर क्यों विवादों के घेरे में है
इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल

इथेनॉल एक रंगहीन, वाष्पशील और ज्वलनशील तरल है, जिसे एथिल अल्कोहल भी कहते हैं। इसका निर्माण अनाजों, गन्ने या बायोमास में मौजूद शर्करा या स्टार्च को खमीर के माध्यम से किण्वित करके किया जाता है। इसकी प्रकृति पारदर्शी, रंगहीन और तीखा स्वाद वाला तरल है जो अत्यधिक ज्वलनशील होता है और विभिन्न कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों को घोलने में सहायक होता है। इसी कारण इसे पेट्रोल में मिलाया जाता है और इसके पीछे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन में कमी करने जैसे कई कारण गिनाए गए हैं। हालांकि, कई कारणों से इसका काफी विरोध भी किया जा रहा है। हाल ही में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री रोकने के लिए दायर की गई एक जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है।

इथेनॉल की खूबियां

- इथेनॉल एक कार्बनिक यौगिक है, यह अल्कोहल समूह से संबंधित और मादक पेयों में मौजूद मुख्य सक्रिय घटक है।
- यह एक नवीकरणीय ईंधन है और गैसोलीन में योज्य के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह अत्यधिक ज्वलनशील होता है।
- यह एक वाष्पशील कार्बनिक यौगिक है जिसे राष्ट्रीय प्रदूषक सूची में सूचीबद्ध किया गया है। यह स्वच्छ रूप से जलता है।

मिश्रण

- ई-10 में 10% इथेनॉल 90% पेट्रोल होता है।
- ई- 20 में 20% इथेनॉल 80% पेट्रोल होता है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लाभ

- देश की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार क्योंकि इथेनॉल जैव ईंधन है जो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करता है।
- इथेनॉल से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होता है, जो स्वच्छ हवा और नेट जीरो लक्ष्य में सहायक है।
- इथेनॉल उत्पादन से कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन, किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलता है।
- इथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग अधिक होती है, जिससे बेहतर दहन होता है और इंजन का प्रदर्शन सुधरता है।

प्रमुख उपलब्धियां

- कच्चे तेल के आयात में कटौती करके 1,06,072 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत हुई।
- इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से कार्बन उत्सर्जन में 544 लाख मीट्रिक टन की कमी आई है।
- तेल कंपनियों ने डिस्टिलरों को 1,45,930, किसानों को 87,558 करोड़ रुपये वितरित किए।

नुकसान का अंदेशा

- इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने जैसी फसलों के इस्तेमाल से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।
- गन्ने समेत कुछ फसलों को उगाने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव पड़ सकता है।
- कुछ पुराने वाहनों में इथेनॉल मिश्रण से इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंच सकता है, ई 20 के लिए नया बुनियादी ढांचा जरूरी होता है।
- इथेनॉल में पानी खींचने के गुण होते हैं, जिससे ईंधन प्रणाली में जंग लग सकती है। मूल्य में अस्थिरता का भी अंदेशा बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री रोकने के लिए दायर एक जनहित याचिका को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इसलिए इन्कार कर दिया क्योंकि केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और विदेशी मुद्रा के संरक्षण के उपाय के रूप में इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का बचाव किया था।

हजरतबल मस्जिद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने पर और गरमाया माहौल

कश्मीर के सभी सियासी दल एकजुट, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग

श्रीनगर/जम्मू, एजेंसी

श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में वक्फ बोर्ड की ओर से नवीनीकरण पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कश्मीर के सभी राजनीतिक दल एकजुट हो गए हैं। कुछ दलों ने इस घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी को बर्खास्त करने की मांग की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक सरकारी समारोहों के लिए है, धार्मिक संस्थानों के लिए नहीं जबकि पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती ने इस चिह्न के इस्तेमाल को ईशनिंदा करार दिया। कुछ धार्मिक नेताओं ने दलील दी कि यह इस्लाम की शिक्षाओं के विरुद्ध है।

हजरतबल मस्जिद के जीर्णोद्धार का उल्लेख करने वाली पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल करने को लेकर विवाद खड़ा होने के बाद शुक्रवार को सामूहिक नमाज के ठीक बाद अज्ञात लोगों ने पट्टिका पर लगे चिह्न को तोड़ दिया था। जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय चिह्न को हटाने वालों के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) सहित विभिन्न धाराओं में कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शनिवार को इस घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शांति भंग करने, दंगा करने और आपराधिक साजिश रचने का मामला दर्ज किया।

हालांकि, भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने न केवल पट्टिका को क्षतिग्रस्त करने के दोषियों के खिलाफ बल्कि नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं पर सवाल उठाते हुए अशोक स्तंभ को विकृत करने के लिए 'पर्दे के पीछे' काम करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड को उस 'गलती' के लिए माफी मांगनी चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

श्रीनगर में पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन पर दरगाह हजरतबल में प्रार्थना के लिए इकट्ठे लोग।

धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रीय प्रतीक कभी नहीं देखा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, सबसे पहले, यह सवाल उठता है कि क्या इस पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था या नहीं। मैंने कभी किसी धार्मिक स्थल पर इस तरह से प्रतीक का इस्तेमाल होते नहीं देखा। उन्होंने कहा, मस्जिद, दरगाह, मंदिर और गुरुद्वारे सरकारी संस्थान नहीं हैं। ये धार्मिक संस्थान हैं और धार्मिक संस्थानों में सरकारी प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। नेशनल कांफ्रेंसने शनिवार को भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम का 'उल्लंघन' करने के लिए अंद्राबी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा, इस कदम से मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उनके (अंद्राबी) और पट्टिका लगाने वालों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। यह ईशनिंदा का कृत्य है।

भाजपा ने कहा- घाटी में अलगाववाद और आतंकवाद फिर जिंदा करने की कोशिश

भाजपा ने पट्टिका को क्षतिग्रस्त करने की निंदा करते हुए दावा किया कि इसे मस्जिद से बाहर लगाया गया था और यह घटना घाटी में 'आतंकवाद और अलगाववाद' को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हजरतबल की घटना एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है और चिंता का विषय है। नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने अशोक स्तंभ वाली पट्टिका के बारे में ट्वीटकिया और उसकी तोड़फोड़ का वीडियो वायरल हो गया, जिससे देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। सेठी ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक सभी धर्मों के लोगों के लिए सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह हमला कश्मीर की सूफी संस्कृति के भी खिलाफ है जो सहिष्णुता सिखाती है और इस घटना के खिलाफ घाटी के लोगों में आक्रोश है। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी मांग करती है कि कार्रवाई केवल उन लोगों तक सीमित नहीं होनी चाहिए जिन्होंने पट्टिका को क्षतिग्रस्त किया बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाले लोगों पर भी होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में नहीं शामिल होंगे मोदी, जयशंकर करेंगे प्रतिनिधित्व

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक उच्चस्तरीय सत्र में शामिल नहीं होंगे। यहां जारी वक्ताओं की संशोधित अनंतिम सूची से यह खुलासा हुआ है। सूची के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय सत्र 23 से 29 सितंबर तक होगा जिसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा उसके बाद अमेरिका दूसरे स्थान पर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए के मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे। व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में यह उनका

- ट्रंप 23 सितंबर को वैश्विक नेताओं को करेंगे संबोधित

पहला संबोधन होगा। उच्च स्तरीय सत्र में शामिल होने वाले वक्ताओं की शुक्रवार को जारी संशोधित अनंतिम सूची के अनुसार भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। वह 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। दरअसल इससे पहले जुलाई में जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची में यह जानकारी दी गई थी कि प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करेंगे।

मोदी की मैक्रों से यूक्रेन व द्विपक्षीय मुद्दों पर बात

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और कहा कि दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई और दोनों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ यूक्रेन के मुद्दे पर भी विचारों का आदान प्रदान किया। भारत संघर्ष के जल्द समाधान और क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली के प्रयासों का निरंतर समर्थन करता रहा है। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ अच्छी बातचीत हुई।

सत्ता के लिए अत्याचार कर रहे मुनीर : इमरान

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर नये सिरे से हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह अपने शासन को सुदृढ़ करने के लिए अत्याचार का सहारा ले रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मुख्य संरक्षक खान ने मुनीर पर अघोषित मार्शल लॉ लागू करने, पिछले फरवरी के चुनाव में लोगों का जनादेश चुराकर शहबाज शरीफ के नेतृत्व में कठपुतली सरकार स्थापित करने और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करने का आरोप लगाया है।

रूस में व्हाट्सएप-टेलीग्राम पर प्रतिबंध नए मैसेजिंग एप मैक्स को किया लांच

मॉस्को। रूस के लाखों नागरिकों को मीडिया नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर की ओर से अगस्त के मध्य में लगाए गए नए प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है जो सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप व्हाट्सएप और टेलीग्राम से की जाने वाली कॉल पर लगाए गए हैं।

बीबीसी के मुताबिक इसी समय रूसी फर्म ने मैक्स नाम से एक नए राष्ट्रीय मैसेंजर एप को लांच किया है, जिसे क्रेमलिन नियंत्रित करता है। यदि देश में व्हाट्सएप और

- मेटा को सरकार ने घोषित किया है चरमपंथी संगठन

टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की आंकड़ों की बात करें तो कुल 14.30 करोड़ की आबादी में से व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या क्रमशः 9.7 और नौ करोड़ होने का अनुमान है। व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा को रूस में एक चरमपंथी संगठन घोषित किया गया है।

ट्रंप ने जताई हमास की हिरासत में मौजूद इजराइली बंधकों की मौत की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी

- कहा- हमास ने सभी को फौरन न रिहा किया तो होगी खराब स्थिति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि हमास लड़ाकों द्वारा बंधक बनाए गए 20 बंधकों में से कुछ की मौत हो गई होगी क्योंकि इजराइली सेना ने गाजा पर कब्जे के लिए अपना सैन्य अभियान शुरू करने के पहले निवासियों से शहर खाली करने का आह्वान किया है।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों को दिए गए ब्रीफिंग में ट्रंप से जब गाजा की स्थिति और हमास आतंकवादियों के साथ इजराइल की चल रही लड़ाई के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह 20 लोगों की बात है लेकिन मुझे लगता है कि इन 20 लोगों में से कुछ की हाल में मौत हो गई होगी। मैं यही सुन रहा हूं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं हुआ हो। ट्रंप की मध्यस्थता प्रक्रिया के बारे में टिप्पणी थी, हम हमास के साथ गहन बातचीत कर रहे हैं। हमने उससे कहा कि अगर इजराइली बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो हालात कठिन और बदतर हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा, सभी को अभी रिहा करो। अगर ऐसा हुआ तो उनके लिए बहुत होगा, वरना स्थिति और खराब होगी।

इजराइल ने गाजा को खाली करने को कहा

दीर अल बलाह। इजराइल की सेना ने भुखमरी की कगार पर पहले ही पहुंच चुके गाजा शहर के फलस्तीनियों को शनिवार को निर्देश दिया कि वे शहर को खाली कर दक्षिण स्थित मानवीय क्षेत्र में चले जाएं।

इजराइल का यह निर्देश इलाके पर कब्जा करने के लिए अपने अभियान का विस्तार किए जाने के बीच आया जिसमें ऊंची इमारतों को भी निशाना बनाया जा सकता है। करीब 10 लाख आबादी वाले इस शहर के कुछ हिस्सों को पहले से ही 'रेड जोन' माना जाता है, जहां अपेक्षित आक्रमण से पहले ही लोगों को खाली करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर भारत के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण

चेन्नई, एजेंसी

- चेन्नई में अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की पासिंग आउट परेड में बोले वायुसेना प्रमुख

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है और भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वायुसेना प्रमुख ने यहां अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की 'पासिंग आउट परेड' की समीक्षा के बाद कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तीनों सेनाओं के बीच विशिष्ट समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया। कुल 130 अधिकारी कैडेट और 25 महिला अधिकारी कैडेट को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में कमीशन दिया गया, जबकि नौ मित्र देशों की 12 महिला विदेशी अधिकारी कैडेट ने भी सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिला।

सिंह ने कहा, जब हम भविष्य की ओर देखते हैं तो दो बातें निश्चित हैं। युद्ध का तेजी से बदलता स्वरूप और सैन्य शक्ति की बढ़ती प्रासंगिकता। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर हमारे अद्वितीय पराक्रम का एक ज्वलंत उदाहरण है। इन बलों के भविष्य के रूप में आपको यह समझना होगा कि रक्षा बल हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले रहे हैं और रहेंगे।

चेन्नई की ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मनाते नवनियुक्त अधिकारी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 23 .38 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

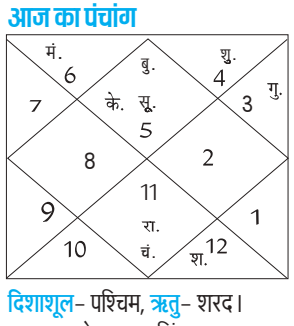

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-शतभिषा 21 .41 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज नए अनुभवों की प्राप्ति होगी। छात्र नए विषयों के अध्ययन में रुचि लेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। युवाओं को नई जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है। अपनी प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें।

वृष — आज आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। आपके ऊपर सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ सकता है। व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। परिजनों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आप जो काम सोच रहे थे वो समय से पूरा हो जाएगा।

मिथुन — आज अपने अंतर्मन की आवाज को अनसुना न करें। अपनी दिनचर्या में योग और व्यायाम को सम्मिलित करें। आय के नए साधन विकसित करने का प्रयास कर सकते हैं। उधार लिया हुआ धन वापस लौटाने का दबाव बन सकता है।

कर्क — आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरपूर रहेगा। सामाजिक कार्यों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। लंबी दूरी की यात्रा न करें। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों की बातों से मन व्यथित हो सकता है।

सिंह — आज किसी मित्र के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से शानदार सहयोग मिलेगा।

कन्या — आज का दिन काफी शानदार रहेगा। भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। नए लक्ष्यों को निर्धारित करेंगे और उन पर काम करेंगे। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों का तनाव कम होगा।

तुला — आज परिजनों से अपने मन की बातें साझा करें। लोगों का मनोबल बढ़ाने में आप काफी सहायता कर सकते हैं, लेकिन फिर भी नकारात्मक विचार आपके ऊपर हावी हो सकते हैं। नजदीकी लोगों का व्यवहार आपको खराब लग सकता है।

वृश्चिक — आज कारोबार में धीमेपन को लेकर थोड़ा चिंतित हो सकते हैं। अच्छा समय आने का इंतजार करें। किसी को उधार धन न दें। आपको सोच-समझकर बातें करनी चाहिए। अनावश्यक चर्चा करने के कारण हास्य का पात्र बन सकते हैं।

धनु — आज सरकारी योजनाओं से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके अधिकार बढ़ेंगे। मानसिक तनाव में कमी आएगी। आय में वृद्धि होगी। कई दिनों से अटके हुए मामलों को लेकर निष्कर्ष में पहुंच सकते हैं।

मकर — आज धन उधार लेना आपको महंगा पड़ सकता है। मित्रों के प्रति अविश्वास का भाव उत्पन्न न होने दें। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपके ऊपर क्रोधित हो सकते हैं। सोच-समझकर ही धन खर्च करें।

कुंभ — आज उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी आपके प्रति समर्पित भाव रखेगा। दूर के रिश्तेदारों से शुभ सूचना मिल सकती है। घर पर काफी आराम का वक्त बिताएंगे।

मीन — आज अपने व्यवहार में नरमी रखें। किसी पर भी अधिक विश्वास न करें। किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आपके सही कार्यों का भी विरोध हो सकता है। लापरवाह रवैये के कारण आपको परेशानी हो सकती है।

सुडोकू-92

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। -नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

कानपुर नगर, रविवार, 7 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला टीम ने जापान को ड्रा पर रोका

हांगझोउ (चीन) : नवनीत कौर के आखिरी क्षणों में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गोल की बदौलत भारत ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे पूल मैच में जापान को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। हिरोका मुरायामा ने 10वें मिनट में गोल करके विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर काबिज जापान को बढ़त दिलाई लेकिन 30वें मिनट में रुतजा दादासो पिसाल ने भारत के लिए बराबरी का गोल किया।

क्रिकेट टीम ने एशिया कप की तैयारी शुरू की

दुबई : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप की तैयारी के लिए ट्रेनिंग के पहले दिन अपने साथी खिलाड़ियों की ऊर्जा और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि साथी खिलाड़ियों की ऊर्जा और कौशल ने उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास दिया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ करेगा। उसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान और 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। प्लेऑफ 20 सितंबर से शुरू होंगे।

विश्व कप में हर चुनौती का सामना करेंगे : हीली

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली को भरोसा है कि उनकी टीम भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्व कप में हर तरह की चुनौती से पार पाने में सफल रहेगी। ऑस्ट्रेलिया महिला वनडे विश्व कप में सात बार का चैंपियन है और वह भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेगा।

मध्य क्षेत्र ने बढ़त हासिल की

बेंगलुरु : हर्ष दूबे (75 रन) और उपेंद्र यादव (87 रन) ने अलग अलग अंदाज में अर्धशतक जड़कर मध्य क्षेत्र को शनिवार को यहां पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई जिससे टीम दलीप ट्रॉफी के फाइनल की दहलीज पर पहुंच गई। सेमीफाइनल के तीसरे दिन स्टंप तक मध्य क्षेत्र ने आठ विकेट पर 556 रन बनाकर पहली पारी के हिसाब से 118 रन की बढ़त बना ली। दिन के अंतिम ओवर में दीपक चाहर (33 रन) के आउट होने के बाद सारांश जैन 37 और यश ठाकुर चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

अय्यर भारत ए के कप्तान नियुक्त

मुंबई : टेस्ट और एशिया कप के लिए चुनी गई टी-20 भारतीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे श्रेयस अय्यर को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच के लिए शनिवार को भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल और मोहम्मद सिराज इस शृंखला के दूसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। शृंखला का पहला मैच 16 से 19 सितंबर और दूसरा 23 से 26 सितंबर तक इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारतीय टीम हॉकी एशिया कप के फाइनल में

राजगीर, एजेंसी

- सुपर चार के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराया

स्ट्राइकर अभिषेक के दो गोल की बदौलत भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां सुपर चार के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराकर एशिया कप टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अभिषेक ने मैच के 46वें और 50वें मिनट में गोल दागे। उनसे पहले इस एकतरफा मुकाबले में शिलानंद लाकड़ा (चौथे मिनट), दिलप्रीत सिंह (सातवें), मनदीप सिंह (18वें), राजकुमार पाल (37वें) और सुखजीत सिंह (39वें) के गोल ने टीम की बड़ी जीत पक्की कर दी।

रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में भारत के सामने मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया की चुनौती होगी। इस जीत के साथ भारत सुपर चार लीग तालिका में सात अंकों के साथ शीर्ष पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

चीन और मलेशिया दोनों तीन-तीन अंकों के साथ उनसे पीछे रहे। इससे पहले भारत ने सुपर चार चरण के अपने शुरुआती दो मैचों में पांच बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था और मलेशिया को 4-1 से हराया था।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की विजेता टीम को अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

भारत ऐसे में विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से बस एक कदम दूर है। कोरिया ने दिन के एक अन्य मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया को 4-3 से हराया। चीन अब रविवार को तीसरे-चौथे स्थान के लिए मलेशिया से खेलेगा। भारतीय खिलाड़ी चीन के खिलाफ पूरी तरह से हावी रहे और यह मुकाबला ज्यादातर चीन के हाफ में ही खेला गया। मैच में भारतीय रक्षापंक्ति को भी कोई चुनौती नहीं मिली क्योंकि चीन के खिलाड़ी भारत के सर्कल में घुसने संघर्ष करते रहे। भारत ने मैच में एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं दिया।

भारतीयों ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाने में कोई समय नहीं गंवाया। टीम को चौथे मिनट में उनके प्रयासों का फल मिला जब शिलानंद ने पहला गोल कर खाता खोला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हाफ लाइन से शानदार हवाई पास को दाहिनी ओर से जरमनप्रीत सिंह ने नियंत्रित किया और इसे शिलानंद की ओर मोड़ दिया। शिलानंद ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

भारत के शिलानंद लाकड़ा (बाएं से दूसरे) गोल करने के बाद टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

अल्काराज और सिनर में होगा यूएस ओपन का खिताबी मुकाबला

कार्लोस ने नोवाक जोकोविच और सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को हराया

कार्लोस अल्काराज।

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और नंबर दो खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। यह इस वर्ष लगातार तीसरा अवसर होगा जबकि दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले यह दो खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे।

अल्काराज ने शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-6 (4), 6-2 से हराया। उन्होंने जीत हासिल करने के बाद सभी को एक पल रुकने के लिए कहा। अल्काराज ने जेब से अपना मोबाइल फोन निकाला ताकि वह सिनर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच दूसरे सेमीफाइनल का स्कोर देख सके, लेकिन तब उस मैच का पहला सेट ही चल रहा था। सिनर ने इसके कुछ घंटे बाद ऑगर-अलियासिमे पर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल करके अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और रोमांचक मुकाबले की नींव रखी।

जोकोविच ने मैच के बाद स्वीकार किया कि यह दोनों खिलाड़ी इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा ये दोनों खिलाड़ी इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। इसमें कोई शक नहीं। उन्होंने खुद को खेल के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है।

रविवार को होने वाले फाइनल का परिणाम जो भी हो यह सुनिश्चित है कि यह जोड़ी पिछली आठ ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को साझा करेगी और पिछले 13 में से 10 पर कब्जा करेगी। अल्काराज ने अभी तक पांच और सिनर ने चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मैच से नंबर एक रैंकिंग का भी फैसला होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मैच को देखने के लिए आ सकते हैं। अल्काराज ने जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था। सिनर ने जुलाई में विंबलडन में इसका बदला चुकता कर दिया था। सिनर न्यूयॉर्क में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार पांच साल तक यह हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट जीता था। सिनर ने लगातार पांच ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी जगह बनाई है, जिसकी शुरुआत 12 महीने पहले अमेरिकी ओपन से हुई थी। अल्काराज ने अपना छठा प्रमुख खिताब और फ्लशिंग मीडोज में दूसरा खिताब जीतने की कवायद में एक भी सेट नहीं गंवाया है। अल्काराज़ ने कहा मैं मैचों, टूर्नामेंट, पूरे साल, कुल मिलाकर, निरंतरता बनाए रखने पर काम कर रहा हूं। बस किसी भी मैच में उतार-चढ़ाव न हो। शायद, मैं परिपक्व हो रहा हूं, खुद को और बेहतर तरीके से जान रहा हूं और यह समझ रहा हूं कि कोर्ट के अंदर और बाहर मुझे क्या करना चाहिए। सिनर का 2024 की शुरुआत से अल्काराज के खिलाफ रिकॉर्ड 1-6 है।

इटली के यानिक सिनर ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ शॉट लगाते हुए।

जोकोविच ने कहा हार नहीं मानूंगा

न्यूयॉर्क : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की अपनी कोशिश जारी रखेंगे। कार्लोस अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच कुछ अवसरों पर अच्छी स्थिति में दिखे लेकिन आखिर में उन्हें सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। सर्बिया के 38 वर्षीय खिलाड़ी जोकोविच ने इस सत्र में चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन हर बार उससे आगे बढ़ने में नाकाम रहे। उन्हें तीन बार 22 वर्षीय अल्काराज़ और एक बार 24 वर्षीय यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मैच के बारे में जोकोविच ने कहा दुर्भाग्य से, दूसरे सेट के बाद मेरी ऊर्जा खत्म हो गई। मेरे पास उनसे मुकाबला करने और दो सेट तक उनकी लय बनाए रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा थी। उसके बाद मैं पूरी तरह थक गया।

सबालेंका की निगाह चौथे ग्रैंड स्लैम खिताब पर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमांडा अनिसिमोवा से यूएस ओपन में मुकाबला आज

2025 में अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलेंगी बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका जब यहां आर्थर ऐश स्टेडियम में महिला वर्ग के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, तो उनकी निगाह अपना चौथा ग्रैंड स्लैम और अमेरिकी ओपन में लगातार दूसरे खिताब पर रहेंगी।

बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका 2025 में अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलेगी। इससे पहले वह दो अवसर पर अमेरिका की खिलाड़ियों से हार गई थी और इस बार भी फाइनल में उनका मुकाबला एक अमेरिकी खिड़की से है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अमेरिकी खिलाड़ियों से फाइनल में हार का यह सिलसिला तोड़ पाती है या नहीं।

वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैडिसन कीज से और जून में फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ से हार गई थीं। सबालेंका ने पिछले वर्ष न्यूयॉर्क में हुए फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को भी हराया था और वह इस जीत से प्रेरणा देने की कोशिश करेंगी। यही नहीं वह 2012-14 में सेरेना विलियम्स के बाद अमेरिकी ओपन में लगातार ट्रॉफी जीतने वाली पहली महिला बनने की कोशिश भी करेंगी। सबालेंका जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में अनिसिमोवा से हार गई थी और वह इसका बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो नौ मैच खेले गए हैं उनमें अनिसिमोवा ने छह में जीत हासिल की है।

एरिना सबालेंका। एजेंसी

डाब्रोवस्की और रूटलिफ ने महिला युगल का खिताब जीता

न्यूयॉर्क : गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रूटलिफ ने फाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करके तीन वर्षों में दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता। तीसरी वरीयता प्राप्त डाब्रोवस्की और राउटलिफ ने फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। इसके बाद डाब्रोवस्की और रूटलिफ गले मिलीं। इन दोनों ने स्तन कैंसर के इलाज के बाद डाब्रोवस्की की पहली बड़ी जीत का जश्न मनाया।

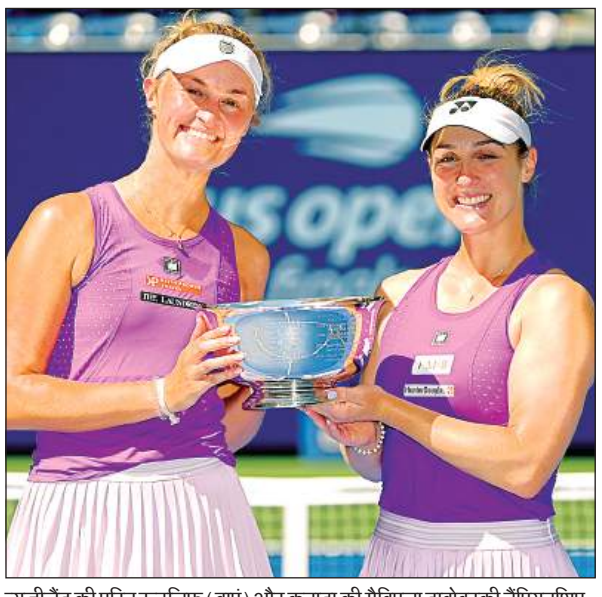

न्यूजीलैंड की एरिन रूटलिफ (बाएं) और कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की चैंपियनशिप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

यूपी टी-20 लीग युवाओं के लिए अवसर : सीएम

उत्तर प्रदेश प्रीमियर टी-20 लीग के समापन समारोह में ट्रॉफी व रोबोट के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव शुक्ला व अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बीसीसीआई से किया अनुरोध 25 करोड़ आबादी के उत्तर प्रदेश की दो टीमें बनें
- मुख्यमंत्री योगी ने फाइनल मैच का टॉस उछालकर और घंटा बजाकर की शुरुआत

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश प्रीमियर टी-20 लीग का भव्य समापन शनिवार को अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फाइनल मैच का टॉस उछालकर और घंटा बजाकर शुरुआत की।

काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। सीएम ने खिलाड़ियों और कप्तानों से मुलाकात की और ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी टी20 लीग युवाओं के लिए अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि 25 करोड़ की आबादी वाले यूपी को कम से कम दो टीमें दी जाएं, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलें। उन्होंने बताया कि वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से बन रहा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इस वर्ष के अंत तक पूरा हो जाएगा, जबकि अयोध्या, गोरखपुर और मेरठ में भी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के स्टेडियम निर्माणाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि हर गांव में खेल मैदान, हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम और हर जनपद में स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। पुराने खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त कर उभरते खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और यूपीसीए के वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्य सभा सांसद राजीव शुक्ला, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और यूपी टी20 लीग के चेयरमैन डॉ. डीएम चौहान भी मौजूद रहे।

बीसीसीआई 28 सितंबर को नए अध्यक्ष का चुनाव करेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 28 सितंबर को यहां अपनी आम सालाना बैठक में नए अध्यक्ष और आईपीएल के अगले चेयरमैन का चुनाव करेगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के 70 साल के होने के बाद इस महीने की शुरुआत में दिए इस्तीफे के बाद से बीसीसीआई अध्यक्ष का पद खाली है। बीसीसीआई का संविधान किसी भी अधिकारी को 70 वर्ष से अधिक आयु तक किसी पद पर बने रहने की अनुमति नहीं देता है। आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल के कुल छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अनिवार्य ब्रेक पर जाने की संभावना है। हालांकि चुनाव बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदों के लिए होने हैं लेकिन यह प्रभावी रूप से केवल एक पद के लिए ही होना है क्योंकि अन्य पदों पर अधिकारियों के बरकरार रहने की संभावना है।

बढ़ा रोमांच | टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक

चोपड़ा व नदीम के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

नीरज चोपड़ा व अरशद नदीम।

शीर्ष भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम इस महीने के अंत में टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिर से पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल की तरह मुकाबले के लिए तैयार हैं।

मौजूदा विश्व चैंपियन चोपड़ा 13 से 21 सितंबर के बीच होने वाली इस प्रतियोगिता में 19 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि नदीम पाकिस्तान के एकमात्र एथलीट हैं। नदीम ने अगस्त 2024 में पेरिस में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ चोपड़ा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। तब से दोनों प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेले हैं। पर अब एक साल से भी ज्यादा समय के बाद तोक्यो में उनका आमना-सामना होने वाला है जिससे यह ओलंपिक और विश्व चैंपियन के बीच मुकाबला होगा।

सत्ताईस वर्षीय चोपड़ा गत चैंपियन होने के नाते पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पा चुके हैं। उन्होंने क्वालीफाइंग अवधि के दौरान कई बार 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग मानक भी पार किया है। वहीं अठाईस वर्षीय नदीम ने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफाइंग मानक हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक फाइनल के बाद नदीम ने एकमात्र इसी स्पर्धा में हिस्सा लिया है। इस पाकिस्तानी खिलाड़ी की जुलाई में इंग्लैंड में पिंडली की मांसपेशी की सर्जरी हुई थी। विश्व चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक क्वालीफाइंग राउंड 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। तीन अन्य भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी तोक्यो में इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। इससे भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे ज्यादा होगी। डायमंड लीग ट्रॉफी विजेता जर्मनी के जूलियन वेबर इस साल तीन बार 90 मीटर से ज्यादा थ्रो करने के बाद इस स्पर्धा में पसंदीदा दावेदार के रूप में उतरेंगे।